विजयादशमी की शुभकामनाएं

गायक जुबिन गर्ग का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार - 10

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने नहीं दिया जवाब - 11

हम गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं : गिल - 12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी 07:11 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 313, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

हम दे रहे हैं खुशियों को जन्म

निःसंतानता

डॉ.लतिका अग्रवाल M.S.
व उनकी विश्व विख्यात IVF-ICSI टीम
डॉ.नरेन्द्र मलहोत्रा,
डॉ.जयदीप मलहोत्रा व लीलावती
मुम्बई के डॉ.सुदेश कामथ

iVF & FERTILITY

सार्थक टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर, बरेली

Laparoscopy/Hysteroscopy (दूरबीन विधि द्वारा operation) की सुविधा उपलब्ध

पीलीभीत की दिप्ती उम्र 45 वर्ष एवं अनिकेत उम्र 48 वर्ष की शादी को 20 साल हो चुके थे किन्तु उनके कोई सन्तान न थी दिप्ती के गर्भाशय में बहुत बड़े साईज की एक रसौली थी एवं उसकी ट्यूबढा भी बंद थी डॉ. लतिका ने उसकी रसौली का सफलता पूर्व ऑपरेशन किया। उसको आई.वी.एफ. कराने के लिए प्रेरित किया गया तथा राजी होने पर आई.वी.एफ. द्वारा गर्भाशय कराया गया। उसके गर्भ में दो भ्रूण ट्रांसफर किये गये। इसी माह ऑपरेशन द्वारा उसका प्रसव कराया गया। जुड़वा बच्चों को पाकर दम्पत्ति की खुशी का ठिकाना न रहा।

विश्वस्तरीय आधुनिक तकनीक के साथ
IVF की फीस मात्र ₹50,000/- में
(दवाईयों का खर्च अतिरिक्त)
IVF-ICSI
पंजीकरण हेतु कॉल करें : 9027092162, 8755669369

परामर्श हेतु कौन दम्पति सम्पर्क कर सकते है
- कम शुक्राणु
- धीमी गतिशीलता
- निल शुक्राणु
- खराब गुणवत्ता
- बंद ट्यूब
- अनियमित पीरियड
- अण्डों में खराबी
- गर्भाशय में रसौली

उपलब्ध सुविधायें
- IUI • IVF • ICSI
- लेपरोस्कोपी
- डोनर सर्विसेज
- ब्लास्टोसिस्ट कल्चर
- हिस्टरोस्कोपी

अतुल लतिका हॉस्पिटल रामपुर बाग, (प्रभा सिनेमा के सामने वाली रोड पर) बरेली
मो. 8755669369, 7505534150, 9927020051, 9027269220, 9837007228
E-mail: drlatikaagarwal@gmail.com | Website: www.latika-ivf.com

PRAYAG®
Milk & Milk Products

Happy Dussehra

Let's celebrate the victory of good over evil, following Lord Ram's path of righteousness and honor.
Wishing you a Happy Dussehra!

Visit Us www.prayagmilk.com

For Distributor Enquiry, Contact us +91 8979379854

निःसंतान दम्पत्तियों के लिए आशा की नई किरण IVF

आईवीएफ (IVF) या इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अंडाणु और शुक्राणु को प्रयोगशाला में मिलाया जाता है और फिर भ्रूण को गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है। जानिए आईवीएफ से जुड़े कुछ सामान्य सवालों के जवाब :-

डॉ. रूचि श्रीवास्तव ने महिलाओं सम्बन्धी जटिल मातृत्व रोग के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि आईवीएफ ही विकल्प रास्ता है।

आईवीएफ एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसमें महिला के अंडाशय से अंडे निकालकर उन्हें प्रयोगशाला में शुक्राणु के साथ निषेचित किया जाता है। इसके बाद निषेचित अंडे को महिला के गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाता है, जहां वह विकसित होकर भ्रूण बनता है।

आईवीएफ कब करवाना चाहिए?

आईवीएफ उन जोड़ों के लिए एक विकल्प हो सकता है जिन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई हो रही है। यह उन महिलाओं के लिए भी मददगार हो सकता है जिनके फैलोपियन ट्यूब बंद हैं या जिनके पुरुष साथी में शुक्राणुओं की संख्या कम है। आईवीएफ करवाने का सबसे अच्छा समय तब होता है जब महिला के अंडे स्वस्थ हों और पुरुष साथी में शुक्राणुओं की संख्या पर्याप्त हो। हालांकि, आईवीएफ किसी भी उम्र में करवाया जा सकता है।

आईवीएफ क्यों करवाना चाहिए?

आईवीएफ उन जोड़ों को माता-पिता बनने का अवसर प्रदान करता है जो स्वाभाविक रूप से गर्भधारण करने में सक्षम नहीं हैं। यह उन महिलाओं के लिए भी एक विकल्प हो सकता है जो अकेले माता-पिता बनना चाहती हैं।

आईवीएफ किससे करवाना चाहिए?

आईवीएफ एक जटिल प्रक्रिया है, इसलिए इसे हमेशा एक अनुभवी प्रजनन विशेषज्ञ द्वारा ही करवाना चाहिए। प्रजनन विशेषज्ञ आपकी व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर आपको आईवीएफ के बारे में सबसे अच्छी सलाह दे पाएगा।

आईवीएफ के फेल होने के क्या कारण हैं?

आईवीएफ के फेल होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं :-
- अंडों की गुणवत्ता
- शुक्राणुओं की गुणवत्ता
- भ्रूण की गुणवत्ता
- गर्भाशय की स्थिति
- महिला की उम्र
- जीवनशैली कारक, जैसे धूम्रपान और शराब का सेवन।

यदि आप आईवीएफ पर विचार कर रही हैं, तो अपने प्रजनन विशेषज्ञ से बात करना महत्वपूर्ण है। वे आपको आईवीएफ के जोखिमों और लाभों के बारे में बता पाएंगे और यह तय करने में आपकी मदद कर पाएंगे कि यह आपके लिए सही विकल्प है या नहीं।

IVF और IUI मे क्या अंतर है?

आईवीएफ और आईयूआई दोनों ही बांझपन के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकें हैं, लेकिन दोनों में कुछ अहम फर्क हैं। आईयूआई (Intrauterine Insemination)
- आईयूआई में, शुक्राणु को सीधे गर्भाशय में डाला जाता है।
- यह एक सरल और कम खर्चीली प्रक्रिया है।
- आईयूआई उन महिलाओं के लिए ज्यादा कारगर है जिनके पति के शुक्राणुओं की गुणवत्ता अच्छी नहीं है या जिनमें सर्वाइकल म्यूकस की समस्या है।
- आईयूआई की सफलता दर आईवीएफ की तुलना में कम है।

आईवीएफ (In Vitro Fertilization)
- आईवीएफ में, अंडे और शुक्राणु को शरीर के बाहर एक लैब में मिलाया जाता है।
- निषेचन के बाद, भ्रूण को वापस गर्भाशय में प्रत्यारोपित किया जाता है।
- आईवीएफ एक जटिल और महंगी प्रक्रिया है।
- आईवीएफ उन महिलाओं के लिए ज़्यादा कारगर है जिनके फैलोपियन ट्यूब बंद हैं या जिनमें गंभीर बांझपन की समस्या है।
- आईवीएफ की सफलता दर आईयूआई की तुलना में ज़्यादा है।

सभी बच्चेदानी व अंडेदानी की गांठ/रसौली का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा उपलब्ध।

चुपचाप ना सहें, निःसंतान होने की पीड़ा....

नन्हीं खुशियों की दस्तक, तकनीक से संभव

डा. रुचि श्रीवास्तव

एम.बी.बी.एस., एम.एस.
स्त्री एवं प्रसूति रोग, IVF विशेषज्ञ

Artificial Insemination, Egg/Sperm Donor Facility Available

रुचि आईवीएफ, निकट टेलीफोन एक्सचेंज, चौपला बरेली मो. 9927077872

Advt.

न्यूज ब्रीफ

पति समेत तीन पर कराई एफआईआर

बीसलपुर, अमृत विचार : मोहल्ला ग्यासपुर निवासी इरफान खान की पुत्री रानी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसके भाइयों का पति के बहनोई आदिल सिद्दीकी से भूमि संबंधी विवाद है। इसी को लेकर वह पति को भाइयों के खिलाफ भड़काता रहता है। 28 की शाम पति ने पिटाई की। तेजाब से फेंकने की धमकी देकर चला गया। 112 को कॉल की। पुलिस ने बच्चों समेत मायके पहुंचवाया। पुलिस ने पति फईमुद्दीन, उसके बहनोई आदिल और सगीर पर रिपोर्ट दर्ज की है।

आपत्तिजनक फोटो डालने पर रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : मोहल्ला बसंत नगर कॉलोनी निवासी शिवम शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया मोहम्मद सैफ और मोहम्मद इरशाद मंसूरी ने अपनी फेसबुक आईडी पर आपत्तिजनक फोटो अपलोड कर रहे है। शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

महिला ने लगाया देवर पर मारपीट का आरोप

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम मिघाई निवासी बाबूराम की पत्नी सोनम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसने देवर को घर के सामने बच्चों को शौच कराने से मना किया था। इसी को लेकर देवर ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किशोरी बरामद आरोपी भेजा जेल

बीसलपुर, अमृत विचार : एक ग्रामीण की नाबालिग पुत्री को 26 सितंबर को ग्राम अर्जुनपुर निवासी आशीष भगाकर ले गया था। पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच की। किशोरी को बरामद कर मेडिकल परीक्षण व बयान कराए जा रहे हैं। वहीं, आरोपी को चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है।

नवरात्र पर हवन पूजन, कराया कन्याभोज

मां यशवंतरी देवी मंदिर में दिन भर रही भीड़, दुर्गा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

- सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल रहा तैनात, भ्रमणशील रहे अफसर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नवरात्र के समापन पर घर-घर कन्याओं का पूजन किया। इसके बाद मंदिरों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मां यशवंतरी देवी मंदिर, रामलीला मैदान स्थित मां काली मंदिर समेत शहर के प्रमुख देवी स्थलों पर सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

जनपद भर में बुधवार को मां सिद्धिदात्री की आराधना कर लोगों ने नवरात्र के व्रत पूर्ण किए। नवमी के चलते भोर से मां दुर्गा की आराधना शुरू हुई। हवन-पूजन के बाद पूड़ी, हलवा, खीर और चना आदि बनाया गया। कुछ लोगों ने बाजार से दही-जलेबी खरीदी। इसके बाद कन्याओं को भोज कराया गया। कई लोगों ने मंदिरों में जाकर कन्या भोज करवाया। श्रद्धानुसार कन्याओं को दान-दक्षिणा दी गई। देवी मंदिर पहुंचकर मां के दर्शन कर मनौती मांगी। इधर, मां यशवंतरी देवी मंदिर, गोदावरी स्टेट कॉलोनी स्थित मां दुर्गा मंदिर, शेर मोहम्मद में दुर्गा मंदिर, गांधी स्टेडियम रोड पर स्थित श्री संकट मोचन पंचमुखी हनुमान मंदिर, श्री बाला नींव करौली धाम और रामलीला स्थित माता महाकली मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। निरंजन कुंज कॉलोनी स्थित मां महातेश्वरी देवी मंदिर में भी हवन पूजन कराया गया। भजन संध्या भी हुई। मोहल्ला खकरा में 22 से चल रहे मां दुर्गा महोत्सव के आठवें दिन डंडिया उत्सव का आयोजन हुआ। डंडिया उत्सव में महिलाओं ने बंगाली और तमाम तरह के परिधान पहनें। मइया रानी के भजनों पर महिलाओं ने जमकर डंडिया किया। बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराए गए। जहां बच्चों ने देवी स्वरुप में कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिनको कमेटी की ओर से सम्मानित भी किया गया।

मां यशवंतरी देवी मंदिर में नवमी पर दर्शन करने के लिए लगी श्रद्धालुओं की लंबी कतार। ● अमृत विचार

मोहल्ला खकरा में दुर्गा महोत्सव के आठवें दिन डंडिया में नृत्य करती महिलाएं।

विधिवत संपन्न हुई दुर्गा महानवमी की पूजा : घुंघचिहाई। महानवमी पर बुधवार को कस्बे के बालाजी मंदिर पर मां दुर्गा आदि शक्ति का हवन पूजन किया गया। यजमानों ने हवन में समस्त देवी देवताओं को आहुतियां समर्पित की। बताया गया कि गुरुवार सुबह बालाजी मंदिर पर स्थित देवस्थान पर कन्या भोज कराया जाएगा। मां दुर्गा स्वरूप कन्याओं के चरण बंधन कर उनको दक्षिणा देकर विदा किया जाएगा। इस मौके पर अरुणाशंकर शुक्ला, नंदकिशोर शुक्ला, विवेक मिश्रा , अभिषेक अवस्थी राम प्रकाश त्रिवेदी , राम भरोसे शुक्ला, मुरारी लाल श्रीवास्तव, आदर्श मिश्रा , रामचंद्र मिश्रा, अनिल अग्निहोत्री, आशीष सिंह, सुजीत अवस्थी आदि मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानपति सुनील पासवान की ओर से हलवे का भंडारा कराया गया।

बिलसंडा में भी हुए कन्याभोज

बिलसंडा, अमृत विचार : नवरात्रि के अंतिम दिन मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। कई जगह भंडारे और कन्या भोज के कार्यक्रम हुए। घरों में भक्तों ने कन्या पूजन कर खीर पूड़ी, दही जलेबी का भोज कराया। तिलक वंदन कर कन्याओं को विदा किया। बमरोली स्थित श्रीसिद्धनाथ आश्रम पर संत गजेंद्र महाराज के तत्वाधान में आश्रम और हवन पूजन किया गया। जिसके बाद कन्याओं को भोजन कराया गया।

राज्यमंत्री ने परिवार के साथ की पूजा- अर्चना

पीलीभीत, अमृत विचार : राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने बुधवार को मां भगवती की विधि विधान से पूजा अर्चना कर जन कल्याण की कामना की। अपने आवास पर पत्नी रश्मि गंगवार और पुत्र के साथ मां भगवती की विधि विधान से पूजा अर्चना की। पुरोहित ने हवन पूजन कराया। परिवार संग मां यशवंतरी देवी मंदिर पहुंचे और मैया की आराधना की। आवास पर कन्याओं को भोज कराकर आशीर्वाद लिया।

दशहरा महोत्सव में झूमे बच्चे, हुए कार्यक्रम

दशहरा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार: एचआरपी किड्स वैली इंटरनेशनल स्कूल में नवरात्रि के अवसर पर डांडिया और दशहरा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों से सुसज्जित बच्चों ने गरबा और डांडिया की ताल पर नृत्य किया। रावण के पुतले का दहन किया गया। प्रबंधक मुकेश कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्या डॉ.नीतू सिंह, डॉ.वंदना शर्मा उपस्थित रहे। डॉ.अनूप बेरी और आशीष गुप्ता ने विद्यार्थियों को पर्व का महत्व बताया।

युवक की पिटाई मामले में सिपाही लाइन हाजिर

संवाददाता, घुंघचिहाई

- एसपी ने थाना प्रभारी से मांगी पूरे मामले की रिपोर्ट

अमृत विचार: घुंघचिहाई पुलिस पर युवक को पीटने का आरोप लगा। सपा नेताओं ने आरोपी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की मांग की थी। जिसके बाद एक सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

घुंघचिहाई थाना क्षेत्र के ग्राम उदराह के रहने वाले वीरू से मारपीट करने का आरोप पुलिस पर लगा। सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल एसपी से मुलाकात करने भी पहुंचा था। इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की थी। युवक का कहना था 29 को राशन की दुकान का आवंटन करने के लिए मतदान प्रक्रिया चल रही थी। वह परिवार के पक्ष के उम्मीदवार के समर्थन में मतदान करने जा रहे थे। आरोप है कि सरकारी खाद गोदाम के पास पहुंचते पुलिस ने मतदान करने से रोकने के लिए दबाव बनाया और पिटाई कर मोबाइल छीन लिया। इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए एसपी अभिषेक यादव ने सिपाही हरेंद्र कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है।

विजयादशमी की शुभकामनाएं

गायक जुबिन गर्ग का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार- 10

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने नहीं दिया जवाब - 11

हम गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं : गिल - 12

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी 07:11 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 313, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

कन्या पूजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानवमी पर गोरखपुर में कन्या पूजन किया। देवी स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे, अपने हाथों से भोजन परोसा और दक्षिणा-उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 % बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी

मंत्रिमंडल के फैसले

- 1 करोड़ 18 लाख कर्मियों-पेंशनर्स को मिला दिवाली का तोहफा

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिवाली का तोहफा देते हुए बुधवार को लगभग 49.19 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों और 68.72 लाख पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत की वृद्धि की।

डीए और डीआर अभी तक मूल वेतन/पेंशन का 55 प्रतिशत था और इसमें तीन प्रतिशत की वृद्धि एक जुलाई, 2025 से प्रभावी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि डीए और डीआर में वृद्धि के कारण राजकोष पर कुल मिलाकर 10,083.96 करोड़ रुपये का सालाना प्रभाव पड़ेगा।

यह वृद्धि 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार है। डीए और डीआर में यह बढ़ोतरी जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के कुछ दिनों बाद हुई है। केंद्र वर्ष में दो बार डीए और डीआर में संशोधन करता है। मार्च में घोषित पिछला संशोधन एक जनवरी से प्रभावी था। केंद्र ने पिछले महीने रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन आधारित बोनस को मंजूरी दी थी।

खुलेंगे 57 नए केंद्रीय विद्यालय

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 57 नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोलने के लिए बुधवार को मंजूरी दी, जिससे 86 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन 57 नए केंद्रीय विद्यालयों में से सात केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा और शेष राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित किए जाएंगे। नव स्वीकृत 20 केंद्रीय विद्यालयों को ऐसे जिलों में खोलने का प्रस्ताव है, जहां केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण संख्या के बावजूद वर्तमान में कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है।

गेहूं का एमएसपी 160 रुपये बढ़ा

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फसल विपणन सत्र 2026-27 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 6.59 प्रतिशत बढ़ाकर 2,585 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। इस तरह गेहूं के एमएसपी में 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कुसुम (सैफ्लावर) की एमएसपी में 600 रुपये जबकि मसूर में 300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। रेपसीड एवं सरसों के लिए यह वृद्धि 250 रुपये है जबकि चने में 225 रुपये, जौ में 170 रुपये प्रति क्विंटल वृद्धि की गई है।

ब्रीफ न्यूज

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर होगा जश्न

नई दिल्ली। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न पूरे देश में मनाया जाएगा। संविधान सभा ने बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत की भूमिका को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशव्यापी समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पेसमेकर लगाया

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बुधवार को पेसमेकर लगाया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बताया कि 83 वर्षीय खरगे को मंगलवार को शहर के एमएस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई थी। वह अब बेहतर हैं।

राजेश अग्रवाल बने वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजेश अग्रवाल ने वाणिज्य विभाग के सचिव का पदभार बुधवार को संभाला। अग्रवाल ने सुनील बर्थवाल का स्थान लिया है। बर्थवाल 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए थे। अग्रवाल के पास ऊर्जा, उर्वरक, कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में काम करने का अनुभव है।

प्रतिबंधों-साजिशों के बावजूद संघ ने कभी कटुता नहीं दिखाई : मोदी

आरएसएस की स्थापना के शताब्दी अवसर पर बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की शताब्दी के अवसर पर बुधवार को आरएसएस की प्रशंसा की और कहा कि प्रतिबंधों और साजिशों के बावजूद संगठन ने कभी कटुता नहीं दिखाई क्योंकि यह राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर काम करता रहा। संघ के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए मोदी ने राष्ट्र निर्माण में संघ के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि संघ जाति या पंथ के भेदभाव को दूर करके सद्भाव को बढ़ावा देने और एक समावेशी समाज का संदेश फैलाने के लक्ष्य के साथ देश के कोने-कोने तक पहुंचा है।

मोदी ने कहा कि संघ ने अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उनका एकमात्र हित हमेशा राष्ट्र के प्रति प्रेम रहा है। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को शरण दी और इसके संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार भी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कई बार जेल गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोप लगाकर और झूठे मामले दर्ज करके आरएसएस की भावना को कुचलने के कई प्रयास किए गए हैं। उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि आरएसएस ने अपने खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने, प्रतिबंध लगाने और अन्य चुनौतियों के बावजूद कभी कटुता नहीं दिखाई, क्योंकि हम ऐसे समाज का हिस्सा हैं जहां हम अच्छे और बुरे, दोनों को स्वीकार करते हैं। उसका यही मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है।

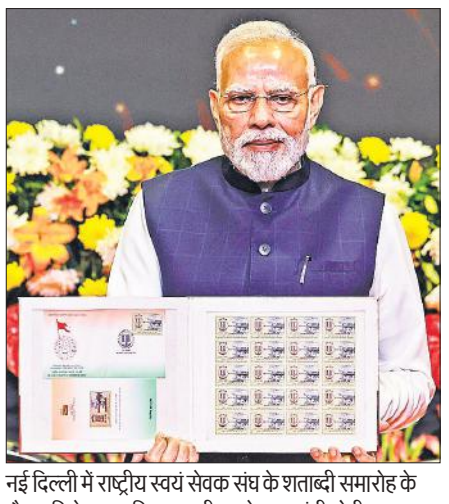

नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी समारोह के दौरान विशेष डाक टिकट जारी करते प्रधानमंत्री मोदी।

मोदी ने कहा कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख माधव गोलवलकर को भी झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। फिर भी जब वह बाहर आए तो उन्होंने शांत मन से कहा कि कभी कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, कुचल जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते, क्योंकि दांत भी हमारे हैं, जीभ भी हमारी है।

- कहा-राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सराहनीय भूमिका, लोकतंत्र में अटूट विश्वास

संघ के 100 साल पर डाक टिकट, सिक्का जारी किया

प्रधानमंत्री ने आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि 100 रुपये के सिक्के पर एक तरफ राष्ट्रीय चिन्ह है, तो दूसरी तरफ सिंह पर विराजमान भारत माता की छवि और स्वयंसेवक भक्ति और समर्पण के साथ उनके सामने नतमस्तक होते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारतीय मुद्रा पर भारत माता की छवि अंकित की गई है, जो अत्यंत गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक 'स्वयंसेवक' का लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है, जिसने उन्हें चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दी। उन्होंने कहा कि जब आपातकाल लगाया गया, तो इसी विश्वास ने प्रत्येक स्वयंसेवक को उसका सामना करने की शक्ति दी। मोदी ने कहा कि समाज के साथ एकजुटता और संवैधानिक संस्थाओं में आस्था - इन दो मूल मूल्यों ने स्वयंसेवकों को हर संकट में धैर्यवान और संवेदनशील बनाए रखा है।

मुठभेड़ में दो गैंगस्टर के पैर में लगी गोली, लूटी गन बरामद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में हुए बवाल में अपराधी और गैंगस्टर भी शामिल हुए थे। पथराव और फायरिंग के दौरान एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर से एंटी रायट गन लूटने वाले दो गैंगस्टरों की सीबीगंज पुलिस के साथ बुधवार सुबह मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दोनों के घुटने में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूटी हुई एंटी रायट गन भी बरामद की है। उधर, दंगा कराने की कोशिश में लगे तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस खां और उनके बेटे समेत 8 और आरोपियों को जेल भेजा है। अभी तक कुल 82 उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

आई लव मोहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग की थी। बवाल में अपराधियों और गैंगस्टरों ने भी हाथ आजमाए थे। इसका खुलासा बुधवार की सुबह सीबीगंज पुलिस के साथ दो गैंगस्टरों से मुठभेड़ के बाद हुआ।

सीबीगंज पुलिस बंडिया नहर हाईवे पुलिया के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच दो बदमाश बाइक से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोका तो फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली जा घुसी। फिर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की पहचान इस्लामनगर पंखा खेड़ा थाना मदनापुर शाहजहांपुर निवासी इदरीश और इकबाल के रूप में हुई। इदरीश पर गंभीर आरोपों में 20 और इकबाल पर 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। दोनों से दो तमंचे, लूटी गई एंटी रायट गन, बाइक और दो फोन बरामद हुए हैं। उधर, कोतवाली पुलिस ने कंघीटोला किला निवासी आरोपी डॉ. नफीस खां और उसके बेटे फरहान खां को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे लैपटॉप बरामद हुआ है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।

बरेली बवाल

- दंगा कराने की कोशिश में लगे डॉ. नफीस और बेटे फरहान समेत 9 को भेजा गया जेल

पुलिस की गिरफ्त में डॉ. नफीस और फरहान।

> सिपाही से एंटी रायट गन लूटने वाले दो गैंगस्टरों को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया गया है। दोनों से लूटी गई गन बरामद की गई है। बवाल कराने में शामिल रहे डॉ. नफीस, उसके बेटे समेत 8 अन्य आरोपियों को बुधवार को जेल भेजा गया है। **–अनुराग आर्य**, एसएसपी, बरेली।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा

मुंबई, एजेंसी

- आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया

भारतीय रिजर्व बैंक ने उम्मीद के मुताबिक बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकार रखा। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के साथ-साथ पूर्व में नीतिगत दर में की गई कमी और हाल ही में कर दरों में कटौती के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा के साथ आरबीआई ने यह निर्णय किया। हालांकि, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आने वाले महीनों में अमेरिकी शुल्क के किसी भी प्रभाव से अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए रेपो दर में कमी की संभावना का संकेत दिया। केंद्रीय बैंक ने मौजूदा परिस्थितियों पर गौर करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 2.6 प्रतिशत किया है।

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया। इसके साथ ही मौद्रिक नीति रुख 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला लिया। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। यह लगातार दूसरी बार है, जब रेपो दर को यथावत रखा गया है। इससे पहले, केंद्रीय बैंक के गवर्नर की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने फरवरी से जून तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती की थी।

रेपो दरों को स्थिर रखना विवेकपूर्ण कदम : मल्होत्रा

मल्होत्रा ने कहा कि नीतिगत कदमों के प्रभाव को समझने और अगला कदम उठाने से पहले चीजें अधिक स्पष्ट होने के लिए दरों को स्थिर रखना विवेकपूर्ण कदम है। एमपीसी के निर्णयों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा वृहद आर्थिक परिस्थितियों और भविष्य ने वृद्धि को और अधिक समर्थन देने के लिए नीतिगत गुंजाइश पैदा की है। एमपीसी ने इस बात पर भी गौर किया कि पूर्व में उठाए गए मौद्रिक नीति और हाल के राजकोषीय उपायों का प्रभाव अभी भी जारी है।

दो किशोरों की हत्या के बाद 3 परिजनों समेत लगाई आग

संवाददाता, बहराइच

सनसनी

- बहराइच में 6 लोगों की मौत से मचा हड़कंप, चार मवेशी भी जिंदा जले

अमृत विचार : जिले के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक घर के अंदर छह लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। एक किसान ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलाया। घर पहुंचकर किसान ने इन दोनों किशोरों की धारदार हथियार से हत्या कर दी और स्वयं पूरे परिवार और मवेशियों को बंद करके घर में आग लगा दी। जिससे किसान, उसकी पत्नी और दो बेटियों की जलकर मौत हो गई। चार मवेशी भी जिंदा जले हैं। अभी कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

रामगांव थाना क्षेत्र के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में विजय कुमार मौर्य खेती और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव के सूरज यादव (14) पुत्र लच्छी राम, शनी वर्मा (13) पुत्र ओमप्रकाश और किशन को घर बुलवाया। काम करने के बाद विजय ने किशन को किसी अन्य काम से बाहर भेज दिया। उसके कुछ देर बाद विजय के घर से आग की लपटें उठने लगीं, ग्रामीण दौड़ कर पहुंचे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया। सूचना पर दमकल के साथ पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो एक कमरे में सूरज व शनि की लाश पड़ी थी तथा दूसरे कमरे में विजय मौर्य (40) तथा कमरे की टांड़ पर पत्नी धीरज कुमारी (35), बड़ी बेटी प्रियांशी (8) और छोटी बेटी रियांशी (6) के झुलसे हुए शव पड़े थे। शनि के चाचा कुलदीप ने बताया कि दोनों किशोरों का गला और हाथ की तीन उंगलियां कटी हुई थीं। मौके पर पहुंचे डीआईजी देवीपाटन परिक्षेत्र अमित पाठक ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

फिलीपींस में भूकंप से 69 की मौत

- 6.9 रही तीव्रता, राहत कार्य और बचाव अभियान जारी

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के मध्य क्षेत्र में सेबू प्रांत में मंगलवार रात आए 6.9 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 69 हो गई है।

फिलीपींस के नागरिक सुरक्षा कार्यालय (ओसीडी) के उप प्रशासक, सहायक सचिव बर्नार्डो राफेलिटो एलेजांद्रो ने बुधवार को बताया कि भूकंप के केंद्र बोगो सिटी में 30 लोग, मेडेलिन टाउन में 10, सैन रेमिगियो टाउन में 22, ताबोगोन टाउन में पांच, और सोगोद और ताबुएलान नगरपालिकाओं में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। पीड़ितों की मौत घरों और इमारतों के ढहने से मलबे में दबने और कुचले जाने के कारण हुई। कम से कम इसमें 147 लोग घायल हुए। एलेजांद्रो ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि आपातकालीन कर्मचारी मलबे और ढही इमारतों में फंसे बचे लोगों के लिए खोज और बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं।

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 15.50 रुपये महंगा हुआ

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में बुधवार को तीन प्रतिशत से अधिक और वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 15.50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। तेल कंपनियों ने होटल और रेस्त्रां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 15.50 रुपये प्रति सिलेंडर (19 किग्रा) बढ़ा दी। राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अब 1,595.50 रुपये है। यह बढ़ोतरी छह महीने की कटौती के बाद हुई है, जिसमें पिछली कटौती एक सितंबर को 51.50 रुपये की थी। इन छह कटौतियों में अप्रैल से अब तक कीमतों में 223 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी की गई है।

कसा शिकंजा

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, यूपी में सांप्रदायिक दंगे शून्य

देश के मुकाबले उत्तर प्रदेश में अपराध एक चौथाई कम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभिन्न अपराध श्रेणियों में भी दर्ज की गई उल्लेखनीय कमी

अमृत विचार : राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2023 के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में यूपी में सांप्रदायिक एवं धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही है। यही नहीं पूरे देश के मुकाबले यूपी में अपराध एक चौथाई कम है। देश के सबसे बड़े राज्य में कुल अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 फीसद कम रही, जो 448.3 के मुकाबले 335.3 रही। एनसीआरबी के आंकड़े साबित करते हैं कि 2017 के बाद उप्र. अब शांति व सामाजिक सद्भाव का गढ़ बन चुका है।

एनसीआरबी रिपोर्ट में यूपी में सांप्रदायिक दंगों की संख्या शून्य बताई गई, इसका कारण 2017 से प्रदेश में चली आ रही जीरो टॉलरेंस नीति को समझा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर 2012-2017 के बीच पांच वर्षों की बात करें तो ये आंकड़े भयावह हैं।

आंकड़ों के अनुसार 815 दंगे हुए, जिनमें 192 लोगों की जान गई, जबकि 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद यूपी में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में दो हिंसक झड़पें हुईं, लेकिन राज्य सरकार ने 24 घंटे के भीतर शांति बहाल कर स्थिति को नियंत्रित किया। बरेली की घटना पर त्वरित कार्रवाई ने कानून-व्यवस्था को और मजबूती प्रदान की है।

क्राइम रेट में उल्लेखनीय गिरावट

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में विभिन्न अपराध श्रेणियों में राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। बलवा के मामलों में भारत में 39,260 मामले (क्राइम रेट 2.8) के मुकाबले यूपी में 3,160 मामले (क्राइम रेट 1.3) रहे, जो राष्ट्रीय औसत से आधी से भी कम है और यूपी को देश में 20वें स्थान पर है। वहीं अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे नियर जीरो क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

महिला अपराध : सजा दिलाने में प्रथम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में सजा दिलाने में यह प्रदेश देश में नंबर वन है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

उधारी के रुपये मांगने पर मारपीट

दियोरियाकलां, अमृत विचार : उधार दिए रुपये वापस मांगने पर युवक की पिटाई कर दी गई। गांव गंझाड़ा निवासी अंकित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसने गांव के ही नन्हे लाल को सात सौ रुपये उधार दिए थे। जिन्हें वापस मांगने पर उसने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। ज शोर पर जमा हुई भीड़ ने बमुश्किल बचाया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

ससुर समेत चार के खिलाफ एफआईआर

गजरौला, अमृत विचार : ग्राम खाग की रहने वाली पिंकी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसकी शादी ग्राम मूढ़ा सेमनगर उर्फ़ पंडरी निवासी अरविंद से हुई थी। उसके पति की बीमारी के चलते रोहिलखंड अस्पताल बरेली में एक साल पहले मौत हो गई। वह दो बच्चों के साथ ससुराल में रह रही थी। ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करने लगे। अतिरिक्त दहेज में पांच लाख रुपये की मांग पूरी ना होने पर ससुराल वालों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने आरोपी ससुर महेंद्र पाल, सास माधुरी, देवर अनुज और कपिल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे पर हुई चर्चा

बिलसंडा, अमृत विचार : ब्लॉक स्थित अटल सभागार में गांवों में तैनात पंचायत सहायकों की बैठक हुई। फैमिली आईडी और एग्रीटेक के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे के विषय में चर्चा की गई। कार्यों में शिथिलता के चलते नाराजगी जताई गई। पंचायत सहायकों को चार दिन में डिजिटल क्रॉप सर्वे को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। जिन गांवों में फैमिली आईडी बनाए जाने का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। उन गांवों में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। बीडीओ अमित शुक्ला, एडीओ पंचायत कृष्णा देवी, जेई सालिगराम, निष्कर्ष आदि मौजूद रहे।

चौपाल लगाकर सुनीं समस्याएं

बीसलपुर, अमृत विचार : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत क्षेत्र की ग्राम पंचायत मीरपुर वाहनपुर, सावेपुर और रसिया खानपुर में बुधवार को पंचायत सचिवालयों में चौपालों का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम नागेंद्र पांडे, तहसीलदार हबीब उर्रहमान अंसारी, नायब तहसीलदार अवधेश कुमार ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। चौपाल में ग्रामवासी विरासत, चकरोड अंशदान, अवैध कब्जा आदि समस्याओं को लेकर पहुंचे। अधिकारियों ने तीनों ग्राम पंचायतों में आई 20 समस्याओं में से चार समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया। 16 समस्याओं का निस्तारण एक सप्ताह में करने का आश्वासन दिया है।

थाने पहुंची चेयरमैन पति व सभासदों की रार

एक पक्ष से चेयरमैन पुत्र, दूसरी तरफ से कई सभासदों ने पुलिस को दी संयुक्त तहरीर, कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- चेयरमैन पुत्र ने आरोपियों पर रास्ते में घेरकर हमला करते हुए गोली चलाने की कही बात
- सभासदों का चेयरमैन, उनके पति से नगर पंचायत के कार्य, आय -व्यय, सफाई को लेकर चल रहा विवाद

दोनों तरफ से तहरीर मिली है। इस पर मौके पर जांच की गई। सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए गए हैं। फायरिंग के आरोप गलत हैं। अन्य आरोपों को लेकर जांच चल रही है। सीडीआर भी निकलवाया जा रहा है। -**विनोद कुमार**, इंस्पेक्टर क्राइम जहानाबाद

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद पीलीभीत में छिड़ी रार अभी खत्म नहीं हुई थी, अब नगर पंचायत जहानाबाद में चेयरमैन, उनके पति और सभासदों के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रहा विवाद गहरा गया है। इतना ही नहीं ये रार थाना जहानाबाद तक पहुंच गई है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ जानलेवा हमला कर फायरिंग करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों तरफ से मिली तहरीरों के बाद जहानाबाद पुलिस जांच कर रही है।

एक पक्ष से नगर पंचायत जहानाबाद की चेयरमैन मोहल्ला बाजार कटरा निवासी ममता गुप्ता के पुत्र शगुन गुप्ता ने दी तहरीर में बताया 30 सितंबर की रात 9.45 बजे वह गाड़ी को एजेंसी पर दिखाकर बरेली से लौट रहे थे। इस बीच मोहल्ले के ही सभासद शकील मोहल्ला बिलई निवासी आरिफ ने पांच अन्य लोगों के साथ दो कारों से आकर शाही मोड़ के पास हमला करते हुए पहले उनकी कार में टक्कर मार दी। उन्होंने अपने साथियों के साथ विरोध किया तो गाली गलौज करते हुए जान से मारने के उद्देश्य से हवाई फायर कर दिया। किसी तरह भागकर खुद की जान बचाई। दो नामजद और पांच अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, दूसरे पक्ष से सभासद शकील बक्श समेत अन्य सभासदों ने संयुक्त रूप से तहरीर दी है। जिसमें बताया कई सभासदों का जहानाबाद नगर पंचायत चेयरमैन, उनके पति दुर्गाचरन गुप्ता से नगर पंचायत के कार्य, आय -व्यय, सफाई आदि कार्यों को लेकर काफी समय से विवाद है। नगर पंचायत बोर्ड की मीटिंग भी नहीं हो पा रही है। इसे लेकर 24 और 29 सितंबर को डीएम समेत अन्य अधिकारियों से शिकायतें की गई। नगर पंचायत में खड़े सागौन के पेड़ों को चोरी से कटवाने का प्रयास किया जा रहा है।दो पेड़ जेसीबी से गिरवा भी दिए हैं। इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई थी। इसी को लेकर चेयरमैन पति समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। जब मना किया गया तो 30 सितंबर की रात बेटे की ओर से झूठे आरोप लगाकर तहरीर दे दी गई। ये भी आरोप लगाया 30 सितंबर की रात 1.45 बजे वह साथी सभासद हरिराम के घर से वापस आ रहे थे। इस दौरान रास्ते में चेयरमैन पति दुर्गाचरन गुप्ता, उमेश , विकास और दो अज्ञात लोगों ने उनको मारने की नियत से घेर लिया। बाइक रोकने की कोशिश की और जब असफल हुए तो चेयरमैन पति ने पीछे से फायर कर दिया। जिसमें वह बच गए। उनका कहना है कि चेयरमैन पति जहानाबाद के हिस्ट्रीशीटर सूची में हैं। खुद की जान को खतरा बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। सभासद शकील की ओर से दी गई तहरीर में वार्ड नंबर तीन के सभासद हरिराम, वार्ड नंबर 11 के सभासद अश्फाक, वार्ड नंबर दो के सभासद मुकर्रम वली खां, वार्ड नंबर सात के सभासद शमीम खां, वार्ड नंबर एक के सभासद अनीस बेग, वार्ड नंबर छह के सभासद प्रतिनिधि रुपवसंत और वार्ड नंबर 10 के सभासद प्रतिनिधि मोहम्मद नदीम के भी हस्ताक्षर हैं।

थाना गेट पर धमकाया चेक कराए सीसीटीवी

सभासद ने चेयरमैन पति पर थाना गेट पर भी अभद्रता करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि जिस वक्त चेयरमैन पुत्र द्वारा हमला करने की बात कही है, उस समय वह सभासद मुकर्रम वली खां की बैठक में बैठे हुए थे। अन्य सभासद व अन्य साथियों के साथ रात में ही थाने बुलाया गया। जहानाबाद पुलिस के अलावा प्रभारी ईओ एसडीएम अमरिया मयंक गोस्वामी भी मौजूद थे। अधिकारियों को पूरी बात बताई और निष्पक्ष जांच का आश्वासन देकर घर जाने को कहा गया। आरोप है कि इस दौरान चेयरमैन पति ने थाना परिसर में ही गाली गलौज शुरू कर दी और थाना गेट पर गिरेबान पकड़कर धमकाया। पुलिस व अन्य सभासदों ने बीच बचाव कराया था। उनका कहना है कि थाना परिसर में लगे सीसीटीवी की फुटेज चेक की जाए, इसमें घटना कैद भी हुई होगी।

पहले भी हो चुकी हैं मारपीट और शिकायतें

नगर पंचायत जहानाबाद की रार वैसे तो काफी पुरानी चली आ रही है। चेयरमैन के पहले कार्यकाल में भी सभासदों से विवाद गहराए रहे। इसे लेकर कई बार विवाद मारपीट तक पहुंचे। इसके अलावा बोर्ड बैठक न कराने, अभद्रता करने समेत कई अन्य आरोप प्रत्यारोप से जुड़ी शिकायतें भी पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचती रही है। अब एक बार फिर दोनों तरफ से तहरीरें पहुंचने के बाद ये रार गरमाती दिखाई दे रही है।

छात्रों ने स्वच्छता की ली शपथ, निकाला मार्च

स्वच्छता के प्रति जागरूक करते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: बेनहर पब्लिक स्कूल परिसर में स्वच्छता का संदेश देने के लिए स्कूल के ईको क्लब की ओर से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रातः कालीन प्रार्थना सभा के बाद लघु नाटिका का मंचन किया गया। बच्चों ने विद्यालय, घर के आस-पास आदि पर स्वच्छता रखने की शपथ ली।

एक्टिविटीज इंचार्ज रोशनी बग्गा ने संयोजक की भूमिका निभाई। प्रधानाचार्य करिश्मा सैहमी ने विद्यार्थियों के लिए एक स्वच्छता संदेश देते हुए कहा कि वर्तमान में सबसे अधिक आवश्यकता स्वच्छता का विचार अपनाने की है। चूंकि दैनिक जीवन में बहुत सारी वस्तुयें, विभिन्न प्रकार की पैकिंग में आती हैं जिससे बहुत सारा कूड़-कचरा उत्पन्न होता है। कूड़े का व्यवस्थित निस्तारण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। ईको क्लब कैप्टन कृष्णा गंगवार, हेड गर्ल कृतिका श्रीवास्तव के नेतृत्व में परिसर में ईको क्लब के निम्नलिखित सदस्यों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के प्लेकाड्र्स लेकर स्वच्छता का संदेश देते हुये मार्च निकाला गया। इस मौके पर हेडमिस्ट्रेस निर्मला शर्मा, नेहा पांडेय, अक्षरा मिश्रा, श्रेयसी सक्सेना, अमृत रंधावा, अंकित प्रताप, श्रेया गुप्ता, जया गुप्ता, आराध्या, दैविक, अभिनव, गौरव, याशिका, हरलीन, मान्या, अंशिका कन्नौजिया, अंशिका सिंह, देव सिंह, त्रिलोक चंद्र, अमन सिंह, राजेन्द्र मौर्य आदि मौजूद रहे।

रक्तदान का महत्व बताया दूसरों को किया जागरूक

रक्तदान का महत्व बताते लक्ष्मीकांत शर्मा। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: राष्ट्रीय शैक्षिक रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय पुस्तकालय में समाधान विकास समिति के तत्वाधान में रक्तदान के लिए युवाओं ने संकल्प लिया।

समिति के संसाधित व्यक्ति लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया राष्ट्रीय रक्तदान दिवस 1 अक्टूबर 1975 से मना रहे हैं। इसकी शुरुआत इंडियन सोसाइटी या ब्लड ट्रांसफ्यूजन एंड इम्यूनोलॉजी द्वारा किया गया। इस दिन का उद्देश्य रक्तदान के महत्व को समझना, रक्त की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाना और शैक्षिक रक्तदान को बढ़ावा देना है। रक्तदान एक जीवन रक्षक कार्य है। यूनिट रक्तदान से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह डेंगू, मलेरिया थैलेसीमिया और दुर्घटनाओं के शिकार लोगों के लिए अति महत्वपूर्ण है। रक्त जाति के बंधन से मुक्त होता है। इस मौके पर करन गौतम, अभिषेक, नैना, सुधा, अंजलि, विनोद, आलोक आदि मौजूद रहे।

लक्ष्मण ने तीव्रगामी बाण से काट दिया मेघनाद का सिर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: रामलीला मैदान में चल रहे श्रीरामलीला महोत्सव में बुधवार को लक्ष्मण- मेघनाद संवाद, युद्ध व मेघनाद वध, सुलोचना सती व पुतला दहन के प्रसंग का मंचन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष नौगवां पकड़िया संदीप कौर, उनके पति संतोख सिंह संधू रहे।

लीला में दिखाया कुंभकरण वध के बाद मेघनाद निकुंभला देवी के मंदिर में यज्ञ करता है। तभी विभीषण प्रभु राम से बोले हे रघुनाथ गुप्तचरों से ज्ञात हुआ है कि मेघनाद निकुंभला देवी के मंदिर में यज्ञ प्रारंभ कर चुका है। यज्ञ पूर्ण होने पर वह अजेय हो जाएगा। शीघ्रातिशीघ्र उसका यज्ञ विध्वंस कर उसे युद्ध के लिए ललकारा जाए। तब प्रभु राम लक्ष्मण, जामवंत, हनुमान, नल, नील, अंगद को विभीषण के साथ युद्ध के लिए भेजते हैं। वहां यज्ञ स्थान पर पहुंचकर भक्त हनुमान मेघनाद का यज्ञ विध्वंस करते हैं और लक्ष्मण उसे युद्ध के लिए ललकारते हैं। मेघनाद अपने तीक्ष्ण बाणों से वानर सेना को हताहत करने लगा। तब लक्ष्मण ने अपने तीव्रगामी बाणों का प्रहार कर उसकी सेना को हताहत कर दिया और अपने तीक्ष्ण बाणों से उसका रथ काट दिया। वह हताहत हो उठा। लक्ष्मण ने अपने तीव्रगामी बाण से उसका मस्तक काट दिया। चारों ओर लक्ष्मण की जय जयकार होने लगी।

मेघनाद की मृत्यु की खबर सुन लंका में शोक छा गया। मेघनाद की पत्नी सुलोचना पति का मस्तक लेने प्रभु राम के पास पहुंची। प्रभु राम ने उसका आदर कर सम्मानपूर्वक मेघनाद का मस्तक उसे दे दिया। सुलोचना पति के मस्तक को लेकर लंका में पहुंच सती हो गई। इसी के साथ मेघनाद का पुतला धू- धूकर जल उठा। वृन्दावन के कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की भव्य लीलाओं का मंचन किया। इस मौके पर महंत ओमकार नाथ, सुनील मिश्रा, अमरीश शर्मा अंबू, अंकुर गुप्ता, नरेश शुक्ला, प्रतीक अग्रवाल, आयुष सक्सेना, अमित जौहरी, निखिल मिश्रा आदि मौजूद रहे।

रामलीला मैदान पर धू- धूकर जलता पुतला।

- रामलीला में हुआ मेघनाद वध लीला का मंचन, धू-धूकर जला पुतला

प्रभु राम ने किया कुंभकरण का वध

बीसलपुर। नगर में चल रहे ऐतिहासिक रामलीला मेले में कुंभकरण वध लीला का मंचन किया गया। प्रथम दृश्य में रावण संकट को देखते हुए कुंभकरण को नींद से जगाने का आदेश सैनिकों को देता है। सैनिक कुंभकरण को जगाने जाते हैं। मगर, कुंभकरण नहीं जागता है। बाद में रावण स्वयं जगाने जाता है। बड़ी-बड़ी आवाज़ें, ढोल-नगाड़े और अन्य साधन का उपयोग करके कुंभकरण को जगाया जाता है। कुंभकरण के जागने के बाद, उसे रावण द्वारा सीता हरण और राम के आक्रमण के बारे में बताया गया। कुंभकरण ने रावण को समझाया कि उसने अधर्म किया है। रावण ने कुंभकरण की बात नहीं मानी, और कुंभकरण ने भाई रावण का साथ देने का निर्णय किया। कुंभकरण बहुत शक्तिशाली था और उसे वरदान प्राप्त था, इसलिए श्री राम ने उसका वध करने के लिए अपनी अमोघ शक्तियों और बाणों का उपयोग किया। श्री राम ने अपने अमोघ बाणों का प्रयोग करके कुंभकरण का वध किया। इस मौके पर व्यवस्था में गंगाधर दुबे, विष्णु कुमार गोयल, महेश चंद्र अग्रवाल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, राम बहादुर गुप्ता, विपिन कुमार पांडे, मोहित मित्तल, अभय मित्तल, सचिन अग्रवाल, अखिलेश मिश्रा आदि का सहयोग रहा।

बीसलपुर में निकाली गई राजगद्दी शोभायात्रा

बिलसंडा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव कनपरी में मेला समापन के बाद राजगद्दी शोभायात्रा निकाली गई। भगवान के स्वरूपों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। गांव में निकाली गई शोभायात्रा का ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा में ग्रामीणों का सहयोग रहा। पूर्व प्रधान गयाप्रसाद ने देव स्वरुप धारण किए कलाकारों का तिलक किया।

आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाले तीन गिरफ्तार

पीलीभीत : सीएम का आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के मामले में पुलिस ने सख्ती की है। जहानाबाद थाने में दो और सदर कोतवाली में दर्ज मुकदमे में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान किया। जहानाबाद थाना क्षेत्र में उप निरीक्षक ज्ञान चंद्र ने तहरीर में बताया ग्राम बारात भोज निवासी दिलशाद ने मुख्यमंत्री की आपत्तिजनक फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जहानाबाद के उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम नगरिया निवासी वकील राजा ने भी मुख्यमंत्री की आपत्तिजनक फोटो वायरल कर दी, जिससे तनाव की स्थिति बनी। पुलिस ने उसे भी हिरासत में ले लिया। सदर कोतवाली के उपनिरीक्षक सौरभ कुमार ने ग्राम चंदोई निवासी मेहताब पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

शहर में आज

- रामलीला मैदान में रावण पुतला दहन रात 8 बजे।
- मोहल्ला खकरा में चल रहे नवदुर्गा महोत्सव के तहत हवन पूजन, मूर्ति विसर्जन सुबह 9 बजे से।
- गांधी जयंती पर सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण सुबह 8 .30 बजे।
- नकटादाना चौराहा से गांधी स्टेडियम तक क्रॉस कंट्री रेस सुबह 7 बजे से।
- केंद्रीय राज्यमंत्री पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद द्वारा पूरनपुर में गांधी पार्क का उद्घाटन दोपहर 2 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम पचपेड़ा निवासी बबलू ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 28 सितंबर की सुबह 7 बजे उसके पिता गुड्डू लाल घर से पैदल खेत पर जा रहे थे। पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसके पिता को टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौत हो गई। चालक वाहन समेत भाग गया था। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

युवती ले जाने की शिकायत पर पीटा

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 27 की रात उसकी पुत्री घर पर सो रही थी। तभी थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम सरदाह निवासी शिव उसे भगाकर अपने घर ले गया। इसकी जानकारी होने पर वह अपने रिश्तेदारों को लेकर आरोपी के घर गए। वहां आरोपी, उसके पिता वीर सिंह, राजू और आरोपी की मां सरस्वती ने मारपीट की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

युवती की पिटाई कर मोबाइल तोड़ा

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम सड़िया निवासी भूमिका ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 29 सितंबर को सुबह 5 बजे उसको गांव का जसवंत और उसके पुत्र सुनील ने मारपीट की । उसका मोबाइल भी आरोपियों ने तोड़ दिया। आसपास के लोगों के एकत्र हो जाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

खेलने गए किशोर से की मारपीट, गंभीर

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम इस्लामनगर निवासी रुमाल शाह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 29 सितंबर को दोपहर तीन बजे उसका 15 वर्षीय पुत्र सैफ खेलने के लिए गली में गया था। तभी वहां पर मोहल्ले के सारिक ने उससे मारपीट की। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

घर के बाहर बैठे ग्रामीण को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम अमीन नगर निवासी मोतीराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 18 अगस्त को शाम 8 :30 बजे गांव के ही वेद प्रकाश के साथ छोटे भाई पप्पू लाल के दरवाजे पर बैठा था। तभी गांव के माखनलाल, ठाकुरदास, भजनलाल, घनश्याम ने उसके साथ गाली गलौज करने लगे। जब उसने मना किया तो आरोपियों ने मारपीट कर दी। परिवार के लोगों को आता देखकर आरोपी भाग गए।

जंगल की आबोहवा से दूर सींखचों के पीछे रहेगा तेंदुए का शावक

शासन के निर्देश पर लखनऊ चिड़ियाघर भेजा गया दो माह का शावक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बाढ़-बारिश के दौरान रेस्क्यू किया गया तेंदुआ का दो माह का शावक जंगल की आबोहवा से दूर चिड़ियाघर के सींखचों के पीछे रहेगा। शासन के निर्देश पर शावक को सामाजिक वानिकी मुख्यालय से लखनऊ चिड़ियाघर भेज दिया गया।

बीते माह बाढ़-बारिश के दौरान जिले में हालात बेकाबू हो गए थे। कई इलाकों में बाढ़ का पानी भी घुस गया। 3 सितंबर को गजरौला क्षेत्र की पिपरिया कॉलोनी के नजदीक तेंदुआ का शावक भी बाढ़ की चपेट में आ गया था। गनीमत रही कि पानी में डूब रहे शावक को कॉलोनी के ही एक युवक ने देख लिया। उसे जैसे-तैसे बाहर निकाला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन एवं वन्यजीव प्रभाग को दी। वन एवं वन्यजीव प्रभाग की टीम मौके पर पहुंची और शावक को लेकर मुख्यालय चली आई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दक्ष गंगवार के मुताबिक रेस्क्यू किए शावक की उम्र करीब डेढ़ माह बताई गई थी। पानी में डूबने से सांसें अनियंत्रित होने और उसका टेंपरेचर बेहद कम होने उसे मुख्यालय पर निगरानी में रखकर पशु चिकित्साधिकारी द्वारा इलाज किया जा रहा था। फिलहाल शावक अब पूरी तरह से स्वस्थ्य होना बताया जा रहा है। शासन ने तेंदुए के शावक को नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान लखनऊ भेजने के निर्देश दिए। जिसके बाद पीलीभीत रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी के नेतृत्व में टीम शावक को लेकर लखनऊ पहुंची और उसे प्राणि उद्यान के अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया।

रेस्क्यू किया गया तेंदुए का शावक। ● अमृत विचार

कम उम्र बन गई मुसीबत

तेंदुए के शावक की कम उम्र ही उसके जंगल में रहने के आदेश के आड़े आई। दरअसल शावक मात्र दो माह का है। मादा तेंदुआ शावक को जन्म देने के बाद दो साल तक साथ ही रखती हैं। इस दौरान वह जंगल के निमय सीख जाता है। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक जब मादा तेंदुआ शावक यह जान लेती है कि शावक शिकार करने में परिपक्व हो गया तो वह उसे अलग कर देती है। मगर रेस्क्यू किए गए शावक के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। उसे न तो जंगल के बारे में अधिक जानकारी है और न ही शिकार करने के तौ-तरीके। ऐसे में उसे प्राणी उद्यान में ही भेजने का निर्णय लिया गया।

● 28 दिन पहले बाढ़ में फंसे शावक को किया गया था रेस्क्यू

तेंदुआ के शावक के संबंध में शासन को पत्र लिखा गया था। जिसके बाद शासन के निर्देशानुसार तेंदुआ के शावक को नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान लखनऊ के सुपुर्द कर दिया गया है। – भरत कुमार डीके, डीएफओ, वन एवं वन्यजीव प्रभाग।

प्रधान पुत्र ने शिकायतकर्ता पर कराई एफआईआर

दियोरियाकलां, अमृत विचार: करीब दो सप्ताह पूर्व मनरेगा घोटाले की जांच करने पहुंची टीम की मौजूदगी में शिकायतकर्ता और प्रधान पुत्र के बीच मारपीट हो गई थी। पूर्व में एसपी के आदेश पर प्रधान पुत्र समेत आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। अब इस मामले में प्रधान पुत्र की ओर से भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस क्रॉस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव किशनपुर में 15 सितंबर को शिकायतकर्ता रामप्रताप की शिकायत की जांच करने मनरेगा लोकपाल गेंदनलाल वर्मा टीम के साथ पहुंचे थे। जांच टीम के सामने ही दोनों पक्षों में मारपीट हो गई थी। एसपी के आदेश पर रामप्रताप की तहरीर पर प्रधान पुत्र प्रेमपाल समेत आठ आरोपियों के खिलाफ हमला करने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। अब इस मामले में प्रधान पुत्र की ओर से दी गई तहरीर पर रामप्रताप, उसके पुत्र विशाल के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाल दिगंबर सिंह ने बताया कि क्रॉस रिपोर्ट दर्ज की गई है।

दशहरा की वजह से आज प्रभावित रहेगा यातायात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- चप्पे चप्पे पर मुस्तैद रहेगा पुलिस बल, अफसर भी रहेंगे भ्रमणशील
- मेला और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अमृत विचार : दशहरा और दुर्गा विसर्जन को लेकर पुलिस प्रशासन ने रणनीति तैयार कर ली है। यातायात पुलिस ने दशहरा मेला के चलते रामलीला रोड पर वाहनों की आवाजाही गुरुवार को बंद की है। सिर्फ पैदल यातायात जारी रहेगा। चारपहिया और दो पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इधर, ब्रह्मचारी घाट पर होने वाले प्रतिमा विसर्जन को लेकर भी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

गुरुवार को दशहरा के अवसर रामलीला मैदान में रामलीला के साथ आतिशबाजी और पुतला दहन का कार्यक्रम होगा। जिसमें हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहते हैं। शहर के डिग्री कॉलेज चौराहे से लेकर रामलीला मैदान होते हुए असम चौराहे की ओर निकलने वाले मार्ग पर बड़ी संख्या में भीड़ एकत्र हो जाती है। ऐसे में यातायात पुलिस ने इस मार्ग पर दो पहिया और चार पहिया वाहनों का प्रवेश गुरुवार को प्रतिबंधित कर दिया है। इस मार्ग पर दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक वाहन नहीं निकलेंगे। इसके बाद ही वाहनों का संचालन शुरू किया जाएगा। इस ओर जाने वाले वाहनों को नौगवां ओवरब्रिज से होते हुए आसाम चौराहे की ओर निकाला जाएगा। इसी तरह उधर से आने वाले वाहनों को भी इसी मार्ग से निकाला जाएगा। दशहरा मेला पर भीड़ उमड़ने को लेकर दो थाना प्रभारी समेत 150 पुलिसकर्मियों की डयूटी लगाई गई है। गुरूवार को शहर के रेलवे कॉलोनी, मोहल्ला खुदागंज और खकरा से देवी प्रतिमा विर्सजन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। जो अलग अलग मार्गों से होते हुए शहर के ब्रहमचारी घाट पर जाकर देवहा नदी में विसर्जित की जाएंगी। पुलिस प्रशासन ने शहर को जाम से बचाने के लिए पूरे इंतजाम किए हैं। एसपी ने लोगों से बदले हुए ट्रैफिक व्यवस्था के साथ यात्रा करने की अपील की है।

वन कर्मियों ने छापेमारी कर दो घरों से चीतल का मांस किया बरामद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- दो आरोपी दबोचे, जंगल से शिकार कर मांस बेचने की बात स्वीकारी
- न्यूरिया क्षेत्र के कमालपुर गांव में की गई थी छापेमारी

अमृत विचार : वनकर्मियों ने छापेमारी कर दो घरों में चीतल का मांस बरामद करने के साथ दो आरोपियों को धर दबोचा। आरोपियों ने एक अन्य का नाम बताते हुए उसके द्वारा जंगल में शिकार कर मांस बिक्री की बात कही है। फिलहाल दोनों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रहा है।

टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली थी। जिसके बाद महोफ रेंज की टीम ने न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव कमालपुर में सुदीप सरकार के घर दबिश दी। इस दौरान सुदीप चीतल का कच्चा मांस काट रहा था। टीम ने मौके पर एक अन्य व्यक्ति को भी धर दबोचा। उसने अपना नाम रबेन हलदार बताते हुए बताया उसे यह मांस पड़ोसी विरगो उर्फ वीरू ने दिया है। इस पर टीम ने तत्काल पड़ोस के घर में भी छापेमारी की। यहां तलाशी के दौरान टीम ने एक किलो उबला हुआ मांस बरामद किया। हालांकि इस बीच आरोपी भाग निकला। दोनों आरोपियों को रेंज कार्यालय लाया गया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बढ़ रही शिकार की घटनाएं

12 सितंबर को भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज में चीतल के शिकार की घटना हुई थी। रेंज की भैरों बीट में गश्त के दौरान टीम ने अवैध शिकार की सूचना पर छापेमारी कर 04 शिकारियों को दबोच लिया था। जबकि तीन शिकारी जंगल-झाड़ी और अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग निकले थे। पकड़े गए शिकारियों ने अपने नाम शिव कुमार उर्फ छोटे पुत्र गिरधारी, भूरा पुत्र गयाप्रसाद निवासी गांव भैरोकलां थाना माधोटांडा, रीतराम पुत्र भोलेराम निवासी गांव संडई, थाना माधोटांडा और रामपाल पुत्र राम विलास निवासी गांव हरनाई थाना खुटार जनपद शाहजहांपुर बताया था। शिकारियों से एक बाइक, नर चीतल की खाल और सींग बरामद किए गए थे।

स्कूलों की छुट्टी के समय में कराएं बदलाव : डीएम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बैठक में मौजूद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

- नो हेलमेट नो फ्यूल मुहिम को आगे भी जारी रखने के दिए निर्देश
- शहर को जाम से बचाने के लिए बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

अमृत विचार: गांधी सभागार में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। जिसमें एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया सितंबर माह में चलाए गए नो हेलमेट नो फ्यूल का विशेष अभियान के तहत पेट्रोल पंपों पर चेकिंग के साथ ही वाहन चालकों को जागरूक किया गया। इस दौरान कार्रवाई भी की गई। डीएम ने पूर्ति अधिकारी को समस्त पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट नो फ्यूल पॉलिसी निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए।

डीएम ने निर्देश दिए कि जनपद में नाबालिग ई-रिक्शा वाहन न चलाएं। इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। प्रत्येक ई -रिक्शा वाहन पर उसके मालिक का मोबाइल नंबर और उसका नाम लिखवाने के निर्देश दिए गए। ये भी कहा कि ऐसे मार्ग जहां बड़े वृक्षों के कारण मार्ग की दृश्यता बाधित हो रही हो, उनको चिन्हित कर छटाई कराई जाए। मुख्य मार्ग से गोवंशीय पशुओं को हटाकर गोशाला में संरक्षित करने के निर्देश दिए। असम चौराहे पर निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के कार्य में धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था के अभियंता को तेजी लाने के निर्देश दिए गए। कहा विगत वर्ष की तुलना में इस बार दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। इसके निराकरण के लिए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर प्रभावी कार्रवाई करें। साथ ही रोड इंजीनियरिंग में सुधार लाने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। निजी विद्यालयों में छात्र संख्या के अनुरूप स्कूली वाहनों में वृद्धि करने के निर्देश दिए। ताकि स्कूली बच्चे सुरक्षित वाहनों से ही स्कूल पहुंच सकें।ग्रामीण क्षेत्रों में रोडवेज की बसें बढ़ाने, पूरनपुर बस स्टैंड का सुचारू रूप से संचालन करने पर जोर दिया। स्कूलों की छुट्टी के वक्त अक्सर जाम लगता है। ऐसे में संयुक्त रूप से सभी विद्यालयों से उनकी टाइमिंग एकत्र का ऐसा शेड्यूल निर्धारित कराया जाए जिससे एक ही समय पर विद्यालय की छुट्टी ना हो। निकटवर्ती विद्यालयों में छुट्टी होने की टाइमिंग में 15 मिनट से 30 मिनट तक का न्यूनतम अंतर रखा जाए। इस मौके पर एडीएम वित्त त्रतु पूनिया, सीएमओ डॉ.आलोक कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, बीएसए अमित कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता की प्रतिमा तोड़ने की निंदा की

पीलीभीत, अमृत विचार: भारतीय पठान संघ ने लंदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़े जाने की कड़े शब्दों में निंदा की है। शहर के मोहल्ला भूरे खां में बुधवार को हुई पठान संघ की बैठक में कहा गया कि ब्रिटेन सरकार की अंग्रेजों वाली मानसिकता नहीं बदली है। देश को आजादी दिलाने वाले महात्मा गांधी की प्रतिमा ब्रिटेन में तोड़े जाने से करोड़ों भारतीयों का अपमान किया गया है। भारतीय उच्चायोग से मांग की गई कि बिट्रेन सरकार महात्मा गांधी की प्रतिमा उसी स्थान पर लगवाए। बैठक में शोएब अहमद खां, मुदस्सिर खां एडवोकेट, मोहम्मद असद खां, सरताज वली खां, आमिर खां समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

त्योहारों में भी दो माह से वेतन नहीं मिलने से संविदा कर्मचारी परेशान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पोर्टल में समस्या आने की वजह से आ रही दिक्कत
- बुधवार को कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, वेतन दिलाने की मांग

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मचारी दो माह से वेतन नहीं मिलने से परेशान हैं। पोर्टल में तकनीकी समस्या के कारण अटके वेतन ने कर्मचारियों की आर्थिक हालत डगमगा दी है। उनके सामने परिवार चलाने के लिए मश्क्कत करनी पड़ रही है। कर्मचारियों ने बुधवार को ज्ञापन सौंपकर समय से वेतन दिलाने की मांग की। चेतावनी दी गई कि यदि समस्या जल्द दूर नहीं हुई तो उन्हें मजबूरन आंदोलन का सहारा लेना पड़ेगा।

बता दें कि एनएचएम की ओर से स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मियों का पिछले दो माह से वेतन नहीं मिल सका है। ऐसे में वह त्योहारी सीजन में आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इसको लेकर बुधवार को संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ ने इस समस्या को गंभीर बताते हुए सीएमओ डॉ. आलोक कुमार को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया कि कर्मचारियों का तत्काल वेतन दिलाया जाए। संघ ने स्पष्ट कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो उन्हें आंदोलन का सहारा लेना पड़ेगा। संघ ने बताया कि प्रदेशभर में 98 हजार से अधिक एनएचएम संविदा कार्मिक अगस्त माह से अब तक वेतन से वंचित हैं। जबकि प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान में दिन रात मेहनत कर रहे हैं। संगठन की मांग है कि लंबित वेतन का तत्काल भुगतान किया जाए। जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कर जवाबदेही तय की जाए। किसी भी अभियान को सफल बनाने से पहले कर्मचारियों को सशक्त किया जाए। भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कर्मचारी हित से जुड़े निर्णयों को प्रदेश में तत्काल लागू किया जाए। संघ के जनपद अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने कहा कि जल्द समस्या का समाधान न हुआ तो मजबूरन आंदोलनात्मक कदम उठाने पड़ेंगे।

अपात्रों को दिया लाभ, शिकायत

दियोरियाकलां, अमृत विचार : बरखेड़ा ब्लॉक के ग्राम पंचायत दियोराजपुर के नन्हेंलाल , राजपाल ने डीएम को शिकायती पत्र दिया। जिसमें बताया गांव के एक व्यक्ति ने पहली पत्नी के नाम पर आवास बनवाया जब पत्नी छोड़कर चली गई तभी उसने एक अन्य महिला को पत्नी दर्शाकर पीएम आवास योजना में नाम शामिल करा लिया। जबकि पहले से एक आवास उसे मिल चुका है। इसके अलावा एक अन्य महिला का भी पक्का मकान है। इसके बाद भी उसका नाम सूची में शामिल कर आवास योजना का लाभ दिया गया। तीन बार हुई जांच में इन लोगों को अपात्र बताया गया लेकिन इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों और प्रधान सचिव ने फिर से इन्हें पात्र बना दिया है। जबकि कई पात्र लाभान्वित होने के लिए भटक रही हैं।मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

रंजिशन की मारपीट, धमकाया

दियोरियाकलां, अमृत विचार : रंजिशन युवक से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई, पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। गांव इटौरिया निवासी वीरेश वर्मा ने बताया वह अपने साथी प्रमोद कुमार के साथ उसकी शादी के फोटो लेने बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया मंडन आया था। वापस लौटते समय दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के गांव महद खास के पास इटौरिया निवासी महेश कुमार, लालू वर्मा, पवन, अवधेश ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

बस्तियों में गंदगी के ढेर, लोग परेशान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

नौगवां पकड़िया में एक खाली प्लाट में गंदे पानी का जमाबाड़ा। ● अमृत विचार

- नगर पंचायत नौगवां पकड़िया क्षेत्र के कई वार्ड में बिगड़े हालात
- 156 घंटे सफाई अभियान के बाद भी नहीं कोई सुधार

अमृत विचार : नगर पंचायत नौगवां पकड़िया क्षेत्र के कई वार्डों की गंदगी और बदहाली अभी भी दास्तान बयां कर रही है। जगह-जगह कचरे के ढेर, नालियों में बहता गंदा पानी और मच्छरों का प्रकोप स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा रहे है। सफाई अभियान के बीच गंदगी कम नहीं हो सकी है। क

शहर से सटी नौगवां पकड़िया में कुल 15 वार्ड हैं। जिसमें करीब 30 हजार से अधिक आबादी जीवन यापन कर रही है। वर्ष 2019 में नौगवां पकड़िया को नगर पंचायत का दर्जा मिला था। नगर पंचायत दफ्तर बनने के साथ ही अफसर कर्मचारियों की तैनाती करते हुए कामकाज को भी रफ्तार देने की तैयारी की गई। नौगवां वासियों को सुविधा देने के लिए पंचायत की ओर से सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए 40 आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की तैनाती है, ताकि गली नालियां साफ रह सकें। मगर कई इलाकों में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं हो सकी है। कुछ साल पहले नौगवां पकड़िया हाईरिस्क श्रेणी में रह चुका है। गत दिनों आई बाढ़ के बाद हालात बिगड़े। जिसके चलते अभी भी गंदगी और कई जगह गंदा पानी जमा है। खाली पड़े प्लाटों में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जहां मच्छर पनप रहे हैं। निचले इलाकों में भी पानी भरा हुआ है। गंदे पानी भरे प्लाटों से होकर लोगों को अपने घरों तक जाना पड़ रहा है। इधर, नौगवां पकड़िया कार्यालय से ही इस्लामनगर तक सड़कों पर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो तैनात किए गए कर्मचारी लापरवाही बरत रहे हैं। जिनकी कोई मॉनीटरिंग नहीं हो रही है।

कुछ समय बाद संचारी रोग नियंत्रण अभियान भी शुरु होने जा रहा है। इसके बाद भी जिम्मेदार लापरवाही बरत रहे हैं। ईओ हरिपाल गंगवार ने बताया कि सफाई नायक को सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। वार्डों में सफाई हो रही है। कहीं कोई कमी है तो सुधार कराया जाएगा।

पुलिसकर्मियों को कराया दंगा नियंत्रण रिहर्सल

पुलिस लाइन में दंगा नियंत्रण रिहर्सल करते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट है। पिछले कई दिनों से पैदल गश्त की जा रही है।

थाना स्तर पर पीस कमेटी बैठकें भी कराई गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस लाइन में एसपी अभिषेक यादव के निर्देशन में बलवा ड्रिल कराई गई। दंगा नियंत्रण उपकरणों का अभ्यास कराया गया। ड्रिल में बल प्रयोग की संतुलित विधि और पुलिस की सामरिक क्षमता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए पुलिस कर्मियों को शील्ड, लाठी, आंसू गैस आदि का प्रयोग, भीड़ नियंत्रण का अभ्यास कराया गया। इस मौके पर एएसपी विक्रम दहिया ने भी निर्देशित किया।

SRMS

37वाँ स्मृति दिवस

2 अक्टूबर 2025

कर्मजं बुद्धियुक्ता हि फलं त्यक्त्वा मनीषिणः।
जन्मबन्धविनिर्मुक्ताः पदं गच्छन्त्यनामयम्।।
(श्रीमद्भगवद्गीता 2/51)

पूज्य स्व. राम मूर्ति जी
(08.02.1910 - 02.10.1988)
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, गांधीवादी, पूर्व सांसद,
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

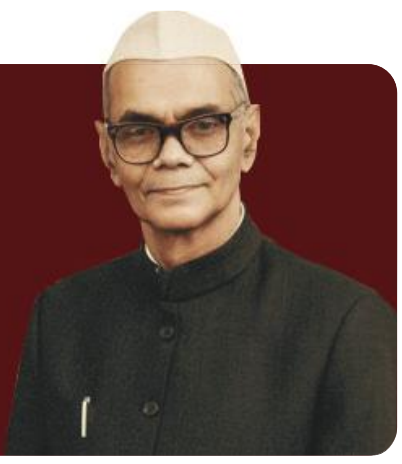

श्रद्धांजलि
2 अक्टूबर 2025 | प्रातः 11:00 से 1:00 तक
श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
13 कि.मी., बरेली-नैनीताल रोड, बरेली

राम मूर्ति प्रतिभा अलंकरण

प्रो. (डॉ.) एस.एम. बोस
वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष सर्जरी पीजीआई, चण्डीगढ़

प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा
कुलपति इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

डॉ. नीलम गुप्ता
संस्थापक एवं अध्यक्ष AROH फाउंडेशन

श्री मनीष कुमार
हैड- रिस्क एण्ड कॉम्पलाइनसेज (इंजी. सर्विसेज) इनफोसिस लि.

₹3.5 करोड़ छात्रवृत्ति वितरण
एस.आर.एम.एस. महाविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों हेतु

पुरस्कार वितरण
- वाद-विवाद प्रतियोगिता
- कहानी प्रतियोगिता

देव मूर्ति
(संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी)
& समस्त ट्रस्ट परिवार

1990-2025 35 GLORIOUS YEARS

श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट
बरेली • लखनऊ • उन्नाव

9412761544 www.srms.ac.in Follow us:

न्यूज ब्रीफ

युवक ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला हिदायत नगर निवासी 32 वर्षीय आकाश ने मंगलवार की देर रात घर के अंदर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिजनों को जब घटना की जानकारी हुई तो उनमें चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उसके आत्महत्या करने के कारणों की वजह साफ नहीं हो सकी है। परिवार के लोग भी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। मृतक अपने पीछे डेढ़ माह की मासूम बच्ची और पत्नी छोड़ को गया है। परिजनों का कहना है कि कुछ दिनों से आकाश परेशान रहता था।

शुभम बने किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कांग्रेस नेता शुभम अग्निहोत्री को

प्रदेश कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ में महासचिव पद पर मनोनीत किया गया है। शुभम ने पूर्व सांसद पिता तुल्य ज़फ़रअली नकवी, बड़े भाई मोनिस् अली नकवी, प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव का धन्यवाद ज्ञापित किया कि उनके आशीर्वाद से शुभम अग्निहोत्री को लगातार आगे बढ़ते रहने का मौका मिला।

सोलर प्लांट से डेढ़ लाख का तांबा चोरी

मझगईं, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एकाएक बढ़ी चोरी की घटनाओं पर पुलिस न तो अंकुश लगा पा रही है न ही पूर्व में हुई घटनाओं का खुलासा कर सकी है। मंगलवार की रात चोरों ने धर्मापुर रोड स्थित टाटा सोलर प्लांट में धावा बोल दिया और करीब डेढ़ लाख रुपये का तांबा चोरी कर ले गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। क्लस्टर हेड पवन कुमार यादव ने बताया कि बम्हनपुर स्थित सोलर प्लांट के बैटरी बैंक का ताला तोड़कर चोर 185 स्क्वायर एमएम की 30 मीटर कॉपर वायर, 75 स्क्वायर एमएम की 5 मीटर कॉपर तार, कॉपर प्लेट और बसबार काटकर ले गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये आंकी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं कर पाई है। इससे जहां लोगों में दहशत है। वहीं लोगों ने बढ़ती चोरियों पर चिंता जताते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सड़क से 4 फीट ऊंचा बनेगा मुख्य प्रवेश द्वार

शिव मंदिर कॉरिडोर: श्रद्धालुओं के लिए बनेंगे आरामदायक स्टेप, गोकर्ण तीर्थ के पूरब गली में खड़े हो गए पिलर

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोकर्ण तीर्थ के पूरब नेहरू जी की मूर्ति के सामने नींव का समतलीकरण करते श्रमिक।

गोला में स्टेशन रोड पर बन रहा मुख्य प्रवेश द्वार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर सौंदर्यीकरण के कार्यों में तेजी देखने को मिल रही है। स्टेशन रोड पर बनने वाले मुख्य प्रवेश द्वारा रोड से चार फुट ऊंचा बनाया जाएगा, श्रद्धालुओं को असुविधा न हो इसके लिए यहां तीन आरामदायक स्टेप बनाए जाएंगे। फाउंडेशन का कार्य होने के बाद पिलर और बीम निर्माण का कार्य जारी है। पौराणिक शिव मंदिर के पीछे बने मंदिर को तोड़कर उसका मलवा हटाए जाने के साथ ही उत्तर पश्चिम में रिटेनिंग वॉल बनने का कार्य भी जारी है।

मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का हिस्सा छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण कार्य में तेजी आ गई है। इस परियोजना को मार्च 2026 तक पूरा कराने की योजना है। कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल के जेई नितिन सिंह ने बताया कि स्टेशन रोड पर प्रवेश द्वार पर आरामदायक तीन

- मंदिर के पश्चिम बन रही रिटेनिंगवॉल और कॉरिडोर प्लेटफार्म का फाउंडेशन

स्टेप बनाए जाएंगे, जिससे किसी भी श्रद्धालु को पौराणिक शिव मंदिर में पूजन, जलाभिषेक करने आने में कोई दिक्कत न हो।

रीना कंस्ट्रक्शन और नारायण एसोसिएट्स कंपनियों के कर्मचारियों, अधिकारियों की देखरेख में परियोजना में तीर्थ यात्रियों श्रद्धालुओं के लिए गोकर्ण तीर्थ के दक्षिण तीन मंजिला यात्री शेड, विश्रामआलय के निर्माण के साथ कानपुर धर्मशाला में कैफेटेरिया का निर्माण कराया जाएगा, जिसका कार्य जारी है। गोकर्ण तीर्थ के पूरब वाली गली में नेहरू जी की मूर्ति के पास एक द्वार बनाया जाएगा। इसके लिए नींव खुदाई के साथ वहां पिलर खड़े किए जाने का कार्य भी कराया जा रहा है। यह द्वार सावन माह और विशेष पर्व में बंद रहेगा। पौराणिक शिव मंदिर के पीछे सत्संग स्थल और निर्माण को ध्वस्त कर उसका मलवा हटाने का कार्य भी कराया जा रहा है।

शिव मंदिर के पश्चिम स्थित गेट को भी शीघ्र ही ध्वस्त कर वहां समतलीकरण कराया जाएगा। शिव मंदिर के उत्तर पश्चिम रिटेनिंग वॉल बनने के कार्य के साथ ही शिव मंदिर परिसर में बनने वाले परिक्रमा पथ के 108 स्तंभों के लिए पिलर भी खड़े किए जा रहे हैं। परिक्रमा पथ में परिसर के अन्य 11 छोटे, बड़े मंदिरों को भी कॉरिडोर में स्थापित करने की योजना है।

गीता का उपदेश मानव जीवन दर्शन का सार

संवाददाता, पसगवां

कथा के दौरान भगवान शंकर और काली माता की झांकी।

अमृत विचार: श्रीमद्भागवत कथा में आचार्य पंडित देवदत्त मिश्र ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने युद्ध में अर्जुन को श्रीमद्भागवत गीता का जो उपदेश दिया, वही जीवन दर्शन का सार है।

गांव जमिरहा में चल रहे पंचम शतचंडी महायज्ञ में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य पंडित देवदत्त मिश्रा कंस वध और द्वारकाधीश का रुक्मणी विवाह की कथा सुना रहे थे। उन्होंने कहा कि कंस एक अत्याचारी और क्रूर राजा था वह अपने पिता को कारागार में डाल कर मथुरा का राजा बना, अपने पिता को कारागार में बंद कर दिया। आचार्य ने कहा कि कंस के अत्याचार से मथुरा की जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राजा कंस की उसके दरबार में मार डाला। राजा उग्रसेन को कारागार से मुक्त कर मथुरा का राज़ा बना दिया। आचार्य पंडित देवदत्त मिश्रा ने रुक्मणी विवाह का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रुक्मणी का विवाह अपहरण और युद्ध के

- श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ रही भक्तों की भीड़

बाद हुआ। रुक्मणी ने मन में भगवान श्रीकृष्ण को अपना पति मान लिया। उसके पिता ने भाई रुक्म की सलाह पर रुक्मणी का विवाह चेदिराज के राजा शिशुपाल से तय कर दिया। यह खबर रुक्मणी ने भगवान श्रीकृष्ण को भिजवाई। एक दिन रुक्मणी सहेलियों के साथ मंदिर दर्शन को गई थी। जहां से श्रीकृष्ण ने रुक्मणी का अपहरण कर लिया। इसके बाद शिशुपाल और रुक्म के साथ युद्ध हो गया। भगवान श्रीकृष्ण विजयी रहे। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी मैया का धूमधाम से विवाह हुआ।

पैदल जा रहे युवक की वाहन की टक्कर से मौत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: शारदा नगर मार्ग पर खंभारखेड़ा चीनी मिल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

थाना फूलबेहड़ के गांव तेतारपुर निवासी कन्हैयालाल पुत्र संतराम 29 सितंबर की शाम अपने घर से पैदल निकला था, जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। परिवार वालों ने महेवागंज चौकी पुलिस को उसके गायब होने की खबर दी। इसी बीच परिजनों को पता चला कि एक युवक खंभारखेड़ा चीनी मिल के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुआ था, जिसे फूलबेहड़ सीएचसी

- मोर्चरी पर पहुंचे भाई ने की शव की शिनाख्त

में भर्ती कराया गया। सूचना पर परिवार के लोग सीएचसी फूलबेहड़ पहुंचे तो जानकारी हुई कि हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल में कन्हैया की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव मोर्चरी में करवाकर शव की पहचान कराने की कोशिश कर रही थी।

बुधवार की सुबह मोरचरी पहुंचे नीरज कुमार ने शव की पहचान अपने भाई कन्हैया लाल के रूप में की। मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार के लोग भी मोर्चरी पहुंच गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

अपराधों से बचाव को छात्राओं को किया जागरूक

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: मिशन शक्ति अभियान के तहत पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज यू.पी. बोर्ड में छात्राओं के लिए साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने और ऑनलाइन खतरों से निपटने के जानकारी दी। कार्यक्रम में महिला आरक्षी शालू बिशनोई और कांस्टेबल आजम अली, साइबर थाना लखीमपुर ने छात्राओं को साइबर अपराधों जैसे साइबर बुलिंग, फिशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया का दुरुपयोग और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन किसी भी गलती से बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है और उससे बचने के लिए किन सावधानियों का पालन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री की एडिट फोटो वायरल करने पर केस दर्ज

संवाददाता, निघासन

थाना सिंगाही में मौजूद आरोपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर को एडिट कर इंस्टाग्राम स्टेट्स पर पोस्ट करना एक युवक को महंगा पड़ गया। जिसे हिंदुत्व टीम नाम के एक यूजर ने एक्स पर साझा कर कार्रवाई की मांग की। हरकत में आई थाना सिंगाही पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

थाना व कस्बा सिंगाही निवासी समीर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एडिट की हुई तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम स्टेट्स पर डाली थी। इस पोस्ट के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया। हिंदुत्व नामक एक्स यूजर ने उसका स्क्रीनशॉट लिया और मुख्यमंत्री, डीजीपी, यूपी पुलिस आदि को टैग करते हुए उसे प्लेटफॉर्म पर साझा कर दिया। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस सक्रिय हो गई और आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। एसओ अजीत कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान समीर पुत्र समी खान निवासी कस्बा सिंगाही के रूप में हुई है। उसके गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा 67 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 353(2) के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी का चालान भेजा गया है।

- इंस्टाग्राम पर वायरल की थी पोस्ट, एक्स पर साझा करने पर हुई कार्रवाई

मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी में दो गिरफ्तार

धौरहरा, अमृत विचार : मुख्यमंत्री की फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान भेजा है। थाना ईसानगर कस्बा निवासी अरबाज खान पुत्र मिस्टर व फुरकान पुत्र अज्ञात ने सोशल मीडिया फेसबुक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्र को एडिट कर विवादित पोस्ट डाली थी, जिसे देखकर विहित, बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठन के लोग थाना पहुंचे थे और ज्ञापन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बुधवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष निर्मल तिवारी ने बताया दोनों गिरफ्तार आरोपियों का चालान भेजा गया है।

पुलिस ने माफी मांगने पर हिदायत देकर छोड़ा किशोर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर की पंजाबी कॉलोनी रोड स्थित कांशीराम आवास कॉलोनी निवासी किशोर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर उनके फोटो के साथ एक अशोभनीय पोस्ट सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दी। लोगों के आपत्ति करने पर पुलिस उसे पकड़ कर कोतवाली में लाई। उसके द्वारा माफी मांगने और भविष्य में इस प्रकार की गलती न करने की बात कहने पर पुलिस ने उसे सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि वह नाबालिग है। उसे सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया गया है। आरोपी ने माफी मांग कर पोस्ट डिलीट कर दी है।

शारदा में मूर्ति विसर्जन को लेकर प्रशासन अलर्ट

पलियाकलां, अमृत विचार : नवरात्र के मौके पर नगर सहित क्षेत्र के तमाम गांवों में देवी मूर्तियों के पंडाल सजाए जाते हैं। जिनमें स्थापित की गईं देवी मूर्तियों को नवरात्र की समाप्ति पर निकटवर्ती शारदा नदी पर ले जाकर विसर्जन करने की परंपरा है। बरसात के मौसम में नदी में बढ़े पानी के चलते मूर्ति विसर्जन के बाद श्रद्धालुओं द्वारा स्नान करते समय दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। जिसको टालने के लिए तहसील प्रशासन अभी से सतर्क है। इसी के मद्देनजर उसके द्वारा शारदा नदी तट पर जेसीबी लगाकर जहां साफ– सफाई कराई जा रही है वहीं गहरे पानी से पूर्व रस्सी बांधकर लाल झंडी लगाकर स्नान आदि के लिए स्थान भी चिह्नित किए जा रहे हैं। साथ ही लोगों से नदी जल को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नदी के अंदर मूर्ति विसर्जन न कर बाहर बने गड्ढों में मूर्ति विसर्जित करने की अपील भी की जा रही है। नतीजा प्रशासन द्वारा कराए जा रहे इस कार्य की लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पता:- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

वृद्धजनों के साथ समय बिताना बड़ी सेवा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

गोष्ठी को संबोधित करते जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरके कोली।

अमृत विचार: जिला अस्पताल मोतीपुर सभागार में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गोष्ठी व हस्ताक्षर अभियान आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता सीएमएस डॉ. आरके कोली ने की।

सीएमएस डॉ. आरके कोली ने कहा कि वृद्धजन केवल देखभाल के पात्र नहीं, बल्कि समाज में बदलाव के सक्रिय एजेंट हैं। उनका सम्मान और सक्रिय जीवन हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपका समय ही वृद्धजनों के स्वास्थ्य की सबसे अच्छी औषधि है। नोडल चिकित्सक डॉ. शिखर बाजपेई ने बताया कि देश की कुल जनसंख्या में करीब 9% वृद्धजन हैं और औसत आयु 75 वर्ष तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था कोई विशेष बीमारी

- गोष्ठी के साथ ही हस्ताक्षर अभियान भी किया आयोजित

नहीं, बल्कि जीवन का स्वाभाविक चरण है, जिसे सक्रिय जीवन शैली से आनंददायक बनाया जा सकता है। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. इंद्रेश रजावत ने दांतों की समस्याओं पर ध्यान देने और आवश्यक होने पर चाप लगवाने की सलाह दी। फिजियोथेरेपिस्ट मोहम्मद सईद ने जोड़ों की समस्या, गठिया व दर्द के लिए नियमित फिजियोथेरेपी पर जोर दिया।

डॉ. शिशिर पांडेय ने रिटायरमेंट के बाद योग, सूर्य नमस्कार और संतुलित आहार अपनाने की सलाह। मनोचिकित्सक डॉ. अखिलेश शुक्ला ने अवसाद व मानसिक असंतुलन से निपटने के लिए समय पर इलाज और सहयोग उपलब्ध कराने की अपील की। सीएमएस ने बताया कि जिला अस्पताल की जेरियाट्रिक ओपीडी से पिछले वर्ष 8,870 और इस वर्ष अब तक 6,000 बुजुर्ग लाभान्वित हो चुके हैं। गोष्ठी में जिला एनसीडी सेल से विजय वर्मा, अभिषेक कश्यप और मयंक गौतम मौजूद रहे।

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर लगा स्वदेशी मेला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर शहर के राजापुर चौराहा स्थित आकांक्षा स्टोर परिसर में मिशन शक्ति तहत स्वदेशी मेला आयोजित हुआ।

मेले में स्वयं सहायता समूह, ओडीओपी और खादी ग्रामोद्योग से जुड़ी महिलाओं ने अपने स्टॉल सजाए और मिट्टी के खिलौने, घरेलू सजावट और पारंपरिक खाद्य सामग्री जैसे हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए। परियोजना निदेशक (डीआरडीए) एसएन चौरसिया और डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह ने महिलाओं के उत्पाद खरीदे और उन्हें मेहनत व हुनर के लिए प्रोत्साहित किया।

मेले में आए लोग महिलाओं के उत्पाद देखकर खुश हुए और मिशन शक्ति से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

थानाध्यक्ष ने गरीब छात्रा की पढ़ाई की ली जिम्मेदारी

मैलानी थाना में छात्रा को पुस्तकें देते इंस्पेक्टर ब्रजेश मौर्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, मैलानी

अमृत विचार: गरीबी के कारण पिता ने पढ़ाई बंद करानी चाही तो बेटी ने थाने में शिकायत की। इस पर थानाध्यक्ष ने पिता को बुलाकर बेटी की पढ़ाई की जिम्मेदारी ली और उसे किताबें खरीद कर दीं।

थाना मैलानी में महिला सुरक्षा केंद्र में सरोज पुत्री अमरजीत सिंह निवासी गांव सुरजनपुर ने प्रार्थना पत्र दिया था। आरक्षी दीपिका त्यागी ने प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार मौर्य को बताया तो उन्होंने सरोज व उसके पिता से बात की। सरोज के पिता अमरजीत ने बताया पत्नी का निधन हो चुका है। पांच पुत्री हैं। मजदूरी करके गुजर बसर करता हूं। प्रभारी निरीक्षक ने रामचंद्र यादव महाविद्यालय मैलानी में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा सरोज की फीस माफ कराने और पढ़ाई संबंधित सामग्री, कापी, किताब दीं। भविष्य में पढ़ाई से संबंधित समस्या होने पर मदद का आश्वासन दिया।

एक दिन के लिए अधिकारी बनीं बेटियां

एक दिन की थानाध्यक्ष पंखुड़ी श्रीवास्तव। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: मिशन शक्ति के तहत पटेल शांति निकुंज इंटर कॉलेज परेली की कक्षा 10 की स्कूल टॉपर छात्रा पंखुड़ी श्रीवास्तव को एक दिन के लिए हैदराबाद का थाना प्रभारी बनाया गया, जिन्होंने पुलिसिंग व्यवस्था देखकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं।

सीओ रमेश कुमार तिवारी ने छात्राओ को मिशन शक्ति के बारे मे बताते हुए कहा कि महिलाएं और छात्राएं आत्म निर्भर बनें, अपने अधिकारों को जाने। पंखुड़ी श्रीवास्तव ने थाना प्रभारी बनने पर थाने का निरीक्षण भी किया। थाना प्रभारी के तौर पर पंखुड़ी ने थाने में जन सुनवाई में फरियादियों की समस्याएं सुनकर क्षेत्रीय उप निरीक्षक को त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। पंखुड़ी ने पुलिस स्टाफ से कहा कि महिलाओं को तुरंत न्याय दिलाया जाए।

एक दिन के लिए मैलानी थानाध्यक्ष बनीं शालू

मैलानी, अमृत विचार : थाना मैलानी पर रामचन्द्र यादव महाविद्यालय की एनसीसी कैडेट शालू पुत्री विक्रम पाल निवासी लोकनपुरवा थाना पलिया को एक दिन के लिए थाना प्रभारी मैलानी नियुक्त किया गया। थानाध्यक्ष बनीं शालू ने थाना से संबंधित सभी कार्य और दस्तावेज देखे। मैलानी इंस्पेक्टर ने उन्हें परिसर में साफ सफाई, बंदीगृह आदि का निरीक्षण भी कराया। शालू ने थाने आने वाले फरियादियों से नम्रता से पेश आने और उनकी समस्याओं का त्वरित निदान करने का निर्देश दिया। इस मौके पर महाविद्यालय की सहपाठी, प्रध्यापक और पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

मैलानी थाना प्रभारी बनी एनसीसी कैडेट शालू। ● अमृत विचार

तान्या को व्यापारी नेता ने किया सम्मानित

गोला में तान्या पटेल को सम्मानित करते व्यापारी नेता पटेल अशोक कनौजिया।

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर निवासी कवि मुनेंद्र प्रताप वर्मा मंजुल की पुत्री तान्या पटेल नें ऑल इंडिया नीट परीक्षा पास कर सरकारी सीट पर डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया है। इस सफलता पर समाज सेविका डॉ. सुमेघा पटेल एवं समाजसेवी, व्यापारी नेता जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पटेल अशोक कनौजिया, डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. रामलखन कश्यप, कवि सुधीर अवस्थी ने घर जाकर तान्या पटेल को फूल मालाओं से सम्मानित किया। इस दौरान माता संजय कुमारी, बहन सौम्या पटेल सॉफ्टवेयर इंजीनियर, भाई व्योमेश पटेल, अभिलेख पटेल भी मौजूद रहे।

छात्रा रिद्धि बनी एक दिन की उचौलिया थाना प्रभारी

रिद्धि पांडेय के साथ मौजूद इंस्पेक्टर मनीष कुमार सिंह। ● अमृत विचार

उचौलिया, अमृत विचार : मिशन शक्ति'' अभियान के तहत बुधवार को डोरीलाल मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज की छात्रा रिद्धि पांडे एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनीं। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ लोगों की समस्याएं सुनीं और दिशा–निर्देश जारी किए। इंस्पेक्टर मनीष कुमार सिंह ने रिद्धि पाण्डेय को कैप पहन कर थानाध्यक्ष का दायित्व सौंपा। एक दिन की थानाध्यक्ष बनी रिद्धि पांडे ने मिशन शक्ति की बारे में, महिला सुरक्षा के लिए 1090 हेल्पलाइन नम्बर, साइबर अपराध के लिए 1930, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112, 108 व 102 जैसी हेल्पलाइन की जानकारियां दी।

न्यूज ब्रीफ

सांसद ने किया मिनी बैंक का उद्घाटन

मझगईं, अमृत विचार : खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा ने बुधवार को बौधिया क्रेशर स्थित पंजाब ऐंड सिंध बैंक के एक बीसी पॉइंट का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए कड़ी आलोचना की। सांसद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में मिनी बैंक की शुरुआत से आम जनता को अब बैंकिंग सुविधाएं गांव के नजदीक ही मिल सकेंगी। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष भंडारी यादव, सोमेश्वर, मोर मोहन सिंह, जगदीश लोधी, फहीम असलम, रमेश कुमार, राजेंद्र कुमार, जंग बहादुर, नंदकिशोर यादव, तिलक राम यादव समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

रामचंद्र व हरिचरन बने किसान प्रदेश सचिव

महंगापुर/पलिया कलां, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने ब्लॉक पलिया कलां के गांव ऐंठपुर गजरौरा के पूर्व प्रधान रामचंद्र और न्याय पंचायत संपूर्णानगर के मिर्चीया निवासी हरिचरन सिंह को किसान कांग्रेस मध्य जोन का प्रदेश सचिव बनाया है। उनकी नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की संस्तुति पर हुई है। किसान प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्या ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए जिम्मेदार साथियों से पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी। इस दौरान अमर गुप्ता, रानू त्रिवेदी, आदिल खान, आकिब खान, गुरनाम सिंह, आसाराम राणा आदि मौजूद रहे।

चोरी की बाइक बरामद तीन आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना शारदा नगर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान टहारा के आगे समाधि वाले रोड से चोरी की बाइक बरामद कर थाना पढुआ के गांव पठाननपुरवा निवासी मुरसुद्दीन, अल्लन और रिजवान को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तीनों आरोपियों का चालान भेजा है।

आरएसएस का विजयादशमी उत्सव आज

गोला गोकर्णनाथ। आरएसएस के नगर कार्यवाह महेंद्रनाथ पाठक ने बताया कि लखीमपुर रोड पर शहनाई गेस्ट हाउस में दो अक्टूबर गुरुवार को शाम पांच बजे से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

ग्रेड ए धान का मूल्य 2389 रुपये तय किया गया, जिले में बनाए गए हैं 124 केंद्र

आढ़तों पर पहुंचा धान, सरकारी खरीद कल से

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः नवमी और दशहरा अवकाश के कारण इस बार सरकारी धान खरीद तीन अक्टूबर से शुरू होगी। हालांकि आढ़तों पर धान की आवक शुरू हो गई है। इस बार ग्रेड ए धान का मूल्य 2389 रुपये तय किया गया है। जिले में 124 केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर छह एजेंसियों को खरीद का जिम्मा दिया गया है।

जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी (डिप्टी आरएमओ) नमन पांडेय ने बताया कि तीन अक्टूबर से शुरू होने वाली धान खरीद 31 जनवरी तक चलेगी। फसल बिक्री होने के 24 घंटे के भीतर किसान के खाते में धनराशि भेज दी जाएगी। बताया कि इस बार धान का न्यूनतम मूल्य 2369 रुपये और ग्रेड ए धान की कीमत 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। जिले में अभी तक 124 खरीद केंद्र बनाए गए हैं। किसानों को कोई असुविधा न हो इसके लिए लेखपालों को भी तैनात किया गया है। केंद्र प्रभारी किसानों से संपर्क कर धान खरीद को बढ़ाने में लगे हुए हैं। डिप्टी आएमओ नमन पांडेय ने किसानों से अपील की है कि वह अपना धान सरकारी खरीद केंद्रों पर ही दें ताकि उन्हें अपनी उपज का वाजिब मूल्य मिल सके।

राजापुर मंडी में निजी आढ़तों पर बिकने के लिए रखा धान। ● अमृत विचार

तहसीलवार बनाए गए खरीद केंद्र

सदर	-	33
गोला	-	34
पलिया	-	08
निघासन	-	08
मितौली	-	15
धौरहरा	-	09
मोहम्मदी	-	17
कुल केंद्र	-	124

"सरकारी खरीद तीन अक्टूबर से शुरू हो रही है, लेकिन अभी धान में नमी अधिक है। जिन किसानों ने अगैती फसल बोई है, उनकी उपज पक गई है, लेकिन अधिकांश किसानों को कटाई के लिए अभी इंतजार करना होगा। खरीद केन्द्रों पर व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। **-नमन पांडेय,** डिप्टी आरएमओ।

चार घाटों पर होगा प्रतिमाओं का विसर्जन

मूड़ा सवारान,अमृत विचारः भीरा थाना क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस बार गुरुवार और शुक्रवार को मूर्ति विसर्जन शारदा नदी के चार घाटों पर किया जाएगा। प्रतिमाओं का विसर्जन करने के लिए शारदा नदी के घाटों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे। प्रशासन ने शारदा नदी के चार घाट निर्धारित किए हैं। इनमें शारदा पुल का दौलतापुर घाट, जंगल नंबर 07 घाट, रामनगर कलां घाट और ढकिया घाट शामिल हैं। सीओ पुलिस पलिया, थानाध्यक्ष पलिया पंकज त्रिपाठी, भीरा थानाध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह ने बुधवार को नदी घाट का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। थानाध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि बेलहा सिकटिहा घाट पर गहराई अधिक होने से मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाएगा।

चाकू और लाठी-डंडों से रिश्तेदारों को किया घायल

संवाददाता, निघासन

अमृत विचारः पढुआ थाना के जम्हौरा गौढी गांव में दो लोगों ने अपने ही रिश्तेदारों को चाकू व लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया। घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

घायल लवकुश।

गांव जम्हौरा गौढी (मंझरा पूरब) निवासी रमाकांत यादव की शादी आठ साल पहले गजियापुर गांव निवासी रमाकांत की बहन से हुई थी। कुछ महीने पहले रमाकांत यादव एक युवती के साथ भाग गया था। घटना के बाद से रमाकांत और उसकी पत्नी में अनबन रहने लगी और आये दिन दोनों में विवाद व मारपीट होने लगी। पति पत्नी के विवाद को सुलझाने के लिए विवाहिता का भाई रमाकांत और भांजा लवकुश जम्हौरा गौढी आये थे। इस बीच कहा सुनी के बाद विवाद हो गया। आरोप है कि विवाहिता के देवर छोटू और ससुर बृजलाल ने विवाहिता के भाई और भांजे पर चाकू और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। दोनों लोगों को चोटें आई हैं। भांजे लवकुश को रमियाबेहड़ सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया है। पढुआ इंस्पेक्टर विवेक कुमार उपाध्याय के मुताबिक तहरीर मिली है। जांच पड़ताल चल रही है, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डोली भूमि गिरत दसकंधर, छुभित सिंधु सरि दिग्गज भूधर

गूंजी श्रीराम की जय-जयकार, शहर की रामलीला में हुआ राम-रावण के बीच युद्ध का मंचन, जिले भर से लोग देखने पहुंचे

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : बुधवार को मेला मैदान में रामलीला में राम-रावण के बीच युद्ध का मंचन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जिले भर से लोग की भीड़ रामलीला देखने पहुंची।

डोली भूमि गिरत दसकंधर छुभित सिंधु सरि दिग्गज भूधर.... वानर राज सुग्रीव अंगद को राम की सहमत से लंका भेजते हैं कि रावण सीता को लौटा दें तो उसे प्रभु श्री राम क्षमा कर देंगे, लेकिन रावण नहीं मानता है। अंत में राम और रावण के बीच भयंकर युद्ध होता है। कुंभकरण व मेघनाद, मकराक्ष, अतिकाय समेत कई राक्षस मारे जाते हैं। अंत में विभीषण बताते हैं कि रावण की नाभि में अमृत है। राम एक साथ 31 तीर चलाते हैं, एक तीर रावण की नाभि का अमृत सोखता है और बाकी के तीर दसो शीश व बीसो भुजाएं काट देते हैं। प्रसन्न होकर रावण वध पर देवता पुष्प वर्षा करने लगते हैं। इस मंचन को देखने के लिए शाम से ही मेला मैदान में काफी भीड़ उपस्थित रही। इसके लिए नगर पालिका परिषद व प्रशासन को पुलिस व्यवस्था भी करनी पड़ी। बेरिकेडिंग करके दर्शकों की अलग-अलग जगाहें बनाई गईं थीं। रावण वध के बाद, मेला मैदान में खड़े किए गए रावण के विशाल पुतले को भी जलाया गया। आतिशबाजी के साथ जलते हुए पुतले का कौतूहल देखते हुए लोग ताली बजाने लगे। इस दौरान रामलीला कराने वाले ट्रस्ट के सर्वराहकार विपुल सेठ, किशन सेठ, विभू सेठ व अभिषेक सेठ समेत बड़ी संख्या में जनसैलाब उपस्थित रहा।

लखीमपुर शहर की रामलीला में धू-धू कर जलता रावण का पुतला। ● अमृत विचार

काल की भांति चली बरछी, सब रोकन हारे हार गए...

गोला गोकर्णनाथ। नगर के मेला मैदान में हो रहे श्रीरामलीला महोत्सव में दसवे दिन बुधवार को लक्ष्मण मेघनाद युद्ध, लक्ष्मण शक्ति, हनुमान जी के पर्वत से संजीवनी बूटी लाने की लीला का मंचन दिखाया गया। बुधवार को श्रीरामलीला के मंचन में दिखाया कि जब रावण के दरबार में शांति दूत बनकर गए अंगद की भी बात रावण नहीं मानता है। इस पर रावण को युद्ध में पराजित करने के बाद ही सीता को हासिल करने का एकमात्र रास्ता बचता है। इसके बाद युद्ध भूमि में राम रावण की सेना आमने-सामने खड़ी हो जाती है। लक्ष्मण के साथ मेघनाद का घमासान युद्ध हुआ। दोनों महारथी हार मानने को तैयार नहीं थे। मेघनाद दहाड़ते हुए कहता है कि इंद्रजीत अब लक्ष्मणजीत कहलाएगा। जब मेघनाद लक्ष्मण से जीत नहीं पाया तो माया का प्रयोग कर उसने लक्ष्मण पर शक्ति बाण चला दिया। बरछी लगते ही लक्ष्मण मूर्छित होकर गिर गए, जिससे रामादल में शोक छा गया। लक्ष्मण के अचेत होने पर भगवान राम ने उन्हें गोद में रखकर विलाप किया और माता कौशल्या से किए गए वादे को याद कर कहा कि वह अब अयोध्या लौटने पर माता कौशल्या को क्या जवाब देंगे। भगवान राम विलाप करते हुए कहते हैं कि हे विधाता यह क्या हो गया। दर्शक इस भावनात्मक मंचन को देख भाव विभोर हो गए। विभीषण की सलाह पर लक्ष्मण के उपचार के लिए हनुमान जी लंका से वैद्य सुषेण को उनके घर समेत उठा लाते हैं। वैद्य सुषेण के कहने पर हनुमान जी पर्वत से संजीवनी बूटी लेकर आते हैं। संजीवनी बूटी के सेवन से लक्ष्मण स्वस्थ होकर फिर युद्ध भूमि में जाकर मेघनाद के साथ घनघोर युद्ध करते हैं। वानर सेना राम लक्ष्मण की जय जयकार करने लगती है। लक्ष्मण का किरदार ललित शर्मा एवं मेघनाद का किरदार मेघराज शर्मा ने किया। श्रीरामलीला समिति के संरक्षक जनार्दन गिरि, अध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि मोंटी, महामंत्री पूर्व सभासद पंकज गुप्ता, रामगुलाम पांडे, कृष्णा वाजपेई, रामस्वरूप यादव, पंकज मिश्रा, शोभित सिंह, अरुण सिंह सहित तमाम महिला, पुरुष रामलीला प्रेमी मौजूद रहे।

गोला की रामलीला में लक्ष्मण शक्ति का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

मिशन शक्ति अभियान में 21 आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी,अमृत विचारः मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने जिले भर में चलाए गए अभियान के तहत पिछले 24 घंटों में 90 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की है। इनमें से महिला अपराधों में वांछित चल रहे 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि जिले के थानों पर गठित टीमों ने कार्रवाई करते हुए महिला संबंधी अपराधों में शामिल 90 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की है। टीमों ने भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कोचिंग सेंटर, विद्यालय, पार्क आदि में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान अनावश्यक रूप से घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों व किशोरों से भी पूछताछ व उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला संबंधी अपराधों में वांछित चल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चेकिंग के दौरान फब्तियां कसते या अनुचित कार्य करते पाये जाने पर कुल 18 मामले दर्ज किए गए। कुल 41 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और महिला अपराधों में शामिल 10 वारंटियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने चालान भेजा है।

बजरंग दल ने कराया बीमार गोवंश का इलाज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना में एक गोवंश के बीमारी हालत में पड़ा होने की सूचना पर पहुंचे भारतीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने उसका उपचार कराया है। बजरंग दल के जिला गो रक्षा प्रमुख अनूप गुप्ता को सूचना मिली कि मोहल्ला पश्चिमी दीक्षिताना में सभासद रियाजुद्दीन के घर के पास गोवंश सात दिन से बीमार तड़प रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर पशु डॉक्टर को बुलाकर उसका इलाज कराया।

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
NABH
रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रुबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
• बरेली का एकमात्र PET CT
• पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
• सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, • रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, • डे केयर कीमो थेरेपी, • इम्यूनोथेरेपी • कैंसर आईसीयू, • फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री • मैमोग्राफी, • कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, • टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल • इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
• प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
• मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइनः 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : /rohilkhand cancer institute

श्रद्धाभाव से जगतजननी का किया पूजन, कन्या भोज कराए

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः नवरात्रि पर शुक्रवार को नवमी पर जगतजननी का पूजन जिले भर में श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने घरों से लेकर मंदिरों में माता के स्वरूपों की पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने श्रद्धानुसार फल, फूल, नैवेद्य आदि अर्पित किए। हवन में आहुतियां दीं और कन्या भोज कराए। मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। शहर के संकटा देवी मंदिर में सुबह से ही कन्याएं उमड़ पड़ीं, जिन्हें लोग भोज कराते और दक्षिणा देते रहे। उधर, कोतवाली और थानों में भी कन्या भोज के आयोजन कराए गए।

गोला गोकर्णनाथ। बजाज चीनी मिल की पुरानी कॉलोनी में 22 सितंबर को हिमाचल से मां ज्वालाजी की ज्योति, मूर्ति स्थापना के बाद दरबार श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिया गया, जिसमें नगर के तमाम स्कूली बच्चों, स्थानीय बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। श्रद्धालुओं ने दुर्गम पहाड़ियों के बीच गुफा के मध्य माता रानी के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। बुधवार को भक्तों ने माता रानी की हवन पूजन कर कन्या भोज कराया। इसके बाद भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरुवार दो अक्टूबर को नगर के प्रमुख मार्गों पर शोभायात्रा निकलकर मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। अवधेश श्रीवास्तव दीपू लाला, अतुल पुरवार, राजेश शुक्ला, विवेक राठौर, हर्ष शुक्ला, कृष्णा अवस्थी, विपिन गिरी, लवप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

केशवापुर। शारदीय नवरात्र को व्रत रखने वाले भक्तों ने नौ दिनों का उपवास रखकर अपनी भक्ति श्रद्धा का पालन किया है। साथ ही माता दुर्गा जी से आशीर्वाद मांगा है! परिवार की सुख-शांति व खुशहाली के लिये हवन पूजन कर कन्याओं को भोजन कराया। भल्लिया बुजुर्ग निवासी रामस्वरूप, रजौरा निवासी सतीशचंद्र भाजपा नेता ने भल्लिया गांव की दर्जनों कन्याओं को भोज कराकर दक्षिणा देकर परिवार व गांव की सुख समृद्धि की कामना माता जी से की है। इस दौरान गांव के दर्जनों लोगों ने इस कार्य में सहयोग किया।

गोला गोकर्णनाथ। मिशन शक्ति अभियान के तहत रामनवमी पर कोतवाली परिसर स्थित मंदिर में कन्याओं को भोज कराकर सम्मान एवं सुरक्षा का संदेश दिया। गांव में भी महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया। महिला उप निरीक्षक अपूर्वा शर्मा, राजन कुमार, अनुज सागर, अंजलि, हिमानी आदि मौजूद रहीं।

कोतवाली क्षेत्र के गांव जमैयतपुर में भी मिशन शक्ति अभियान, ऑपरेशन रक्षा के तहत महिला उप निरीक्षक सर्वेश मौर्य, संध्या सिंह, पीआरडी रेनू, रिटन आदि ने गांव की महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं साइबर अपराध से बचने के तरीके बताएं।

बिलहरी। थानाध्यक्ष हैदराबाद सुनील कुमार मलिक ने नौ दिनों तक उपवास रखकर कन्या भोज और भंडारा कराया।

उन्होंने सभी कन्याओ के पैरों को स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिको, ग्राम प्रधान, बीडीसी मेम्बर, पूर्व प्रधान, पत्रकारों और पुलिस स्टाफ ने प्रसाद ग्रहण किया।

गोला कोतवाली में भोज करतीं कन्याएं। ● अमृत विचार

भल्लिया बुजुर्ग के भंडारे में प्रसाद ग्रहण करती कन्याएं। ● अमृत विचार

चीनी मिल की पुरानी कॉलोनी में मां वैष्णो दरबार के हवन में आहुतियां डालते यजमान।

बांकेगंज के राधाकृष्ण मंदिर पर भजन गाते गायक। ● अमृत विचार

एसएसबी में हवन करते कमांडेंट रबींद्र कुमार राजेश्वरी व अन्य।

कन्या भोज में शामिल कन्याएं। ● अमृत विचार

भजनों पर झूमे भक्त

बांकेगंज,अमृत विचार : श्री बाकेश्वर महादेव राधा कृष्ण मंदिर में नवरात्रि पर हुये दुर्गा पूजा समारोह में शेरा एंड जागरण पार्टी ने माता रानी का भव्य जागरण किया। जागरण मे झांकियां मुख्य आकर्षण रहीं। राधाकृष्ण मंदिर पर अजीत सिंह के सौजन्य से माता रानी का जागरण शुरू होते ही भक्तों की भीड़ मंदिर प्रांगण मे एकत्र होने लगी। सारी रात जूनियर खेसारी शेरा ने मातारानी के सुंदर भजन सुनाकर दूर दूर से आए भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। बुधवार को महामाई के दरबार में भंडारा कराया गया। जागरण में दिखाई गईं गणेश जी, राम सीता, हनुमान तथा राधा कृष्ण की झांकी ने भक्तों का मन मोह लिया। दुर्गा पूजा कमेटी के राजेंद्र माहेश्वरी, कृष्ण किशोर मिश्रा, सुखदेव सिंह, संतोष सक्सेना, कृष्ण किशोर मिश्रा, वेदप्रकाश गुप्ता, महेंद्र माहेश्वरी, राहुल माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

जगह-जगह हवन और कन्या भोज हुए

पलियाकलां। शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन नगर सहित क्षेत्र में देवी भक्तों ने जगह-जगह हवन व कन्या भोज आयोजित किये। श्रीकुल सेवा संस्थान में बने प्रमुख देवी मंदिर प्रांगण में संस्थान के कुल उपासक आचार्य गोविंद माधव सहित अतुल गुप्ता, गगन मिश्रा, रामू वर्मा, दिनेश वर्मा, धनेंद्र शुक्ला, आदर्श अग्रवाल, सोमेश माधव मिश्रा आदि ने जगत्जननी मां दुर्गा देवी के हवन में आहुतियां डालीं। हवन संस्थान के विद्वान आचार्य अतुलेन्द्र शुक्ला ने कराया। जबकि पांडे बाबा स्थान, चीनी मिल मंदिर, मोहल्ला किसान व रंगरेजान आदि के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने हवन कर भंडारे का आयोजन किया। श्रद्धालुओं ने घरों पर हवन कराकर कन्याएं खिलाईं। ग्राम बोझवा में 9 दिन से चल रही श्रीमद्भागवत कथा की समाप्ति पर हवन व भंडारा किया गया। ग्राम मुजहा, पटिहन, तिरकौलिया, नगला, पतवारा, नौगवां व चंदन चौकी में हवना किए गए।

नवदुर्गा पूजन में भजन गाती कलाकार।

भजन-कीर्तन और मनमोहक झांकी देख भक्त भाव विभोर

संसारपुर, अमृत विचार : कस्बे के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रामनरेश दीक्षित के प्रांगड़ में भगवती के प्रथम पूजन उत्सव के अंतिम दिन माता के 9 स्वरूपों का पूजन कर सूरज म्यूजिकल ग्रुप बंडा शाहजहांपुर द्वारा जागरण किया गया। बरेली से आए भजन गायक प्रताप दीवाना, पीलीभीत से आईं ज्योति सिंह, शाहजहांपुर से आईं प्रतिभा सिंह तथा पूरनपुर से आए शिवम मौर्य ने मधुर आवाज से दर्शकों को भाव विभोर कर झूमने पर विवश कर दिया। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे पलिया विधायक रोमी साहनी ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती वंदना से जागरण का आरंभ किया। भजन गायक प्रताप दीवाना ने चलो बुलावा आया है, देख तेरा सजा दरबार हम दीवाने हो गए। पूरनपुर से आईं ज्योति सिंह ने चंदा भी देख शर्माया ओ मैया तुझे किसने सजाया। पूरनपुर के शिवम मौर्य ने आजा मां आजा जाना। शाहजहांपुर की प्रतिभा सिंह ने भी भजन सुनाया।

एसएसबी में कराया गया हवन पूजन

महंगापुर। एसएसबी 39वीं वाहिनी गदनिया पलिया कलां मुख्यालय परिसर में नवरात्रि समापन पर पूजन एवं भंडारे का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वाहिनी कमांडेंट रबींद्र कुमार राजेश्वरी सहित अन्य अधिकारियों, कार्मिकों एवं उनके परिजनों ने श्रद्धा व भक्ति भाव से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन के साथ हुई। इसके उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया।

कन्या पूजन किया

मझगईं। विकास खंड निघासन, ग्राम पंचायत बम्हनपुर में नवरात्रि की नवमी पर ग्राम पंचायत बम्हनपुर में भक्तिमय माहौल छा गया। सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन का दौर शुरू हो गया। महिलाओं ने विशेष कन्या पूजन कर मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर यश सोनी, सचिन शर्मा और मुकेश वीरेंद्र शुभ वर्मा सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम RESHMA PARVEEN से बदलकर FARZANA BEGUM रख लिया है। भविष्य में मुझे FARZANA BEGUM W/O ABDUL KHALIQ KHAN निवासी मो. बाड़ुजई प्रथम तहसील सदर जिला शाहजहांपुर के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0998282 व इण्टरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 0741395 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गयी हैं। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **संदीप कुमार वर्मा पुत्र श्री मेवा राम वर्मा निवासी ग्राम मुडिया जमा खां, थाना निगोही जनपद शाहजहांपुर**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विजय धर्म की ही होती है : राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विजय दशमी पर्व पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने बुधवार को अपने बधाई संदेश में कहा कि विजय दशमी पावन पर्व हमें स्मरण कराता है कि असत्य कितना भी प्रबल क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है।

विजयादशमी से मिलती है सदाचार की प्रेरणा : महाना

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने विजयदशमी (दशहरा) पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में सदैव सत्य, नैतिकता और सदाचार के मार्ग पर चलकर ही वास्तविक सफलता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और प्रगति की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पर्व प्रदेश में सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और आपसी सौहार्द को और सुदृढ़ करेगा।

सपा प्रमुख ने दी पर्व की बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विजयादशमी पर्व की देशवासियों को बधाई दी, और कहा है कि विजयदशमी का दिन हमें अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देता है। साथ ही 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

आरएसएस पर जातीय भेदभाव का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) उप्र. के प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आरएसएस पर मनुवादी व्यवस्था और जातीय भेदभाव तथा छुआछूत की व्यवस्था में विश्वास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरएसएस में 'राष्ट्रीय' शब्द लगा होने के बावजूद, यह संगठन देश की 85 प्रतिशत आबादी (दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों) का प्रतिनिधित्व क्यों नहीं करता है। साथ ही आश्चर्य है कि एक भी महिला को भी संघ का प्रमुख नहीं बनाया गया। आप सांसद ने बुधवार को जारी बयान में और कहा कि यह संगठन बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और उनके संविधान के खिलाफ है। उन्होंने जनता से ऐसे संगठनों से सावधान रहने की अपील की।

रोडवेज एसी बसों में 10 फीसद कम होगा किराया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दशहरा व दीपावली पर योगी सरकार ने दिया तोहफा

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को दशहरा और दीपावली पर तोहफ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) द्वारा संचालित सभी वातानुकूलित बसों के किराए में की गई लगभग 10 फीसद की कमी को अग्रिम आदेशों तक जारी रखा जाएगा।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस निर्णय से यात्रियों को कम किराए में आरामदायक सफ़र की सुविधा मिलेगी। यह छूट जनरथ, पिंक, शताब्दी, वोल्वो, वातानुकूलित शयनयान जैसी सेवाओं पर लागू होगी। हालांकि, 1 जनवरी 2024 के बाद पंजीकृत नई वातानुकूलित बसों पर यह छूट लागू नहीं होगी।

ये होगा किराया

- 3*2 बस सेवा – 1.45 रु. प्रति किलोमीटर
- 2*2 बस सेवा – 1.60 रु. प्रति किलोमीटर
- हाई एंड (वोल्वो) बसें – 2.30 रु. प्रति किलोमीटर
- वातानुकूलित शयनयान – 2.10 रु. प्रति किलोमीटर

> निगम की सकल आय पर असर न पड़े, इसके लिए बसों पर तैनात चालक-परिचालकों को प्रेरित कर अधिक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए विशेष काउंसिलिंग की जाएगी।
>
> – दयाशंकर सिंह, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिरों में किए देवी मां के दर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : इस बार पूर्वांचल के विंध्यवासिनी धाम से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शाकंभरी मंदिर तक सभी देवी मंदिरों में नवरात्र के नौ दिनों में ही लगभग 2 करोड़ भक्तों ने मां के दरबार में हाजिरी लगाई। इनमें से केवल विंध्यवासिनी धाम में ही 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां का आशीर्वाद लिया। वाराणसी में 51 शक्तिपीठों में गिने जाने वाले मां विशालाक्षी मंदिर में सामान्य दिनों की तुलना में नवरात्र पर भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ गई। वहीं, पश्चिमी उप्र. का सहारनपुर जिला भी आस्था से सराबोर रहा। नवरात्रि के नौ दिनों में शाकंभरी धाम में लगभग 7 लाख और मां त्रिपुर बाला सुंदरी मंदिर में करीब 4 लाख श्रद्धालुओं ने मत्था टेका। बलरामपुर स्थित मां पाटेश्वरी मंदिर में इस नवरात्र करीब 6.50 लाख श्रद्धालु पहुंचे। सप्तमी से नवमी तक यहां सबसे अधिक भीड़ रही। प्रयागराज के मां अलोप शंकरी धाम में नवरात्र के दौरान करीब 12 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। सप्तमी, अष्टमी और नवमी पर प्रतिदिन ढाई लाख तक भक्त मां के दरबार में हाजिरी लगाने आए।

आरएसएस : सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी, तब शायद ही किसी ने ऐसा सोचा होगा कि आगामी सौ वर्षों में यह संगठन इतना विशाल और प्रभावशाली बन जाएगा। बीते दस दशकों में आरएसएस ने भारत की सामाजिक बुनियाद को मजबूत किया है, उसकी संप्रभुता की रक्षा की है, कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है और भारतीय सभ्यता के मूल्यों को संजोए रखा है। वर्तमान में आरएसएस निःस्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बन गया है। आरएसएस के शताब्दी उत्सव के अवसर पर, उसकी यात्रा को पुनः याद करना उचित भी है और आवश्यक भी।

हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के समावेशी विचारों पर चर्चा करते हुए कहा धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है; इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। यह वक्तव्य संघ की मूल विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है कि समाज में टकराव नहीं, सामंजस्य हो; बिखराव नहीं, एकता हो और केवल भौतिक वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता पर बल हो। यह अत्यंत स्वाभाविक बात है कि संघ के अनुकरणीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संघ को दुनिया का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया और देशवासियों को संघ की सौ साल की भव्य, प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बारे में याद दिलाया।

वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्रता का उत्सव माना रहा था, तब विभाजन की त्रासदी की वजह से बहुत जनहानि हुई थी और लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा था। ऐसी भीषण परिस्थिति में आरएसएस के स्वयंसेवक एक अनुशासित, संगठित और निःस्वार्थ सेवकों के रूप में सामने आए। विभाजन से पहले भी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी (एम. एस. गोलवलकर) और संघ के कई वरिष्ठ नेताओं ने पंजाब के विभिन्न हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था और उन्होंने वहां के लोगों को आत्मरक्षा और राहत कार्यों के लिए संगठित किया था। स्वयंसेवकों की सेवा के कारण ही द ट्रिब्यून अख़बार ने अपनी एक रिपोर्ट में आरएसएस को 'The sword arm of Punjab' कहा था।

संघ द्वारा समाज-सेवा का कार्य विभाजन के बाद भी अनवरत जारी रहा। 1984 में जब सिख विरोधी दंगे भड़काए गए और हजारों सिखों की हत्या की गई, तब भी संघ स्वयंसेवक सिखों की रक्षा और राहत कार्यों के लिए सबसे आगे थे। लेखक खुशवंत सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद में हिंदू-सिख एकता बनाए रखने में आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत के एकीकरण में संघ के योगदान से भी बहुत लोग अवगत नहीं हैं। कश्मीर से गोवा और दादरा नगर हवेली तक, संघ ने भारत की अखंडता को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई है। जब पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण किया तो सरदार वल्लभभाई पटेल ने महाराजा हरि सिंह को विलय के लिए राजी करने हेतु गुरुजी की मदद मांगी थी। इसके बाद गुरुजी श्रीनगर गए और उन्होंने हरि सिंह को तत्काल विलय करने के लिए मनाने का प्रयास किया था। आरएसएस स्वयंसेवकों ने 1947-48 के युद्ध के दौरान सेना की सहायता भी की थी।

1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नगर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। केआर मलकानी की पुस्तक 'दि आरएसएस स्टोरी' के अनुसार, 2 अगस्त 1954 को लगभग 200 आरएसएस स्वयंसेवकों ने नाना काजरेकर और सुधीर फड़के के नेतृत्व में दादरा और नगर हवेली को आज़ाद कराया। उन्होंने राइफल, ब्रेन गन और स्टेन गन से लैस 175 पुर्तगाली सैनिकों को खदेड़ दिया। इसी तरह, गोवा की आज़ादी के लिए आरएसएस ने भूमिगत स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लिया था।

आरएसएस ने हमेशा भारत को मजबूत करने के लिए कार्य किया है। 1975 के दौरान, संघ ने आपातकाल का मज़बूती से विरोध किया था। इसके खिलाफ लाखों स्वयंसेवक संगठित होकर भारत के संविधान की रक्षा के लिए खड़े हो गए। जनवरी 1976 में द इकोनॉमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था- इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़ा संगठन आरएसएस है।

वर्ष 1952 में स्थापित, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, आज देश का सबसे बड़ा आदिवासी कल्याण संगठन है। वर्तमान में यह संगठन देश के 323 ज़िलों की लगभग 52,000 बस्तियों और गांवों में 20,000 से अधिक परियोजनाएं चला रहा है।

महात्मा गांधी ने कई अवसरों पर संघ के अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रशंसा की है। वर्ष 1934 में गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस के एक शिविर का दौरा भी किया था, जहां उन्होंने संघ के अनुशासन, अस्पृश्यता के पूर्ण अभाव और उच्च सादगी की सराहना की थी। विभाजन की त्रासदी के दौरान, 16 सितंबर 1947 को गांधीजी ने दिल्ली में आरएसएस की एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने संघ की सेवा एवं बलिदान की भावना की प्रशंसा की थी। 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की हत्या के बाद, आरएसएस ने श्रद्धांजलि स्वरूप अपनी सभी शाखाएं 13 दिनों के लिए स्थगित कर दी थीं। ऐसा संघ के इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ है। आरएसएस ने 1946 में गुवाहाटी में पहली शाखा स्थापित की और तब से इस क्षेत्र को राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बहुत सी चुनौतियों के बीच, यहां संघ ने विद्यालयों, स्वास्थ्य शिविरों, आपदा राहत कार्यों और सामुदायिक निर्माण जैसे कार्यों के ज़रिए सामाजिक पूंजी को बढ़ाया है और लोगों के बीच विश्वास कायम किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी संघ और उसके स्वयंसेवकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गायत्री प्रजापति की हालत स्थिर

अमृत विचार, लखनऊ : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में भर्ती पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की तबीयत स्थिर बनी हुई है। सीटी स्कैन समेत दूसरी जरूरी जांचें कराई गई हैं। डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत की निगरानी कर रही है। जेल में हुए हमले के बाद घायल गायत्री प्रजापति को मंगलवार रात केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। उनके सिर व हाथ में चोट लगी है। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि वर्तमान में वह पूर्णतः खतरे से बाहर हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि गायत्री प्रजापति पर जेल में हुए हमले की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो।

हर भारतीय राष्ट्रहित की सोचे : होसबोले

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष' विशेषांक का विमोचन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

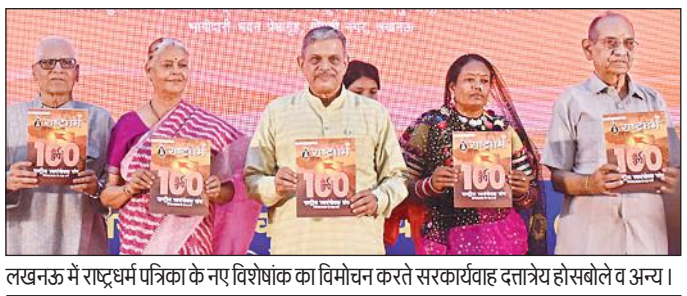

लखनऊ में राष्ट्रधर्म पत्रिका के नए विशेषांक का विमोचन करते सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले व अन्य।

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि राष्ट्रधर्म एक शाश्वत धर्म है। भारत में जन्मे प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह सोचे- राष्ट्र के लिये जीवन में किस क्षेत्र में हम क्या कर सकते हैं। राष्ट्रधर्म की शुरुआत संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में वैचारिक परिवर्तन लाने के लिए की थी, न कि आर्थिक लाभ के लिए।

सरकार्यवाह बुधवार को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन सभागार में आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रधर्म पत्रिका द्वारा आयोजित विशेषांक "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष" के विमोचन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। पत्रिका की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि 1948-49 के कठिन दौर से लेकर अब तक इस पत्रिका ने हिंदुत्व के विचार को समाज में पहुंचाने का कार्य किया। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पत्रिका का प्रकाशन नहीं रुका क्योंकि इसके पीछे संकल्प था, समाज को विचार और दृष्टि देना। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विनोद सोलंकी ने भी अपने विचार रखे। की आत्मा जागृत रही। कार्यक्रम में अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन, क्षेत्रप्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक कौशल, कैबिनेट मंत्री असीम अरुण, राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री संजय कुमार, आई.आई.एम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक राय, महापौर सुषमा खर्कवाल, राष्ट्रधर्म के निदेशक मनोजकांत, सर्वेश दिवेदी व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

वृद्धजनों को नहीं भरना होगा पेंशन फॉर्म

जीवित प्रमाण पत्र देने के लिए नहीं जाना पड़ेगा कार्यालय : असीम अरुण

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि वृद्धजनों को पेंशन पाने के लिए फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार के पास सभी का डेटा उपलब्ध है। इतना ही नहीं, सेवानिवृत्त कर्मियों को हर वर्ष जीवित प्रमाण पत्र के लिए विभाग या ट्रेजरी कार्यालय के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे।

समाज कल्याण मंत्री, समाज कल्याण विभाग व हेल्पएज इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार भागीदारी भवन में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसकी व्यवस्था कर रही है कि जैसे ही कोई व्यक्ति 60 वर्ष का होगा। उसकी पेंशन स्वतः बन जाएगी। आवश्यक दस्तावेज सीधे मोबाइल या नजदीकी साइबर कैफे से अपलोड किए जा सकेंगे। इस मौके पर असीम अरूण ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को वृद्धजनों का सम्मानित करने की शपथ भी दिलाई गयी।

वृद्धजन को सम्मानित करते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण।

राज्यकर्मियों को मिल सकता है बोनस

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार की तर्ज पर योगी सरकार ने भी उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों को बोनस देने की तैयारी में है। वित्त विभाग ने हरी झंडी दिखायी तो इस दीपावली पर राज्यकर्मियों के खाते में 3400 रुपये से 7000 रुपये तक की बोनस राशि आ सकती है। हालांकि, वित्त विभाग की ओर से मंजूरी लेने के बाद ही बोनस देने का डॉक्यूमेंट तैयार होगा। समझा जा रहा है कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक बोनस संबंधी आदेश जारी हो जाएगा।

हिट एंड रन के 9 मामलों में दी जाएगी प्रतिपूर्ति

अयोध्या कार्यालय

- जिला स्तरीय समिति की बैठक में दी गई स्वीकृति

अमृत विचार: हिट एंड रन मोटर एक्सीडेंट स्कीम-2022 के तहत जिले के नौ मामलों में प्रतिपूर्ति दिए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में बुधवार को हुई जिला स्तरीय समिति की बैठक में दी गई। एक मामले को त्रुटि के कारण रोक दिया गया। इस पर रिपोर्ट मांगी गई है।

भारत सरकार से सड़क दुर्घटना (हिट एंड रन) के मामलों में प्रतिपूर्ति दिए जाने की व्यवस्था है। इससे संबंधित आवेदनों पर विचार के लिए डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति की बैठक में कुल 10 मामले प्रस्तुत किए गए। समिति में विचार के बाद नौ मामलों में प्रतिपूर्ति दिए जाने की संस्तुति कर दी गई लेकिन एक मामले में तकनीकि कमी के चलते इसे रोक दिया गया। समिति सरोज पत्नी स्व. शिवराम निवासी सरायसागर महराजगंज, तहसील सदर से किए गए आवेदन को आवेदन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के नाम में अंतर के कारण रोक दिया।

पोस्टमार्टम में मृतक का नाम शिवकुमार लिख दिया गया है। इस पर रिपोर्ट मांगी गई है। इसके अलावा द्रोपदी निवासी ऐमी आलापुर तहसील सदर, सरोज कुमारी पत्नी स्व. प्रवीण कुमार निवासी इटवा भीटी अंबेडकरनगर, आनंद कुमार शुक्ल निवासी मोहम्मदपुर बेला बीकापुर, सीताराम निवासी परमानंदपुर तारून बीकापुर, नाजबानो निवासी जलालाबाद हरीपुर सोहावल, चंद्रावती निवासी दोस्तपुर रग्घूत तहसील सोहावल, प्रदीप कुमार निवासी सिधौना, कुमारगंज, गीतादेवी निवासी पिठला, कुमारगंज और राजपती निवासी ग्राम इनायतनगर तहसील मिल्कीपुर के आवेदनों को स्वीकृत करते हुए प्रतिपूर्ति दिए जाने का आदेश दे दिया गया। प्रतिपूर्ति के रूप में प्रत्येक को दो लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे।

डांडिया उत्सव

रामनगर में आयोजित डांडिया उत्सव में महिलाओं ने अपनी रंग-बिरंगी पोशाकों और उत्साहपूर्ण नृत्य से माहौल को जीवंत कर दिया। पारंपरिक गहनों और चमकीले लहंगों में सजी महिलाएं, डांडिया स्टिक्स के साथ तालमेल में थिरकती नजर आईं। उनकी ऊर्जा और उत्साह ने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल की थाप और लोक संगीत की मधुर धुनों पर नाचते हुए, उन्होंने संस्कृति और एकता का सुंदर संदेश दिया। यह उत्सव न केवल नृत्य का, बल्कि सामाजिक समरसता और खुशी का भी प्रतीक बन गया। ● अमृत विचार

20 कृषि उत्पादों को मिल सकता जीआई टैग

अमृत विचार : अपने क्षेत्र के विशेष आलू, रेवड़ी, लड्डू समेत 20 कृषि एवं खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों को जल्द जीआई टैग मिलेगा। लखनऊ की रेवड़ी, संडीला का लड्डू, मलवां का पेड़ा, फर्रुखाबाद का फुलवा आलू, सीतापुर की मूंगफली, कानपुर का ज्वार, रामपुर व बाराबंकी का मेंथा, गोरखपुर का पनियाल फल, मऊ का गुड़, बुलंदशहर की अरहर दाल समेत 20 कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलाने के लिए व्यापारी व एफपीओ ने चेन्नई स्थित मुख्यालय पर आवेदन किए थे। जिन्हें जीआई में पंजीयन कराने के लिए कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय में पत्राचार किया है। जल्द इनमें कुछ मानक पर खरा उतरने वाले उत्पादों को पंजीकृत किया जाएगा।

अमरोहा में बच्चों के विवाद में किसान की हत्या

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

रामपाल सिंह।

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद परिजन व ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रजबपुर थाना क्षेत्र में बच्चों के विवाद के बाद दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने कुल्हाड़ी से हमला कर किसान की हत्या कर दी। उसके भाई सहित तीन लोग घायल हो गए। परिजनों ने कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव बावनपुरा माफी में नत्थू सिंह और बलवीर के परिवार आस-पास रहते हैं। मंगलवार को दोनों परिवारों के बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। खेल-खेल में बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। बाद में बच्चों ने झगड़े की बात घर जाकर परिजनों को बताई। शाम को बलवीर सिंह ने अपने बेटे रवि, लक्ष्मण, राहुल और भटपुरा माफी गांव के रहने वाले रिश्तेदार विकास के साथ नाथू सिंह के बेटे जयप्रकाश, रामपाल सिंह, सोमपाल और धर्मेंद्र पर हमला कर दिया। धारदार हथियार और लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा।

मारपीट में जयप्रकाश सिंह, रामपाल सिंह, सोमपाल और धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में रामपाल सिंह (35) को मेरठ हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, लेकिन मेरठ ले जाते समय रामपाल सिंह की मौत हो गई। हमले में घायल धर्मेंद्र की हालत नाजुक बनी हुई है।

रामपाल का शव देर शाम घर पहुंचा तो परिजनों ने कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा काटा। देर रात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और आरोपियों पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने का आरोप लगाकर सड़क पर बैठने वाले थे तभी पुलिस पहुंची और कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि जयप्रकाश सिंह की तहरीर पर आरोपी रवि, श्रवण, राहुल, बलवीर और विकास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव में पुलिस की तैनाती की गई है।

पचास लाख की सुपारी और तंबाकू भरा लापता ट्रक बरामद

मुंढापांडे,अमृत विचार: कर्नाटक से दिल्ली जा रहा एक ट्रक, जिसमें लगभग पचास लाख रुपये की सुपारी और तंबाकू भरी हुई थी, रहस्यमयी तरीके से गायब हो गया। 12 तारीख के बाद ड्राइवर का मोबाइल बंद होने से मामला और संदिग्ध बन गया।

बुधवार को दिल्ली से आए लोगों ने जीपीएस की मदद से ट्रक को मुरादाबाद के दलपतपुर इलाके में एक फैक्ट्री से बरामद कर लिया। ट्रक में भरे माल को लेकर दो पक्षों ने दावेदारी ठोकी लेकिन कर विभाग की जांच में दोनों ही पक्ष वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके।

सुपारी टैक्स चोरी कर गलत तरीके से लाई गई थी। इस तरह का माल अक्सर श्रीलंका जैसे देशों से मंगाया जाता है।

दुष्कर्म के बाद हत्या कर फेंका था किशोरी का शव, शिनाख्त हुई

संवाददाता, कांठ

- अर्द्धनग्न अवस्था में 22 सितंबर को गन्ने के खेत में मिला था शव

अमृत विचार : 10 दिन पूर्व जंगल में मिले शव की शिनाख्त कर ली गई है। काशीपुर उत्तराखंड निवासी किशोरी के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव अर्द्धनग्न अवस्था में यहां फेंका गया था। उत्तराखंड पुलिस ने गुमशुदगी के 24 घंटे के अंदर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

22 सितंबर को थाना क्षेत्र के ग्राम बेगमपुर निवासी भोपाल सिंह के गन्ने के खेत में एक अज्ञात बालिका का शव अर्द्धनग्न अवस्था में मिला था। एएसपी अभिनव द्विवेदी व थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया था। कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे खंगालने व प्रयासों के बाद भी सुराग नहीं लग सका था। मां ने 15 वर्षीय बालिका के 10 सितंबर से लापता होने पर 29 सितंबर को कोतवाली कुंडा में मुकदमा पंजीकृत कराया था। उत्तराखंड वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीम ने साक्ष्यों के आधार पर 24 घंटे में जघन्य कांड का रहस्य उद्घाटन करते हुए मृतका की पहचान आरोपियों की भूमिका एवं साजिश का रहस्योद्घाटन किया। कोतवाली कुंडा पुलिस के उप निरीक्षक जे सी मिश्रा ने बताया कि नाबालिग बालिका मानसिक मंदित थी। जिसे आरोपी बहला फुसलाकर ले गए और दुष्कर्म के बाद हत्या कर कांठ क्षेत्र के जंगल में डाल दिया गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में साक्ष्य के आधार पर इमरान(32) थाना कुंडा, इस्लाम(30) निवासी नन्नू वाला ठाकुरद्वारा मुरादाबाद हाल निवासी कुंडा उत्तराखंड, असगर(35) उर्फ नन्हे निवासी जमशेदपुर गजरौला हाल निवासी कुंडा समेत मीनाक्षी (33) निवासी लेदरपुर पर गावड़ी थाना शेरकोट बिजनौर, शीला(35) सुभाष नगर कोतवाली काशीपुर को साजिश में शामिल होने पर गिरफ्तार कर लिया है।

50 हजार की रिश्वत लेने वाला टैक्स इंस्पेक्टर भेजा जेल

बरेली, अमृत विचार : गृह और सीवर कर का गलत बिल आने पर उसे संशोधित करने के बदले में 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने वाले नगर निगम के जोन-दो में तैनात टैक्स इंस्पेक्टर तुषार श्रीवास्तव को बुधवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बारादरी क्षेत्र के संजय नगर निवासी विजय कुमार चन्द्रा ने एंटी करप्शन से शिकायत कर आरोप लगाया था कि उनके गृह कर, जल कर और सीवर कर के गलत बिल आ गए थे। जिसे संशोधित करने के बदले में मोहन भवन के पीछे रेलवे कालोनी मोहल्ला निवासी टैक्स इंस्पेक्टर तुषार श्रीवास्तव 50 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत का संज्ञान लेकर टीम गठित की गई। एंटी करप्शन इंस्पेक्टर इश्तियाक वारसी ने टीम के साथ जाल बिछाया। मंगलवार को जैसे ही उसने पीड़ित से रिश्वत के 50 हजार रुपये लिए कि टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी से पूछताछ के बाद उसे बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

शारदा का कहर, प्रशासन मूकदर्शक

दौलतापुर में नदी में समा रहे खेत, खलिहान और मिट्टी के साथ खड़ी फसलें

संवाददाता, पलियाकलां

कटान करती शारदा नदी से खौफजदा खड़े दौलतापुर के किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पलिया-भीरा के बीच बसे गांव दौलतापुर के किसानों के लिए शारदा नदी काल बनकर टूट पड़ी है। रेल लाइन से महज दो जरीब की दूरी पर बह रही नदी अब तक आठ से अधिक किसानों की उपजाऊ जमीन निगल चुकी है। खेत, खलिहान और खड़ी फसलें मिट्टी के साथ नदी में समाती जा रही हैं, लेकिन दुःख की बात यह है कि इस भयावह कटान के बीच प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है।

स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि शारदा नदी का यह तांडव नया नहीं है। बरसों पहले बरुआ कला, छोटा बरुआ और बोझवा जैसे हरे-भरे गांव नदी के कटान में जमींदोज हो गए थे। तब भी प्रशासन केवल तमाशबीन बना रहा था। अब वही हाल दौलतापुर का हो रहा है। आज नदी खेतों को निगल रही है, कल बस्तियां भी खतरे में होंगी। नदी की धारा रेल लाइन की ओर तेजी से बढ़ रही है। ग्रामीणों ने चेताया है कि अगर तत्काल पुख्ता इंतजाम न किए गए तो न केवल किसानों की जमीनें बल्कि रेल यातायात भी प्रभावित होगा।

प्रशासनिक लापरवाही पर ग्रामीणों का गुस्सा: ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन और सिंचाई विभाग को कटान की जानकारी दी गई, लेकिन अधिकारी हर बार केवल कागजी खानापूर्ति कर चलते बने। न कोई सुरक्षा बांध बना, न ही कोई कटाव रोधी कार्य शुरू हुआ। आलम यह है कि अगर नदी इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दौलतापुर का अस्तित्व भी मानचित्र से मिट जाएगा।

फसल काटकर पशुओं को खिला रहे किसान

पूर्व प्रधान हीरालाल, परमेश्वर, हरिश्चंद्र, राजेश कुमार, मंगतराम, सियाराम, विजयपाल, सूरजपाल, संतोष और सुरेश जैसे किसानों की खड़ी फसलें नदी ने अपने आगोश में ले ली हैं। किसानों का कहना है कि धान और गन्ने की फसल अब कटान के डर से खेत में नहीं बच रही, वे इसे समय से पहले काटकर पशुओं को खिला रहे हैं। यह उनकी बेबसी और टूटते हौसले की तस्वीर है।

शत्रु संपत्तियों की नीलामी शुरू, बरेली में भी होगी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● पीलीभीत सहित 6 जनपदों में 65 संपत्तियों की नीलामी को जारी हुई सूचना

अमृत विचार : शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय ने अचल शत्रु संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिले में भी कृषि से संबंधित शत्रु संपत्तियों का सत्यापन होने के साथ उनकी डिटेल पोर्टल पर अपलोड कर दी है। अभी पीलीभीत सहित छह जनपदों की 65 संपत्तियों की नीलामी शुरू की गयी है। जल्द ही बरेली की संपत्तियों की नीलामी शुरू होगी। तहसील सदर क्षेत्र में सर्वाधिक संपत्तियां हैं, जिन्हें नीलामी में लेकर लोग अपना बेहतर कारोबार भी कर सकते हैं।

गृह मंत्रालय के अधीन शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय ने पीलीभीत की छह अचल शत्रु संपत्तियां, अयोध्या की छह के साथ उन्नाव की सर्वाधिक संपत्तियों की नीलामी शुरू करायी है। दरअसल, जनपद में शत्रु संपत्तियों का सत्यापन कराया जा रहा है। राजस्व विभाग, निबंधन, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम कार्यालय की टीम संयुक्त रूप से कार्य कर रही है। कुछ दिन पूर्व एडीएम सिटी सौरभ दुबे की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि 212 शत्रु संपत्तियों में से 123 संपत्तियों के वेस्टिंग आर्डर प्राप्त हुए हैं। इन सभी संपत्तियों का अमलदरामद अभिरक्षक शत्रु संपत्ति भारत सरकार मुंबई के नाम करा दिया गया है। 123 संपत्तियों के सापेक्ष 91 की डीवीसी करा ली है। 32 संपत्तियों की डीवीसी बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है, जबकि 89 संपत्तियों के अमलदरामद के लिए शत्रु संपत्ति कार्यालय लखनऊ से वेस्टिंग आर्डर प्राप्त करने के लिए पत्र भेजा गया है। सभी संपत्तियों की डीवीसी हो जाएगी, उसके बाद रिपोर्ट शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय भेजी जाएगी।

छठ-दिवाली पर तत्काल सीटों और स्पेशल ट्रेनों से आसान होगा सफर

बरेली, अमृत विचार: रेलवे ने त्योहारों पर यात्रियों के लिए बड़ी राहत दी है। उत्तर रेलवे ने स्पेशल ट्रेनें चलाने के साथ तत्काल कोटे में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध कराई हैं। त्योहार पर सबसे ज्यादा मांग दिल्ली, मुंबई और बिहार रूट पर बनी हुई है। इन रूटों पर नियमित ट्रेनों में काफी समय से लंबी वेटिंग चल रही है।

मुरादाबाद मंडल के अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के समय यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और उन्हें सुगम यात्रा उपलब्ध कराने के लिए इस बार 48 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये ट्रेनें पूर्वांचल, बिहार, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों के लिए संचालित होंगी।

लखनऊ मेल और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में भी सीटों की उपलब्धता बढ़ाई गई है। वहीं मंडल से चलाई गई 48 स्पेशल ट्रेनों में करीब चार हजार सीटें तत्काल कोटे में उपलब्ध कराई गई हैं। इससे यात्रियों को काफी सुविधा होगी। सबसे ज्यादा वेटिंग दिल्ली, मुंबई और बिहार रूट की ट्रेनों में है। कामकाजी और प्रवासी यात्रियों की बड़ी संख्या इसी दिशा में सफर करती है। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने यात्रियों ने कहा कि तत्काल कोटे की सीटें भी तेजी से भर रही हैं। इसके अलावा जिन यात्रियों को नियमित ट्रेनों में टिकट नहीं मिल पा रहा है, वे स्पेशल ट्रेनों का विकल्प चुन सकते हैं।

कार्यालय ग्रा.पं. जगतुआ विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक,सरिया,एंगिल, रोडाञ्च आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जगतुआ विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	डम्बर सिंह के मकान से वीरपाल के घर तक सीसी नि. कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.
2.	मुनेंद्र के घर से हरज्ञान के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

कार्यलय ग्रा.पं. नौना विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत नौना विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	उदयवीर के घर से फिल्टर चैम्बर तक नाला मरम्मत कार्य	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

कार्यलय ग्रा.पं. मियां पुर दियौरा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 01.10.2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत मियां पुर दियौरा विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 04.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	गीता देवी के घर से बोहरन के घर तक सीसी व नाली नि. कार्य	प्रा. के अनु.
2.	आर्येन्द्र के घर से बलवीर पंकज के रास्ते तक सीसी व नाली निर्माण कार्य, सैदसराय	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

डीएम ने पेंशनर्स को माल्यार्पण और शॉल देकर किया सम्मानित

पेंशनर्स को सम्मानित करती डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● वरिष्ठ नागरिक दिवस पर कलेक्ट्रेट में पेंशनरों का हुआ सम्मान

अमृत विचार: वरिष्ठ नागरिक दिवस पर बुधवार को जिला प्रशासन के तत्वावधान में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, प्रशिक्षु आईएएस मनीषा, पीडी एसएन चौरसिया, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह और डीएसडब्लूओ वंदना सिंह के साथ सेवानिवृत्त पेंशनर्स को माल्यार्पण एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया।

डीएम ने कहा कि वरिष्ठजन समाज और नई पीढ़ी के पथ प्रदर्शक हैं। उनका अनुभव घर-परिवार की नींव को मजबूत करने के साथ समाज को सही दिशा दिखाता है। प्रशिक्षु आईएएस मनीषा ने वरिष्ठ नागरिकों को असली पूंजी बताया और उनके अनुभव को समाज और युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन कहा।

पटाखा बाजार : असमंजस में कारोबारी लाइसेंस नवीनीकरण की प्रकिया अटकी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● दिवाली नजदीक, बिना लाइसेंस स्टॉक भी नहीं रख सकते कारोबारी

अमृत विचार: दिवाली त्योहार नजदीक आ रहा है और बड़ी संख्या में पटाखा कारोबारियों के थोक लाइसेंस की नवीनीकरण प्रकिया अटकी हुई है। कुछ में तहसीलों से तो कुछ में पुलिस की जांच रिपोर्ट मुख्यालय नहीं पहुंची है। लाइसेंस धारक कलेक्ट्रेट के चक्कर काट रहे हैं। उन्हें रिपोर्ट आने के बाद नवीनीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ने का आश्वासन दिया जा रहा है। नये लाइसेंस के आधा दर्जन से अधिक प्रस्ताव भी अटके हैं। वहीं, कारोबारियों की दुकानों, गोदाम और लाइसेंस का सत्यापन भी फंसा है।

कुछ दिन पहले नगर मजिस्ट्रेट, एसडीएम, एसीएम व समस्त सीओ को जिलाधिकारी की ओर से लिखे गए पत्र के साथ लाइसेंसधारकों की सूची भी भेजी थी। इसमें पटाखों के थोक व निर्माण के लाइसेंस व लाइसेंसधारक की पूरी जानकारी दी गयी। उस रिपोर्ट के अनुसार जिले में 59 थोक पटाखा लाइसेंस और 4 थोक व निर्माण के लाइसेंस हैं। सखावत हुसैन पुत्र सादिक हुसैन निवासी भगवानपुर धीमरी के निर्माण और थोक लाइसेंस का नवीनीकरण होना है। इनके अलावा हाफिज अहमद पुत्र महमूद अहमद निवासी मोहल्ला मिर्धान फरीदपुर, कदीर अहमद पुत्र लतीफ अहमद निवासी मोहल्ला बजरिया थाना आंवला, शंभू दयाल पुत्र बाबू राम निवासी मोहल्ला कहारान थाना नवाबगंज, बीनू गंगवार पत्नी स्व. मुनेंद्र सिंह निवासी राजीव कालोनी, सरताज पुत्र सज्जाद निवासी एजाज नगर गौटिया थाना बारादरी के लाइसेंस के संबंध में एसडीएम की जांच आख्या मुख्यालय तक नहीं पहुंची है। साथ ही छह से सात लाइसेंस ऐसे हैं जिनके लाइसेंस के नवीनीकरण की प्रक्रिया विचाराधीन है। कई लाइसेंस धारक कलेक्ट्रेट के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन निराशा हाथ लग रही है। वहीं, जिम्मेदार अधिकारी कह रहे हैं कि सत्यापन प्रक्रिया की रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी।

अस्थायी लाइसेंस बनवाने को सिफारिशों का दौर शुरू

बरेली शहर और नगर पालिका व नगर पंचायत क्षेत्रों में दिवाली पर तीन दिन के लिए लगने वाली पटाखों की दुकानों के लिए अस्थायी लाइसेंस नगर मजिस्ट्रेट, एसडीएम और एसीएम के स्तर से जारी किए जाते हैं। शहर में आठ स्थानों पर पटाखा बाजार सजेगा। इन बाजारों में दुकानें लगाने के लिए लाइसेंस बनवाने को दुकानदारों ने जनप्रतिनिधियों से सिफारिश करानी शुरू कर दी है।

शहर शांत रखने को तौकीर भेजा गया फतेहगढ़ जेल

बरेली, अमृत विचार : मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद आरोपी आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा खां को गिरफ्तारी बाद माहौल शांत करने के लिए आनन-फानन में बाहर की जेल में शिफ्ट करने का फैसला लिया गया था।

कार्यलय थाना प्रेम नगर जनपद बरेली

नीलामी सूचना

थाना प्रेमनगर बरेली पर दिनांक 8.10.25 को 16 वाहनों की नीलामी है। इच्छुक रजिस्टर्ड जीएसटी नंबर के साथ कबाड़ी दिनांक 8.10.25 को समय 10:00 बजे थाना प्रांगण में उपस्थित हो अन्य शर्तें एवं विवरण थाना उपस्थित आकर देखे जा सकते हैं। ई-निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

प्रभारी निरीक्षक
थाना प्रेमनगर, जनपद बरेली।

जन्म-मरण से मुक्त होने को भक्ति जरूरी

संवाददाता, सिंगाही/बेलरायां

कार्यक्रम के दौरान शक्ति स्वरूपा कन्याओं के साथ श्रद्धालु। ● अमृत विचार

● बालव्यास अंशिका देवी ने सुनाई श्रीमद्भागवत कथा

अमृत विचार: गांव सिंगहां खुर्द में मां दुर्गा सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का बुधवार को विधि विधान से समापन हुआ। कथा के उपरांत हवन-यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और जयकारे गूंज उठे।

कथा व्यास बालव्यास अंशिका देवी जी ने प्रवचन देते हुए कहा कि आत्मा को जन्म-मरण के बंधन से मुक्त करने के लिए भक्ति व सत्कर्म आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यज्ञ से वातावरण शुद्ध होने के साथ व्यक्ति में धार्मिक आस्था व आत्मबल जागृत होता है। श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य के जीवन में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का भाव उत्पन्न होता है। मुख्य यजमान यशोदा नंद मिश्र ने प्रसाद का महत्व बताते हुए कहा कि यह प्रभु के आशीर्वाद का प्रतीक है और जीवन में प्रसाद का अपमान करना ईश्वर का अपमान करने जैसा है।

कार्यक्रम में राम कैलाश सोनी, पूर्व चेयरमैन प्रदीप पुरवार, पूर्व प्रधान दुर्गा प्रसाद वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम अध्यक्ष वीरेंद्र निशाद ने बताया कि गुरुवार को रामलीला व कृष्णलीला का समापन रावणवध के साथ होगा। इस अवसर पर शिव शंकर तिवारी, यज्ञाचार्य प्रयागदत्त शास्त्री, रवि सोनी, निर्दोष शुक्ला, एडवोकेट रजनीश जायसवाल, डॉ. संतोष वर्मा, जमुना प्रसाद लोधी, जंगबहादुर यादव समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बरोसी पूजा में आठ किमी की परिक्रमा 40 मिनट में लगी

संवाददाता, बरवर

अमृत विचार: नवरात्रि के समापन पर देवी स्थान स्थित श्री जगदम्बा माता मंदिर से परंपरागत जलती बरोसी पूजा नगर की परिक्रमा करते हुए पूरी की गई।

श्री देवीस्थान जीर्णोद्धार प्रबंध समिति के आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक मुरादपुर निवासी पंडा पंकज ने जलती बरोसी लेकर पूरे नगर की लगभग 8 किलोमीटर की परिक्रमा 40 मिनट में पूरी की। उससे पहले पंडित प्रेमबाबू शर्मा ने मंदिर परिसर में हवन पूजन आदि धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराया। बरवर में जलती बरोसी की परिक्रमा पूजा सैकड़ों वर्षों से चलती आ रही है। बरोसी पूजा में शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होने के लिए आते हैं। श्रद्धालुओं पर बरोसी यात्रा मार्ग में पुष्प वर्षा की। इस दौरान एसडीएम मोहम्मदी, एएसपी पश्चिमी अमित कुमार राय, सीओ मोहम्मदी समेत कई थानों की पुलिस मौजूद रही।

बरोसी लेकर परिक्रमा लगाते पंडा और श्रद्धालु, साथ में मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य
गंगा सिंचाई भवन, तेलीबाग
लखनऊ।

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-06/द्वादशम्/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन http://etender.up.nic.in के माध्यम से निम्न कार्य हेतु निविदा दिनांक 09.10.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी टेक्निकल बिड दिनांक 09.10.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे अधीक्षण अभियन्ता, द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य, लखनऊ के कार्यालय में ऑनलाइन खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 04.10.2025 की पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक 09.10.2025 की अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने पर बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। निविदा नोटिस एवं प्रपत्र की जानकारी http://idup.gov.in पर उपलब्ध होगी।

लॉट सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (GST रहित) (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 में (जी0एस0टी0 सहित)	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी	कार्य से सम्बन्धित खण्ड का नाम
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	जनपद लखीमपुर-खीरी में गिरिजा बैराज के दायें अफलक्स बंध के किमी0 0.000 से किमी0 8.550 तक निर्मित मेटल्ड रोड के नवीनीकरण का कार्य।	148.32	2.97	45 दिवस	रू0-4466.00 (3784.00+682.00)	"ए" अथवा उच्च	सिंचाई खण्ड, शारदानगर, लखीमपुर-खीरी।
2.	शारदा सहायक पोषक नहर के बायें बैंक के किमी0 119.680 से किमी0 125.258 तक गड्ढामुक्ति एवं किमी0 125.300 से किमी0 140.936 तक सेवामार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	252.92	5.06	45 दिवस	रू0-5700.00 (4830.00+870.00)	"ए" अथवा उच्च	सिंचाई खण्ड, लखनऊ।

अधीक्षण अभियन्ता
द्वादशम् मण्डल सिंचाई कार्य
लखनऊ।

UP-238395 दिनांक 30.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-बरेली।
कार्यालय का पता :-विकास भवन, बरेली।
(ई-प्रोक्योरमेन्ट अतिअल्पकालीन निविदा सूचना)

पत्रांक :-1845/ग्रा0अ0वि0/निविदा/2025-26/दिनांकः- 24.09.2025

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है :-

1. तालिका के अनुसार कार्यों का विवरण :-

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (बिड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
01	बरेली	पर्यटन स्थल यक्ष सरोवर (लीलौर झील) का पुर्नउद्यार/निर्माण (वि0नि0-रामनगर)	13.580	27200.00	854.00	03 माह
02	बरेली	लिलौर झील के किनारे 12.6X24 फीट साइज़ के कॉटेज का निर्माण कार्य (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	13.580	27200.00	854.00	03 माह
03	बरेली	लिलौर झील (यक्ष सरोवर) में पॉली हाउस पर्यटन केंद्र की रोड साइड की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य। (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	12.170	24400.00	854.00	03 माह
04	बरेली	लिलौर झील (यक्ष सरोवर) में ट्रेन यार्ड अन्य प्रसाधन सुविधा केन्द्रों की चारदीवारी एवं लिंक फेंसिंग कार्य। (क्रिटिकल गैप्स-रामनगर)	14.250	28500.00	854.00	03 माह

2. आनलाइन निविदा उपलब्धता का दिनांक : 03-10-2025
3. आनलाइन निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 13-10-2025 मध्याहन 12.00 बजे तक
4. आनलाइन निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 13-10-2025, अपरान्ह 12.30 बजे तक
5. अधोहस्ताक्षरी को आई वी टी क्लाज 9 के अनुसार अपरिहार्य परिस्थिति मे निविदा में आनलाइन संशोधन पत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा ,जिसकी जानकारी आनलाइन प्राप्त की जा सकेगी, अतएव समस्त निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि नियिमित रूप से निविदा पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

अधिक जानकारी के लिये https://etender.up.nic.in लागिन करें एवं बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करें।
नोट :- उपरोक्त समस्त निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड-बरेली।

UP-238436 दिनांक 30.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

रावण वध से पहले यातायात व्यवस्था धड़ाम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● मेला रोड पर लगा भीषण जाम, ट्रैफिक पुलिस नदारद, जाम में फंसी एंबुलेंस

● अफसरों की फटकार पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस, दो घंटे बाद हट सका जाम

मेला मैदान में लगे जाम में फंसी एंबुलेंस। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रावण पुतला दहन का लेकर पुलिस की सारी तैयारियां ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही के कारण पुतला दहन से चार घंटे पहले धड़ाम हो गईं। मेला रोड पर ट्रैफिक न रोके जाने और डायवर्जन न करने से भीषण जाम लग गया। जाम में मरीज को लेकर जा रही एक एंबुलेंस भी फंस गई। अफसरों की फटकार के बाद मौके पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर जाम खुलवाया और बैरिकेडिंग लगाकर रास्ते को बंद किया।

मेला मैदान में शहर की ऐतिहासिक रामलीला चल रही है। मंगलवार को एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह ने प्रशिक्षु आईपीएस सीओ सिटी विवेक तिवारी के साथ मेले की सुरक्षा व्यवस्था और रावण दहन का लेकर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया था। साथ ही ड्यूटियां और रूट प्लान भी देखा था। प्रशासन ने सारी व्यवस्थाएं चाक चौबंद होने का दावा किया था, लेकिन ट्रैफिक पुलिस की जरा ही लापरवाही ने पुलिस और प्रशासन की सारी तैयारियों पर पानी फेर दिया। यातायात पुलिस ने दोपहर बाद तक इस मार्ग पर बेरीकेडिंग नहीं की और न ही वाहनों का रूट डायवर्जन किया। नतीजतन धीरे-धीरे बढ़ी भीड़ और वाहनों के कारण मेला मैदान में रावण के पुतले के दहन से करीब चार घंटे पहले ही भीषण जाम लग गया। जाम में मरीज को लेकर जिला अस्पताल मोतीपुर जा रही एक एंबुलेंस भी फंस गई। लोग घंटों जाम से जूझते रहे। सोशल मीडिया पर जाम की फोटो वायरल होने पर अफसर हरकत में आए और ट्रैफिक पुलिस को फटकार लगाई। इसके बाद मौके पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस ने जैसे तैसे एंबुलेंस को तो जाम से पास कराया, लेकिन वाहन घंटों जाम में रेंगते नजर आए। एएसपी पवन गौतम ने बताया कि कुछ देर के लिए जाम लग गया था। यातायात पुलिस ने जाम खुलवा कर भीड़ को देखते हुए बेरिकेडिंग की और रावण दहन के बाद तक मेला मैदान से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 51 हजार रुपये ठगे

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: नौकरी दिलाने के नाम पर शहर के एक युवक से 51 हजार रुपये ठग लिए गए। पीड़ित ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला किशोर नगर कॉलोनी पिपरिया निवासी अमरपाल सिंह ने बताया कि उनकी कॉलोनी के ही एक युवक से जान पहचान थी, जिसने उनके पुत्र हर्षित सिंह को नौकरी दिलाने का वादा किया और कहा कि उसके रिश्तेदार दिल्ली में एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ब्रांच में टोपे नगर कानपुर में मैनेजर हैं, जहां एकाउंटेंट की जगह खाली है। यदि अपने पुत्र को काम कराना चाहो तो भेज दो। कंपनी में अच्छी सैलरी मिलेगी। विश्वास में आकर उन्होंने बेटे हर्षित सिंह को 31 अगस्त 2025 को बुलाए गए पते पर भेजा, जहां कंपनी के सेल्स अधिकारी सुबोध कुमार ने इंटरव्यू लिया। इसके बाद कहा कि उसका चयन हो गया है। उससे कंपनी के सामान और रहने खाने एवं रजिस्ट्रेशन की सिक्योरिटी जमा कराने के नाम पर 30 हजार रुपये नकद और 21 हजार रुपये ऑनलाइन ले लिए।

अमृत विचार

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाय, गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।

–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

उम्मीदों का रोडमैप

अगले साल से 'समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश-2047' का विजन-डॉक्यूमेंट विधिवत लागू होने का समाचार उम्मीद जगाने वाला है। सरकार ने निर्णय लिया है कि वह मौजूदा 9 प्रतिशत की विकास-दर को बढ़ाकर 16 प्रतिशत की वार्षिक विकास-दर हासिल करेगी और 2047 तक औसतन इसी 16 प्रतिशत की दर बनाए रखेगी, ताकि छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त हो और उत्तर प्रदेश देश की कुल जीडीपी में 20 प्रतिशत का योगदान दे सके। वर्तमान में लगभग 353 बिलियन डॉलर की जीडीपी को 6 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाना आकाश-कुसुम प्रतीत होता है, पर विजन और प्रतिबद्धता के दम पर क्या नहीं हासिल किया जा सकता और इस सरकार में वे दोनों तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं।

विभिन्न सूचकांकों के आधार पर उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पहले स्थान पर आने के लिए उसे तमिलनाडु और महाराष्ट्र को पीछे करना होगा। व्यापार में सुगमता के मानक पर सूबा देश में दूसरे स्थान पर है, सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में 11 पायदान की छलांग लगाकर अब 18वें स्थान पर आ चुका है। निर्यात-तैयारी सूचकांक में राज्य ने सातवां स्थान प्राप्त किया और सुशासन सूचकांक में साल दर साल सुधार देखा गया है। बुनियादी ढांचे के विकास पर होने वाले व्यय के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है और राज्य में प्रति-व्यक्ति आय में 23 प्रतिशत की वृद्धि से जनता में भी उत्साह है। विगत आठ वर्षों की सरकारी सक्रियता उसके मनोबलवर्धक दावे में दम भरती है कि 2030 तक राज्य कृषि निर्यात में देश का अगुवा बनेगा, रूस, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे वैश्विक कृषि निर्यातकों की श्रेणी में शामिल होगा और वैश्विक कृषि जगत के लिए रोल-मॉडल बनकर उभरेगा। हाल के वर्षों में राज्य ने आर्थिक और शासन दोनों ही क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार दिखाए हैं, खासकर बुनियादी ढांचे के विकास और ई-गवर्नेंस में, परंतु सामाजिक और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता बनी हुई है, जहां राज्य कई सूचकांकों में निचले पायदान पर है।

फिलहाल, वर्तमान कार्ययोजना का मसौदा 30 नवंबर को मुख्यमंत्री के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। अनुमोदन के पश्चात दिसंबर में यह रोडमैप लागू करने के लिए तैयार होगा और अगले ही महीने वे 12 सेक्टर्स, जिन्होंने लाखों सुझावों के आधार पर अपने-अपने कार्यक्रम पहले ही तैयार कर लिए हैं, इन पर काम शुरू कर देंगे। विचारों को कार्यप्रणाली में बदलने की यह तेज रफ्तार बताती है कि सरकार अपने लक्ष्यों के प्रति कितनी प्रतिबद्ध, आश्वस्त और उत्साहित है। सरकार ने क्रांतिकारी बदलाव करने का मन बनाया है, पर क्या धन भी पर्याप्त है? इस प्रश्न का उत्तर अगले माह प्रस्तुत होने वाले सालाना बजट से स्पष्ट होगा, जब चयनित 12 प्राथमिक सेक्टरों के बजटीय आवंटन देखने को मिलेगा। फिलहाल, इन सकारात्मक विकासोन्मुख परिस्थितियों में यदि 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047' लागू होता है तो लक्ष्य की संभावनाएं निस्संदेह बलवती होंगी।

महात्मा गांधी का रामराज्य और उसकी सार्थकता

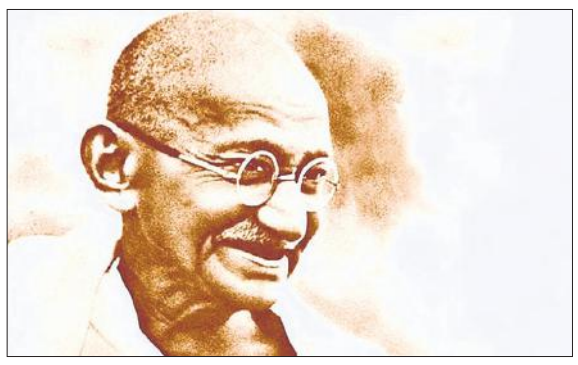

रमा निवास तिवारी

लेखक

गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य अहिंसा प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा। गांधी जी ने जिस रामराज्य की कल्पना की थी, वह वास्तव में धर्मराज्य था। उन्होंने सोचा था कि उनके भारत में धर्मानुसार लोग आचरण करेंगे, धर्मसम्मत जीवन से उनका आशय मर्यादित, संयमित और सदाचारित जीवन निर्वहन से था। रामराज्य की उनकी संकल्पना के मूल में भगवान श्रीराम का मर्यादित जीवन था।

गांधी जी ने लोगों से रामराज्य के निर्माण की अपेक्षा तो की, किंतु उनको लगा कि इस रामराज्य जैसे शब्द पर सनातन से इतर धर्मावलंबियों को एतराज न हो, तो वह रामराज्य के बजाय धर्मराज्य की स्थापना का आग्रह लोगों से करने लगे। वास्तव में महर्षि बाल्मीकि के कथन 'रामो विग्रहवान धर्मः' को अंगीकार करते हुए गांधी जी ने राम को साक्षात धर्म का विग्रह मानकर रामराज्य को धर्मराज्य कहना आरंभ किया। गांधी जी मानते थे कि राम जी ने जैसा जीवन जिया, सामाजिक एवं पारिवारिक संबंधो को जैसे निभाया, वह सब मर्यादा की परिधि में रहकर धर्म से अनुप्राणित था।

गांधी जी एक शब्द स्वराज का प्रयोग किया करते थे, यह शब्द राजनीतिक बिल्कुल भी नहीं था, गांधी जी इसे राष्ट्र में प्रतिष्ठित करना चाहते थे, किंतु राजनयिकों ने उसे राजनीति में प्रतिष्ठित कर दिया। इसीलिए गांधी जी को स्वराज शब्द की व्याख्या करने पर विवश होना पड़ा। गांधी जी ने एक स्थान पर लिखा है कि उनके स्वराज शब्द का अभिप्राय रामराज्य से है, उन्होंने लोगों को यह खुली छूट दे रखी थी कि लोग रामराज्य को धर्म राज्य भी मान सकते हैं।

उन्हें यह बिल्कुल भी मंजूर नहीं था कि रामराज्य को राम से पृथक करके देखा जाए। गांधी जी अपने रामराज्य के प्रति इस बात को लेकर आग्रही थे कि यहां के लोग अपनी मूल संस्कृति में अवस्थित होकर अपने चरित्र का विकास करें। जिस समय गांधी जी देश में काम कर रहे थे, उस समय ईश्वर की उपासना के अलग-अलग मार्ग चलन में थे। कुछ पंथ और कुछ धर्म ऐसे भी अस्तित्व में थे, जो राम को ईश्वर मानने को तैयार नहीं थे, लिहाजा बापू को अपने रामराज्य से सभी को जोड़ने की कवायद में रामराज्य को शब्दांतर करके धर्मराज्य और स्वराज जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा।

गांधी जी ने इस देश में राम राज्य की संकल्पना ही क्यों की? क्यों उन्होंने किसी और राजा के राज्य की कल्पना को अपने करीब उपस्थित भी होने नही दिया? यह बड़ा प्रश्न है। राम जी के पूर्वजों का कितना गौरवशाली अतीत था। गांधी जी के मन में कभी मनु राज्य, इक्ष्वाकु राज्य, दशरथ राज्य की संकल्पना क्यों नहीं पनपी? शायद राष्ट्र पिता के मन में यह बात आई होगी कि जो अपनी ही सत्ता को सुरक्षित करने में लगा हो, वह रामराज्य नहीं हो सकता। रामराज्य की तो विशेषता ही यही है कि वहां दूसरों की गद्दी पहले ठीक की जाती है फिर अपने सिंहासन की परवाह की जाती है।

भगवान राम ने पहले केवट को निहाल किया, फिर किष्किन्धा की गद्दी सुग्रीव के हवाले की। उसके बाद विभीषण को लंकेश बनाया तब जाकर कहीं खुद अयोध्या की गद्दी पर आसीन हुए। गांधी जी की दृष्टि में रामराज्य वह है, जहां त्याग की भावना है। दूसरे के सुख के लिए अपने सुखों का त्याग कर देने की हिम्मत हो। भगवान राम ने पिता के वचनों को निभाने के लिए अयोध्या की गद्दी छोड़ी, तो केवट ने भगवान राम को गंगा पार कराकर अपनी मजदूरी का परित्याग किया।

शायद बापू को यह बात जंची होगी कि राम राजा के पुत्र थे। उनके पास राज्य था तो उन्होंने राज्य का त्याग किया। किंतु उस केवट के त्याग की सराहना होनी चाहिए, जिसके पास दो टाइम के खाने का जुगाड़ भी नही था। उसने धर्म के पथ पर चल निकले राम के समर्थन में अपनी मजदूरी का त्याग किया। गांधी जी की दृष्टि से रामराज्य को देखें तो भगवान राम के अश्वमेध यज्ञ में नारी सम्मान और स्त्री आदर के दर्शन होते हैं। अश्वमेध यज्ञ में सीता के न होने पर सीता की प्रतिमा के द्वारा भगवान राम ने यज्ञ संपन्न किया, जबकि वह समय ऐसा था, जब राजा लोग कई-कई रानियां रखते थे। राम चाहते तो एक और विवाह करके दूसरी पत्नी के साथ मिलकर अश्वमेध यज्ञ कर सकते थे। नारी के प्रति सम्मान और उसके उद्धार की दृष्टि राम राज्य के इस प्रसंग में नजर आती है।

गांधी जी शायद इस वजह से भी रामराज्य के आकांक्षी थे, क्योंकि रामराज्य में सत्ता और सरकारें अपनी बात जनता को समझाने में कम भरोसा रखती थीं, बल्कि जनता के मन की बात को समझने का प्रयास करती थीं। भगवान राम ने एक रजक की इच्छा को सम्मान देकर अपनी प्राणप्रिया सीता का निर्वासन तक कर दिया। रामराज्य का विश्वास तो देखिए, जिस राम ने बालि को बाण मारा, बालि उन्हीं राम की गोद में अपने पुत्र अंगद को डाल देता है कि अब इसकी जिम्मेदारी आपकी है।

रामराज्य तब स्थापित होता है जब अपने दुःख से बड़ा दुख दूसरे का जान पड़ने लगे। राम जी की पत्नी सीता का अपहरण हो चुका था, जब सुग्रीव ने अपनी पत्नी के बारे में बताया कि बालि ने उसकी पत्नी को अपने साथ रख लिया है, तो राम जी सीता जी का अन्वेषण बाद में कराते हैं, पहले सुग्रीव की पत्नी उसे दिलाते हैं। उन्होंने सुग्रीव के दुःख को अपने दुःख से बड़ा माना। गांधी जी मानते थे, जब अधिकार से ज्यादा महत्व लोग कर्तव्य को देंगे तो रामराज्य स्थापित होगा। रामराज्य तब आएगा, जब सभी लोग अपने हिस्से के सुख का त्याग दूसरों के लिए करेंगे।

> गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा।

आमने

पूरी दुनिया दिल्ली आ गई थी, यह कहने कि युद्ध मत शुरू कीजिए। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, हमले के कुछ ही दिन बाद दिल्ली आईं और प्रधानमंत्री व मुझसे मिलीं। उन्होंने भी कहा कि आप प्रतिक्रिया न दें। मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था, लेकिन फैसला सरकार को लेना था।

–पी चिदंबरम, पूर्व गृहमंत्री

सामने

सोनिया गांधी की मंडली और तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारत के नागरिकों के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाता है। आतंकवाद किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। –रामेश्वर शर्मा

भाजपा विधायक, मध्य प्रदेश

दशहराः कॉर्पोरेट और प्रबंधन की कला

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी

दशहरे का पर्व हमें यह संदेश देता है कि बुराई चाहे जितनी भी बड़ी हो, अंततः उसका नाश होता है। यह पर्व हमें समाज, कार्यस्थल और व्यक्तिगत जीवन में अच्छाई के महत्व को समझाने का अवसर भी प्रदान करता है। रामायण के प्रसंगों से निकली सीखों को आज के कार्य स्थलों में व्यावहारिक दृष्टिकोण से लागू किया जा सकता है। राजा दशरथ के लिए अपनी पत्नी कैकई के दबाव में राम जी को वनवास भेजने का निर्णय एक अत्यंत कठिन निर्णय था, जो व्यक्तिगत और सामाजिक दबावों के संतुलन को साधने का प्रतीक है। राम का वनवास यह दर्शाता है कि नेतृत्व में कई बार ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जिनमें व्यक्तिगत इच्छाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों का संघर्ष होता है। इस संघर्ष को संतुलित करने की कला हर प्रमुख निर्णय में जरूरी होती है। आज के कार्यस्थल पर भी यही स्थिति देखने को मिलती है, जहां शीर्ष प्रबंधन को विभिन्न दबावों के तहत ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जो संगठन के दीर्घकालिक लाभों के विपरीत हो सकते हैं।

राम जी ने अपने पिता के वचन का पालन किया, बिना किसी बहस या विरोध के। उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख को नकारते हुए सामाजिक और संगठनिक हित को सर्वोपरि रखा, जो आज के कार्यस्थल में एक आदर्श नेतृत्व के रूप में देखा जा सकता है। यह एक अच्छे और सच्चे नेतृत्व की परिभाषा है। नेतृत्व केवल अधिकार और निर्णय लेने तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें अनुशासन, प्रतिबद्धता और ईमानदारी भी आवश्यक है। इसी संदर्भ में लक्ष्मण और माता सीता का राम जी के साथ वनवास में रहना एक सशक्त टीम भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है। कठिन परिस्थितियों में एक सच्ची टीम अपने नेता के साथ खड़ी रहती है और यह वही बलिदान है जो आधुनिक कार्य स्थलों में भी देखा जा सकता है।

भरत जी का अपने भाई राम जी की चरणपादुका रखकर राज्य की जिम्मेदारी संभालना एक अत्यधिक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह उस अस्थायी नेतृत्व का प्रतीक है, जिसमें कोई व्यक्ति शीर्ष पद पर न होते हुए भी संगठन की स्थिरता बनाए रखता है। यही वह आदर्श है, जिसे हर संगठन में लागू किया जा सकता है। स्वर्ण मृग की घटना यह दर्शाती है कि कभी-कभी अनावश्यक आकर्षण और दबाव पूरी टीम को संकट में डाल सकते हैं। सीता जी के आग्रह पर राम जी ने स्वर्ण मृग को पकड़ने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप श्रीराम, लक्ष्मण जी और माता सीता तीनों संकट में फंस गए। यही अवस्था आज के कार्य स्थलों पर भी देखी जा सकती है, जहां बढ़ते हुए कार्यभार और आकर्षण कभी-कभी गलत दिशा में निर्णय लेने की प्रेरणा देते हैं।

'लक्ष्मण रेखा' और रावण द्वारा सीता हरण हमें यह सिखाता है कि नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना क्यों आवश्यक है? लक्ष्मण ने सुरक्षा उपाय किए, लेकिन रावण के छल में सीता जी का फंस जाना यह दर्शाता है कि नियमों का उल्लंघन कई बार बड़े संकट का कारण बन सकता है। कार्य स्थल पर भी यही नियमों का पालन अनिवार्य है। जटायु का बलिदान और सीता जी की रक्षा का प्रयास उन कर्मचारियों का प्रतीक है, जो अनैतिक प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाते हैं, भले ही इससे उनका व्यक्तिगत और करियर संबंधी जोखिम बढ़ जाए। जटायु ने अपनी जान की बाजी लगाकर रावण के अहंकार के खिलाफ संघर्ष किया और इसी तरह कार्य स्थल में भी कुछ कर्मचारी (व्हिसल ब्लोअर) साहसिक तरीके से गलत प्रथाओं का विरोध करते हुए नैतिकता की रक्षा करते हैं।

श्रीराम का सीता जी की खोज में वन-वन भटकते हुए सहयोग और संधियों की स्थापना करना आधुनिक संगठन के लिए एक अमूल्य सीख है। राम जी ने वानर राज सुग्रीव, हनुमान, अंगद और अन्य शूरवीरों को उनकी क्षमताओं के अनुसार कार्य सौंपे। यही अच्छे नेतृत्व का मापदंड है- सही व्यक्ति को उसकी क्षमता और कौशल के अनुरूप कार्य देना। संधि के अनुरूप समय बीत जाने के बाद भी माता सीता की खोज प्रारंभ न किए जाने पर सुग्रीव के प्रति राम का असंतोष भी यह दर्शाता है कि अच्छे नेता अपनी टीम से जिम्मेदारी और जवाबदेही की उम्मीद रखते हैं। राम जी का संवाद और केवट, शबरी जैसे पात्रों के साथ व्यवहार एक सशक्त और संवेदनशील कार्यस्थल की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत करता है।

रावण से युद्ध में राम जी ने न केवल सेना की शक्ति का प्रयोग किया, बल्कि विरोधियों को भी अपने पक्ष में करने का प्रयास किया। विभीषण को अपने पक्ष में जोड़कर उन्होंने संगठनात्मक परिवर्तन का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह हमें सिखाता है कि नेतृत्व केवल बाहरी प्रतिस्पर्धा और विरोधियों पर जीत तक सीमित नहीं होता, बल्कि असंतुष्ट सदस्यों को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाना भी एक अच्छे नेता की पहचान है।

हनुमान जी द्वारा लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर संजीवनी बूटी की खोज संकट प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब टीम के महत्वपूर्ण सदस्य को आपातकालीन स्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो तुरंत उपयुक्त संसाधनों का तैनात किया जाना और सभी विकल्पों का उपयोग करना आवश्यक होता है। यही कार्य स्थल पर आपातकालीन संकटों से निपटने की प्रभावी रणनीति है।

> यदि हम रामायण के घटनाक्रमों को आज के कार्यस्थल और कॉर्पोरेट दुनिया से जोड़कर देखें, तो यह हमें नेतृत्व, टीम प्रबंधन और संकट निवारण की अनमोल शिक्षा प्रदान करता है।

प्रसंगवश

राजघाट पर कमी खलेगी उन शिखर गांधीवादी की

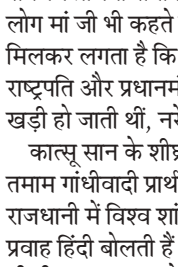

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

गांधी जयंती पर सुबह राजघाट और फिर शाम को गांधी स्मृति में सर्वधर्म प्रार्थना सभा में एक बेहद अहम शख्सियत की इस बार कमी खलेगी। वो बीती आधी सदी से भी अधिक समय से राजधानी में बापू के बलिदान दिवस, जयंती से लेकर खास सरकारी आयोजनों में होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भाग लेती रही हैं। हम बात कर रहे हैं कात्सू सान की। वो दो अक्टूबर तथा 30 जनवरी को राजघाट और फिर तीस जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) में आयोजित होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का स्थायी चेहरा हैं। 88 साल की कात्सू सान की उर्जा देखने लायक है। उन्होंने सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद, शंकर दयाल शर्मा, केआर नारायणन, एपीजे अब्दुल कलाम, प्रतिभा सिंह पाटिल, प्रणव कुमार मुखर्जी, राम नाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा श्रीमती इंदिरा से लेकर नरेंद्र मोदी तक के सामने बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ चुकी हैं। वो बीते कई महीनों से बीमार हैं। आप चाहें तो छोटे कद की कात्सू को देश की सबसे बुलंद गांधीवादी मान सकते हैं।

कात्सू सान के नेतृत्व में ही सर्वधर्म प्रार्थना होती रही है। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वो 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं, ताकि उन्हें और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से भी साक्षात्कार हो गया। उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया।

सर्वधर्म प्रार्थना का विचार गांधी जी ने ही संसार को दिया था। उनके जीवन काल में यह आरंभ हो गई थी। उनके संसार में न रहने के बाद भी दो अक्तूबर, 30 जनवरी तथा अन्य विशेष अवसरों पर सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाती हैं। कात्सू सान को कुछ लोग मां जी भी कहते हैं। कुछ उन्हें कात्सू बहन भी कहते हैं। उनसे मिलकर लगता है कि आप अपनी मां का आशीर्वाद ले रहे हैं। उनसे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी मिलते हैं। इंदिरा गांधी उनके साथ खड़ी हो जाती थीं, नरेंद्र मोदी भी उनका हालचाल पूछते रहे हैं।

कात्सू सान के शीघ्र स्वस्थ होने की राजधानी में रहने वाले तमाम गांधीवादी प्रार्थना कर रहे हैं। कात्सू सान के ही प्रयासों से राजधानी में विश्व शांति स्तूप स्थापित हुआ। कात्सू सान धारा प्रवाह हिंदी बोलती हैं। उन्होंने हिंदी काका साहेब कालेकर से सीखी। मुस्कान उनके चेहरे का स्थायी भाव है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं, जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। उन्हें अब भारत अपना देश लगता है।

सोशल फोरम

स्वतंत्रता का अर्थ किसी नेता को चुनना नहीं

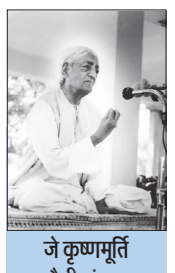

जे कृष्णमूर्ति मैत्री संवाद

फेसबुक

हमें यह पूछना होगा कि स्वतंत्रता (freedom) क्या है। अक्सर कहा जाता है कि स्वतंत्रता कठोर अनुशासन और तथाकथित सभ्य नियंत्रण के अंत में मिलती है- 'सभ्य' का अर्थ यहां साहित्य, कला, संग्रहालय और अच्छा भोजन रखने के अर्थ में लिया जाता है, लेकिन यह तो केवल एक भ्रमित और पतनशील मनुष्य की बाहरी परत है। क्या स्वतंत्रता का अर्थ मनोरंजन के विकल्प होना है? क्या स्वतंत्रता का अर्थ चुनाव (choice) करना है? हम प्रायः स्वतंत्रता को किसी चीज से छुटकारा पाने के रूप में देखते हैं- बंधन से, चिंता से, अकेलेपन से, निराशा से और इसी प्रकार की अन्य अवस्थाओं से, लेकिन इस प्रकार सोचना केवल हमें और अधिक, शायद अधिक परिष्कृत, दुख, पीड़ा और घृणा की कुरूपता की ओर ले जाता है।

स्वतंत्रता का अर्थ किसी राजनीतिक या धार्मिक नेता को चुनकर उसका अनुसरण करना नहीं है, क्योंकि यह तो स्पष्ट रूप से स्वतंत्रता का निषेध है। स्वतंत्रता दासता का विलोम (opposite) नहीं है। स्वतंत्रता एक अंत है- जो हो चुका है उसे आगे बढ़ाने से इंकार करना। स्वतंत्रता का कोई विलोम नहीं है। वह अपने आप में संपूर्ण है। अब जब मैंने यह पढ़ा और समझने का प्रयास किया, तो मेरा अपने विद्यार्थियों से, अपनी पत्नी और बच्चों से और विश्व से क्या संबंध है? वास्तव में स्वतंत्रता की गहराई को समझने के लिए बड़ी मात्रा में बुद्धिमत्ता और शायद प्रेम चाहिए, लेकिन संसार की गतिविधियां न तो बुद्धिमान हैं और न ही मेरे बच्चों का समूह। मैं अपने दिन का अधिकांश समय उनके साथ बिताता हूं।

क्या मुझमें यह स्वतंत्रता, उसकी बुद्धिमत्ता और प्रेम मौजूद हैं? यदि वे मुझमें हैं, तो मेरी समस्याएं बहुत सरल हो जाती हैं। वही गुण कार्य करेगा और जिसे मैं समस्या मानता था, वह समस्या नहीं रहेगा, लेकिन वास्तव में यह मुझमें नहीं है। मैं दिखावा कर सकता हूं, मित्रता का नाटक कर सकता हूं, लेकिन वह बहुत सतही है।

मेरी ज़िम्मेदारी तात्कालिक है। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं प्रतीक्षा करूंगा, जब तक कि मुझे स्वतंत्रता और यह स्नेह, यह प्रेम प्राप्त नहीं हो जाता। मेरे पास समय नहीं है, क्योंकि मेरे विद्यार्थी मेरे सामने हैं। मैं संन्यासी नहीं बन सकता- वह न तो मेरी समस्या हल करेगा, न दुनिया की।

–जे कृष्णमूर्ति

सामयिकी

शास्त्री जी का जीवनः 'रिकॉर्ड में लिखो, 14 किलोमीटर यूज'

भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री भारत सरकार में विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। एक बार वे रेल के एसी कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार उन्होंने पंखा लगवाया। यही नहीं रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई।

श्वेता गोयल

लेखिका

एक अन्य अवसर पर रेल में यात्रा करते वक्त शास्त्री जी उस समय भड़क गए थे, जब विशेष रूप से उनके लिए रेल कोच में कूलर लगाने की व्यवस्था की गई। शास्त्री जी उस समय रेल मंत्री थे और बंबई (अब मुंबई) जा रहे थे। गाड़ी चलने पर शास्त्री जी अपने पीए से बोले कि बाहर तो बहुत गर्मी है, लेकिन डिब्बे में काफी ठंडक है। तब उनके पीए कैलाश बाबू ने कहा, "सर, डिब्बे में कूलर लग गया है, इसीलिए डिब्बे में इतनी ठंडक है।" शास्त्री जी ने नाराज होते हुए पीए से कहा कि बगैर मुझसे पूछे कूलर कैसे लग गया? इतने सारे लोग, जो इस गाड़ी में चल रहे हैं, उन्हें गर्मी नहीं लगती होगी? उन्होंने पीए को निर्देश दिया कि अगले स्टेशन पर गाड़ी जहां भी रूके, वहां सबसे पहले इस कूलर को निकलवाइए। मथुरा स्टेशन पर शास्त्री जी कूलर हटवाकर ही माने।

1964 में शास्त्री जी जब प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी, लेकिन उसका उपयोग वे बहुत ही कम किया करते थे। वह गाड़ी किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही निकाली जाती थी। एक बार की बात है, जब शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे निकालकर ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चलाई गई? ड्राइवर ने बताया, चौदह किलोमीटर! उसके बाद शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। शास्त्री जी इतने से ही शांत नहीं हुए, उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाया और निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए उनके निजी सचिव से कहकर वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन के लिए आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमेरिका के इतर अन्य देश में बनते शिक्षा के नए विकल्प

अमेरिकी वीजा संबंधी दिक्कतों के कारण भारतीय छात्रों की पसंद बदल रही है। अब छात्रों के कदम अन्य देशों की ओर बढ़ चले हैं। अब वे अमेरिका के अलावा अन्य देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इन देशों में न केवल अमेरिका से तुलनात्मक रूप से आसान वीजा नीतियां हैं, बल्कि फीस भी कम है। वहीं बेहतर स्टडी के साथ ही जॉब के बेहतरीन अवसर भी मिल रहे हैं, जिससे छात्र अपने भविष्य को लेकर भी आशान्वित हैं। हाल में हुए एक सर्वे के अनुसार, यूके अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए बड़ी पसंद बनकर उभरा है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जर्मनी भी छात्रों को लुभा रहा है, जहां पढ़ाई के बाद काम के अवसर और अफॉर्डेबिलिटी मुख्य कारक हैं। आज आपको बताते हैं वे कौन से ऐसे देश, जहां छात्र बेहतर करियर बना सकते हैं।

- फीचर डेस्क

शिक्षा के लिए सबसे पसंदीदा देश बना जर्मनी

- हाल में आई अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार अमेरिका और कनाडा की जगह भारतीय छात्रों के लिए जर्मनी पसंदीदा देश बन गया है। एक लाख छात्रों पर आधारित यह अध्ययन बताता है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या सालाना 13 प्रतिशत कम हो रही है। साथ ही जर्मनी में भारतीय छात्रों का प्रतिशत 2022 के 13 .2 से बढ़कर 2024-25 में 32 .6 प्रतिशत हो गया। जर्मनी में पढ़ाई करने के लिए छात्रों को एक राष्ट्रीय वीजा के लिए आवेदन करना होता है। यह एक लॉन्ग टर्म वीजा है, जो 90 दिनों से अधिक समय तक यहां रहने की अनुमति देता है। पढ़ाई पूरी होने पर छात्र जॉब सीकर वीजा भी ले सकते हैं। इसके लिए 75 से 100 यूरो यानी 6,600 से 8,800 रुपये का शुल्क देना होता है। यह वीजा जर्मनी में छह महीने तक रहने की अनुमति देता है। नौकरी मिल जाने पर जॉब कैटेगरी के अनुसार प्रोफेशनल वीजा आदि लेना होता है।

ऑस्ट्रेलिया है लोकप्रिय डेस्टिनेशन

- ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों के लिए सपनों का देश बन चुका है। बीते वर्षों में यहां जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जून 2024 तक ऑस्ट्रेलिया में 8,39,199 अंतर्राष्ट्रीय छात्र थे, जिसमें भारतीय छात्रों की संख्या 17 फीसदी थी। वर्ष 2023-24 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में 1,22,391 भारतीय छात्र थे। वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 1,39,038 हो गई।
- आस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों को पढ़ने के लिए स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसके लिए 710 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 39,000 रुपये) शुल्क व कुछ अन्य शुल्क जैसे-मेडिकल और पुलिस चेक फीस, आइइएलटीएस, टॉफेल या पीटीई परीक्षा शुल्क देना होता है। इसी प्रकार यहां नौकरी करने के लिए पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा, जिसका शुल्क 1895 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 1.05 लाख रुपये) है, स्किल्ड इंडिपेंडेंट वीजा-यह एक स्थायी निवास वीजा है। एंप्लॉयर स्पॉन्सर वीजा यह एक अस्थायी वीजा है, जो किसी ऑस्ट्रेलियाई कपनी द्वारा प्रायोजित होने पर मिलता है आदि की आवश्यकता पड़ती है।

ब्रिटेन में छात्रों के लिए बेहतरीन अवसर

हाल ही में राज्यसभा में भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े के अनुसार, ब्रिटेन (यूनाइटेड किंगडम) में 1,85,000 भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया है। नई लेबर सरकार के तहत यूके अपनी अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा रणनीति को संशोधित कर रहा है। इसी के साथ वहां के इंटरनेशनल एजुकेशन चैंपियन सर स्टीव स्मिथ ने भारत को 'पूर्ण प्राथमिकता' देश घोषित करके भारतीय छात्रों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसी साल यूके ने दो साल का पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा फिर से शुरू किया है, जिसे ग्रेजुएट वीजा के नाम से भी जाना जाता है। यह वीजा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को डिग्री पूरी करने के बाद अपने यहां जॉब ढूंढने की अनुमति देता है। यह नीति भारतीय छात्रों के लिए करियर के अवसरों को नए पंख और आशा प्रदान करती है। इस वीजा के लिए आवेदक को किसी नियोक्ता की ओर से नौकरी का प्रस्ताव या स्पॉन्सरशिप की आवश्यकता नहीं होती।

आशाजनक भविष्य का देश बनता न्यूजीलैंड

- न्यूजीलैंड भी भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा का आशाजनक केंद्र बन कर उभरा है। एजुकेशन न्यूजीलैंड के आंकड़ों के अनुसार, न्यूजीलैंड में वर्ष 2024 में जनवरी से अगस्त के बीच यहां दाखिलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। आइडीपी एजुकेशन की रिपोर्ट के अनुसार, जहां 2023 में यह संख्या 7930 थी, वहीं 2024 के पहले आठ महीनों में बढ़कर छात्रों की संख्या 10,640 हो गई। अंग्रेजी भाषी वातावरण, पारदर्शी नीतियों एवं भारतीय संस्थानों के साथ बढ़ते संबंधों के कारण न्यूजीलैंड को अब एक आशाजनक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। न्यूजीलैंड में पढ़ाई के लिए छात्रों को स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसका शुल्क 430 से 530 एनजीडी यानी 24 से 30 हजार रुपये के करीब है। साथ ही भारतीय पेशेवरों को यहां नौकरी के लिए पोस्ट स्टडी वर्क वीजा, एक्रेडिटेड एम्प्लॉयर वर्क वीजा, स्किल्ड माइग्रेट कैटेगरी रेजिडेंट वीजा आदि का विकल्प चुनना होगा।

जॉब अलर्ट

नैनीताल बैंक में भर्ती 2025

- **पद का नाम:** मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य प्रौद्योगिकी, अधिकारी (सीटीओ), मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), एसोसिएट उपाध्यक्ष (आईटी)
- योग्यता: पदानुसार
- कुल रिक्तियां: 04
- अंतिम तिथि: 10-09-2025
- बेवसाइट :www.nainitalbank.co.in

इंडियन बैंक

- पद का नाम: डॉक्टर
- योग्यता: एमबीबीएस
- अंतिम तिथि: 07-10-2025
- वेबसाइट: indianbank.bank.in

यूपीएससी

- पद का नाम: इंजीनियरिंग सेवा
- पदों की संख्या: 474
- योग्यता: बी.टेक/बी.ई, डिप्लोमा, एमएससी, इंजीनियरिंग
- अंतिम तिथि: 16-10-2025
- वेबसाइट: upsconline.nic.in

एसएससी दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल (मंत्रालयिक)

- पद का नाम: हेड कांस्टेबल
- पदों की संख्या: 509
- योग्यता :12वीं पास
- अंतिम तिथि: 20-10-2025
- वेबसाइट : ssc.gov.in

भारतीय सेना

- पद का नाम: डीजी ईएमई एलडीसी, फायरमैन और अन्य
- पदों की संख्या : 194
- योग्यता: आईटीआई, 12वीं, 10 वीं
- अंतिम तिथि: 24-10-2025
- वेबसाइट: indianarmy.nic.in

यूसीड के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

आईआईटी बांबे ने अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिजाइन (यूसीड) के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। यह रजिस्ट्रेशन 1 अक्टूबर से शुरू किए गए हैं। युवा संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट uceed.iitb.ac.in पर कर सकते हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यदि तय समय पर युवा आवेदन नहीं कर पाएं हैं तो लेट फीस के साथ आवेदन करने की तिथि 7 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र को 2 जनवरी 2026 से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके बाद परीक्षा का आयोजन 18 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह भी जानकारी दी गई कि आवेदन करने के लिए आवेदक की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 2001 से पहले की नहीं होनी चाहिए। इसी तरह एससी, एसटी की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 1996 से पहले की नहीं होनी चाहिए।

युवा अपना रजिस्ट्रेशन संस्थान की वेबसाइट पर करा सकते हैं

अन्य जानकारियां

- संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में वही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने 2025 या 2026 में पहली बार बारहवीं की परीक्षा दी हो। इसमें सभी वर्ग के परीक्षार्थी जैसे कॉमर्स, ह्यूमैनिटीज और साइंस के उम्मीदवार योग्य माने जाएंगे। ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने 2024 में पहली बार कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा दी है वे इस परीक्षा के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे। यह परीक्षा देश के 27 शहरों में आयोजित कराए जाने की योजना है। यह परीक्षा आईआईटी में बैचलर ऑफ डिजाइन की डिग्री के लिए आयोजित की जाती है। फीस की बात की जाए तो आवेदन करने वाली युवतियों के लिए सभी वर्ग में 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। इसी तरह एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवार के लिए भी 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। अन्य कैटैगरी के उम्मीदवारों के लिए 4 हजार रुपये फीस का निर्धारण किया गया है।

31
अक्टूबर निर्धारित की गई है फॉर्म भरने की अंतिम तिथि

18
जनवरी 2026 निर्धारित किया गया परीक्षा का आयोजन

नई किताबें

विज्ञान ज्ञान विश्वकोश छह पुस्तकों का संग्रह

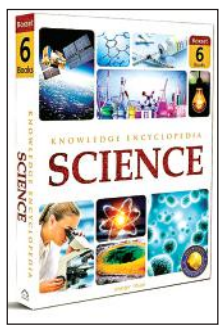

विकासवाद का सिद्धांत क्या है? रासायनिक अभिक्रियाएं कैसे होती हैं? मानव आंख केवल तीन रंगों को ही क्यों पहचान पाती है? विज्ञान के ज्ञान का छह विश्वकोशों का यह संग्रह बच्चों के लिए विज्ञान की आकर्षक दुनिया को जानने को बेहद महत्वपूर्ण विश्वकोश है। इस ज्ञानवर्धक पुस्तकों में सुस्पष्ट आरेख और कठिन शब्दों की विस्तृत शब्दावली सुखद दी गई, जिससे बच्चे आसानी से विज्ञान का ज्ञान व जानकारी ले सकते हैं। संग्रह में अच्छी तरह से लेबल की गई छवियां दी गई हैं। साथ ही युवा शिक्षार्थियों को शिक्षित और मनोरंजन करेगा। इसके अलावा एक मजबूत शब्दावली का निर्माण करता है।

एसएससी के लिए ऑल इन वन बुक

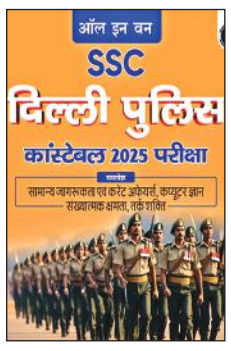

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) कांस्टेबल परीक्षा की तैयार के लिए पुस्तक हेल्पफुल है। इस पुस्तक में सर्वसमावेशी गाइडेंस और चैप्टर-वाइ सिद्धांत, समय बचाने वाले ट्रिक्स, अभ्यास और पिछले वर्षों के 15 हल किए गए प्रश्नपत्र (2020 और 2023) दिए गए हैं, जो आपको पूर्ण और प्रभावी तैयारी करने में मदद करती है। पुस्तक में पिछले वर्ष के हल किए गए प्रश्नपत्रों के साथ परीक्षा पैटर्न और प्रत्येक प्रश्न के लिए विस्तृत स्पष्टीकरण शामिल हैं। साथ ही पुस्तक में विस्तृत, स्टेप वाइज समाधानों के साथ सभी डाउट्स को दूर करने और जटिल समस्याओं को सुलझाने में स्पष्टता और आत्मविश्वास सुनिश्चित करने में मदद करती है। इसके अलावा पुस्तक में 2500 से अधिक प्रश्नों के विस्तृत प्रश्नों के माध्यम से अपनी तैयारी को मजबूत करें, जिनमें से प्रत्येक का गहन समाधान दिया गया है। वहीं पुस्तक में सामान्य जागरूकता के लिए प्रासंगिक और संक्षिप्त करेंट अफेयर्स के साथ डाटा दिया गया है।

सही रणनीति से पाएं एसएससी कांस्टेबल में सफलता

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) जीडी कांस्टेबल परीक्षा उन लोकप्रिय भर्ती परीक्षाओं में से एक है, जिनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है। एसएससी जीडी परीक्षा उन उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में प्रवेश का द्वार है जो कम उम्र में ही वर्दी की नौकरी शुरू करना चाहते हैं। सीएपीएफ में नियुक्ति पाने के लिए उम्मीदवारों को एसएससी जनरल ड्यूटी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। एसएससी जीडी कांस्टेबल कोई बहुत कठिन परीक्षा नहीं है, परीक्षा पास करने के लिए आपको सही तैयारी रणनीति और भरपूर अभ्यास की आवश्यकता होती है। एसएससी जीडी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2025 की तैयारी के लिए आपको सही रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए छात्रों को एसएससी जीडी में दिए गए विषय के प्रत्येक भाग की पूरी तैयारी करनी चाहिए ताकि वे परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकें। आज हम आपको 3 महीने की रणनीति के बताते हैं, जिसको फॉलो करके आप बिना किसी कोचिंग के परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं और पहली बार में ही परीक्षा पास कर सफलता भी हासिल कर सकते हैं।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- दौड़ + फिजिकल फिटनेस
- गणित- शॉर्टकट ट्रिक्स और क्विज़
- रीजनिंग- रोजाना 25-30 प्रश्न
- जीके/जीए- भारत का इतिहास, संविधान, करंट अफेयर्स पर विशेष ध्यान
- अंग्रेजी/हिंदी- रोज एक पैसेज और व्याकरण अभ्यास
- हर शाम- 1 सेक्शनल टेस्ट (छोटा टेस्ट - केवल गणित/रीजनिंग/जीके/हिंदी)
- सप्ताह में 2 फुल मॉक टेस्ट
- तीसरा महीना (रिवीजन और मॉक टेस्ट - फाइनल टच)
- लक्ष्य- एग्जाम जैसी तैयारी और आत्मविश्वास बढ़ाना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- शारीरिक अभ्यास
- दिनभर- सभी विषयों का रिवीजन (नए टॉपिक न पढ़ें)
- रोज़- 1 फुल मॉक टेस्ट (90 मिनट) + विश्लेषण
- कमजोर टॉपिक पर फोकस
- करंट अफेयर्स की अंतिम तैयारी परीक्षा से पहले 10-15 मॉक टेस्ट हल करें।

तीन महीने की तैयारी योजना

- पहला महीना- बेस मजबूत करना
- लक्ष्य- सभी विषयों की मूलभूत समझ और अभ्यास शुरू करना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह (6-7 बजे)- दौड़ लगाएं + शारीरिक व्यायाम (पीईटी तैयारी)
- सुबह (8-10 बजे)- गणित (2 घंटे -बुनियादी विषय, जैसे प्रतिशत, अनुपात, समय-कार्य)
- दोपहर (1-2 बजे)- रीजनिंग (पजल, सीरीज, कोडिंग-डीकोडिंग)
- शाम (4-6 बजे)- जीके/जीएस (इतिहास, भूगोल, संविधान, विज्ञान)
- रात (8-9 बजे)- हिंदी/अंग्रेजी (ग्रामर+ शब्दार्थ)
- सोने से पहले- करंट अफेयर्स (15-20 मिनट)
- हफ्ते में एक दिन (रविवार)- 1 मॉक टेस्ट + गलतियों का विश्लेषण
- दूसरा महीना (प्रैक्टिस और स्पीड)
- लक्ष्य- स्पीड और सटीकता बढ़ाना।

अतिरिक्त टिप्स

समय प्रबंधन

- प्रति प्रश्न औसतन 50 सेकंड से कम समय लगाएं।
- शारीरिक तैयारी- रोज 5-6 किमी दौड़ और स्टैमिना पर ध्यान दें।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,983.31	24,836.30
बढ़त	715.69	225.20
प्रतिशत में	0.89	0.92

सोना- 1,18,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,45,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2575, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2020, सूरज 1960, अवसर 1880, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2160, चक्र टिन 2330, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2455, स्वास्तिक 2530

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4500, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4500

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 2600, बासमती- 9000, परमल- 3000,

दाल दलहन : काला चना- 7100, साबुत चना दाल- 7200, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12300-14400, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 6900, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9200

वित्तीय स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता आर्थिक वृद्धि में बाधा न बनें नियम

आरबीआई गवर्नर ने की बैंकिंग नियमों में राहत व कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को बैंकिंग नियमों में राहत और कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा के बीच कहा कि वित्तीय स्थिरता केंद्रीय बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद कहा कि आरबीआई यह सुनिश्चित करने को सजग है कि नियमों का पालन आर्थिक वृद्धि की राह में बाधा न डाले। मुझे नहीं लगता कि आपको इन उपायों को किसी तरह की शिथिलता के रूप में देखना चाहिए। हमारे लिए स्थिरता सर्वोपरि है। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि वृद्धि को कोई रोक न लगे। मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग गतिविधियों में विस्तार, अधिग्रहण वित्तपोषण, आईपीओ के लिए ऋण सीमा बढ़ाने, बुनियादी ढांचा वित्त के लिए एकल उधारकर्ता सीमा में बदलाव और शहरी सहकारी बैंकों के लिए लाइसेंसिंग खोलने के उपाय किए गए हैं। मल्होत्रा ने इन कदमों को बेहद संतुलित, सोची-समझी और विचारपूर्ण कार्रवाई करार दिया।

उन्होंने बताया कि कई उपाय ऐसे हैं, जहां आरबीआई ने पहले किसी गतिविधि को अनुमति दी थी लेकिन अब उसे और विस्तार दे दिया गया है। इनमें अधिग्रहण वित्त और शेयरों के एवज में ऋण की सीमा बढ़ाने का कदम शामिल है। मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि रिजर्व बैंक का उद्देश्य बैंकिंग कारोबार का सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना है। मल्होत्रा ने वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि अब नियमों की समीक्षा हर पांच वर्ष में होगी। परिस्थितियां बदलती हैं, समय बदलता है, आवश्यकताएं बदलती हैं, इसलिए नियम स्थिर नहीं रह सकते। इसलिए हम अपने नियमों की समीक्षा करते रहेंगे। बड़ी कंपनियों की बैंकों के बहीखाते में हिस्सेदारी बीते दशक में 10% तक कम हो चुकी है। हालांकि नियमों में छूट के बावजूद रिजर्व बैंक के पास वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने को पर्याप्त साधन हैं। डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि शेयरों के खिलाफ ऋण की 20 लाख रुपये की सीमा 1998 में तय हुई थी और अब इसे बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का फैसला मुद्रास्फीति के लिहाज से कोई बड़ी वृद्धि नहीं है।

मौद्रिक नीति की समीक्षा

दरों में कटौती की गुंजाइश, वैश्विक अनिश्चितताओं से यथास्थिति जरूरी

संजय मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में कमी ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं और मौद्रिक उपायों का पूरा लाभ न मिलने से केंद्रीय बैंक ने दरों को यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया। मुद्रास्फीति में 1% से अधिक की गिरावट व इसके पूर्वानुमान ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है। जून में उन्होंने कटौती के लिए सीमित गुंजाइश शब्द का इस्तेमाल किया था, जबकि बुधवार को कहा कि कटौती की गुंजाइश मौजूद है। मल्होत्रा ने कहा कि 1% से ज्यादा की कटौती का लाभ न मिलने, वैश्विक अनिश्चितताओं और जीएसटी को तर्कसंगत बनाने के प्रभाव को लेकर समिति ने यथास्थिति बनाए रखने का विकल्प चुना है।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं: मल्होत्रा

संजय मल्होत्रा ने कहा कि यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। केंद्रीय बैंक एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जिसके तहत वित्तीय संस्थानों को मासिक किस्त भुगतान में चूक की स्थिति में ऋण लेकर खरीदे गए मोबाइल फोन को डिजिटन तरीके से 'लॉक' करने की अनुमति मिल पाएगी। यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव होने पर मल्होत्रा ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। यूपीआई लेनदेन में काफी वृद्धि हो गई है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने के फायदे व नुकसान दोनों पर गौर किया जा रहा है। जैसा कि गवर्नर ने बताया कि डिजिटल तरीके से फोन को 'लॉक' करने का मामला विचाराधीन है। ग्राहकों के अधिकारों व जरूरतों, निजी सूचना की गोपनीयता एवं कर्ज देने वालों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के मामले में दोनों पक्षों के फायदे व नुकसान हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर गौर कर रहे हैं और बाद में इस पर कोई निर्णय लेंगे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट पर मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक किसी स्तर को लक्षित नहीं करता, बल्कि केवल अनावश्यक अस्थिरता को रोकने का प्रयास करता है। मल्होत्रा ने भरोसा जताया कि मूल्य स्थिरता के साथ उच्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर जारी रहेगी तथा निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि होगी।

मौद्रिक नीति की मुख्य बातें

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया गया।
- वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति अनुमान 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत किया गया।
- जीएसटी सुधारों का मुद्रास्फीति और वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- अमेरिकी शुल्क का निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा।
- सेवाओं का मजबूत निर्यात, धन प्रेषण से चालू खाते का घाटा स्थिर रहेगा।
- विदेशी मुद्रा भंडार 700.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है।
- आरबीआई रुपये पर कड़ी नजर रख रहा है, जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएगा।
- बैंक ऋण वृद्धि, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में कम है, लेकिन आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही है।
- बैंकों के लिए संशोधित बेसल-3 पूंजी पर्याप्तता मानदंड एक अप्रैल, 2027 से प्रभावी होंगे।
- आरबीआई बैंकों को अधिग्रहणों के वित्तपोषण के लिए रूपरेखा उपलब्ध कराएगा।
- आरबीआई ने शेयरों के बदले ऋण देने की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा।
- आईपीओ वित्तपोषण के लिए ऋण सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की जाएगी।
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन मानदंडों को और सरल बनाने का प्रस्ताव।
- बैंक भूटान, नेपाल और श्रीलंका के प्रवासी नागरिकों को सीमा पार व्यापार के लिए रुपये में ऋण देंगे।
- एमपीसी की अगली बैठक 3-5 दिसंबर को होगी।

सोना-चांदी से निवेशक मालामाल

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : सोने-चांदी के बढ़ते भाव ने सराफा बाज़ार में खासी हलचल मचा दी है। एक महीने में सोने के भाव 14 हजार तो चांदी के 25 हजार बढ़े हैं। बुधवार को कानपुर सराफा बाजार में सोना 1,21,000 रुपये का 10 ग्राम तो चांदी 1,50,100 रुपये किलो की नई ऊंचाई पर पहुंची, जो रिकार्ड है। निवेशकों के सुनहरे दिन चल रहे हैं।

बीते 1 सितंबर को सोना 1,07,150 और चांदी 1,26,300 रुपये थी। नौ महीने में ही सोने की कीमत में लगभग 41 हजार और चांदी के दाम में 62 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई। जाहिर है निवेशक बड़ा मुनाफा काट रहे हैं। इतना रिटर्न तो किसी भी बचत योजना में भी नहीं मिला है। दक्षिण कानपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत गुप्ता का कहना है कि त्योहारी सीजन शुरू होने के बावजूद आभूषणों की बिक्री में जबरदस्त गिरावट है। काशी ज्वेलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर ने बताया कि दीवाली के मद्देनजर किफायती, हल्के डिजाइनर गहनों की रेंज तैयार की जा रही है।

- सोना और चांदी आल टाइम हाई रेट पर पहुंचे
- त्योहारी मौसम में भी आभूषणों की बिक्री 80 फीसदी तक गिरी
- खरीदार से ज्यादा बेचने वाले तैयार हो रहे हल्के डिजाइनर गहने

तेजी के कारण

डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, विश्व की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, टैरिफ वॉर की नीतियां, युद्ध की आशंकाएं, त्योहारी सीजन में बढ़ी मांग और केंद्रीय बैंकों के जरिये और निवेश के मद्देनजर जमकर खरीद भाव बढ़ने के कुछ कारण हैं।

दोनों धातुओं की चाल देख सराफा बाजार के दिग्गज विशेषज्ञ भी भाव के अनुमान में फेल नजर आ रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि निवेशकों की चांदी है। इतना मुनाफा देख खूब निवेश किया जा रहा है। -रामकिशोर मिश्र, मंत्री, उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन

जीएसटी संग्रह 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ पर

नई दिल्ली। जीएसटी संग्रह सितंबर में 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये रहा। दरों को युक्तिसंगत बनाने से बिक्री में वृद्धि से जीएसटी संग्रह बढ़ा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 9.1% और मासिक आधार पर 1.5 % की वृद्धि दर्ज की गई।

सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सितंबर 2024 में 1.73 लाख करोड़ और अगस्त 2025 में 1.86 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी दरों में बदलाव 22 सितंबर से लागू हुआ। जीएसटी 2.0 सुधार लागू होने के बाद से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक, दवाओं और उपकरणों व मोटर वाहन तक 375 चीजों की कीमतें कम हुई हैं। सितंबर 2025 में जीडीपी 6.8% बढ़कर 1.36 लाख करोड़ हो गया जबकि आयात कर 15.6% बढ़कर 52,492 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी 40.1% बढ़कर 28,657 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध जीएसटी संग्रह सितंबर 2025 में 1.60 लाख करोड़ रहा जो सालाना आधार पर पांच प्रतिशत अधिक है।

8 दिन बाद लौटी रौनक सेंसेक्स 716 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

रेपो दर को स्थिर रखने और वृद्धि अनुमान बढ़ाने के रिजर्व बैंक के कदम से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को काफी उत्साह रहा और यह आठ दिनों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। सेंसेक्स 716 अंक उछल गया जबकि निफ्टी में 225 अंकों की तेजी रही। विश्लेषकों ने कहा कि मौद्रिक घोषणा के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी स्थानीय निवेशकों की धारणा को मजबूती दी।

बीएसई का सेंसेक्स 715.69 अंक उछलकर 80,983.31 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 225.20 अंक चढ़कर 24,836.30 अंक पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में 5.54% की बढ़त रही। कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। हालांकि, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट आई। वहीं, स्मालकैप 1.16% और मिडकैप में 0.91% की तेजी रही।

- वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को दी मजबूती

बीएसई की 2,797 कंपनियों में रही तेजी

बैंकिंग खंड में 1.44, दूरसंचार 1.26 और वित्तीय सेवा खंड 1.22% चढ़ा। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,797 कंपनियों में तेजी रही, जबकि 1,360 शेयरों में गिरावट व 134 अपरिवर्तित रहीं। एशिया में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक रहा, जबकि जापान के निक्की में गिरावट आई। यूरोप के बाजार बढ़त में रहे। शेयर बाजार के मुताबिक, एफआईआई ने मंगलवार को 2,327.09 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि डीआईआई ने 5,761.63 करोड़ के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय

आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा के पीछे लोगों का स्नेह

सरकार्यवाह होसबाले ने कहा- विरोध के बावजूद संघ ने सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा कि आरएसएस ने 100 वर्षों से विरोध के बावजूद, जनता के स्नेह के कारण सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया है। होसबाले की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के कुछ मिनट पहले आई। उन्होंने इस कदम के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह संघ के निःस्वार्थ कार्यों को मान्यता प्रदान करने के समान है।

होसबाले ने कहा कि संघ और उसके स्वयंसेवक 1925 में विजयादशमी पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा इसकी स्थापना करने के बाद से ही व्यक्तियों के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के मिशन पर निःस्वार्थ काम कर रहे हैं। वह केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आरएसएस के दूसरे नंबर के पदाधिकारी ने कहा कि विदेश में रहने वाले स्वयंसेवकों सहित सभी स्वयंसेवकों की ओर से, मैं इसके लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं। होसबाले ने कहा कि राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करना भारत में एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इस परंपरा को जारी रखा है। मेरा मानना है कि इस तरह संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत के लोगों की ओर से संघ के कार्यों को मान्यता दी गई है। होसबाले ने आरएसएस के 100 वर्षों को दिलचस्प यात्रा बताया और कहा कि देश के लोगों द्वारा संघ के विचारों को मिले प्यार, समर्थन और स्वीकृति से ही संघ इतनी दूर तक पहुंच पाया है। उन्होंने कहा कि संघ को हर तरह के विरोध, संघर्ष और उदासीनता का सामना करना पड़ा, लेकिन कार्यकर्ताओं ने लोगों की आत्मीयता, स्नेह, समर्थन और सहयोग का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि आज देश संघ को देशभक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा के प्रभावशाली व सफल प्रतीक के रूप में देखता है। होसबाले ने कहा कि कुछ वर्षों में हमारे कार्यों की सफलता से देश की तस्वीर बदली है। हमें देश के भीतर और वैश्विक मंच पर भी भारत के विमर्श को मजबूत करना होगा। दुनिया भर में, भारत के बारे में भारत का विमर्श सकारात्मक और सत्य पर आधारित होना चाहिए।

नई दिल्ली में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

गोलवलकर ने चुनौती के समय संभाली थी कमान

नागपुर। माधव सदाशिवराव गोलवलकर आरएसएस के सरसंघचालक पद के लिए एकमात्र विकल्प नहीं थे, लेकिन उन्हें इस पद पर चुना गया और उन्होंने कठिन दौर में संगठन का नेतृत्व किया और उसे आकार दिया। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर पाठक ने ऐसा दावा किया है। आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जून 1940 में अपनी मृत्यु से पहले जंतुविज्ञान के प्रोफेसर गोलवलकर को अपना उत्तराधिकारी चुना था। आरएसएस से संबद्ध समाचार पत्र 'तरुण भारत' के पूर्व संपादक पाठक ने कहा कि गोलवलकर का चुनाव आश्चर्यजनक था। उस समय 34 वर्ष के रहे गोलवलकर 1925 में संघ की स्थापना के बाद से संगठन से तब तक जुड़े नहीं थे।

धोखाधड़ी, फर्जी प्रमाणपत्रों को बर्दाश्त न करने की हमारी नीति: यूपीएससी अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष अजय कुमार ने बुधवार को कहा कि किसी भी सरकारी नौकरी की भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों द्वारा धोखाधड़ी और फर्जी प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल करना 'अस्वीकार्य' है और इससे उनके करियर को दीर्घकालिक नुकसान हो सकता है। अपनी तरह के पहले वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में, उन्होंने अभ्यर्थियों से उस रास्ते पर जाने से बचने को कहा जो कड़ी कार्रवाई का कारण बने, जिसमें यूपीएससी द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा में तीन साल तक शामिल होने पर रोक भी शामिल है।

कुमार ने कहा कि यूपीएससी की परीक्षाओं में धोखाधड़ी स्वीकार्य नहीं है। इस मामले में हमारी नीति कतई बर्दाश्त न करने की है और अगर ऐसा कुछ भी होता है, तो कड़ी कार्रवाई करेंगे। यूपीएससी प्रमुख ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों पर बात की, जिनमें सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने में कोचिंग सेंटर की उपयोगिता और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व परिवीक्षाधीन पूजा खेडकर द्वारा फर्जी प्रमाणपत्रों के इस्तेमाल का मुद्दा भी शामिल था। केंद्र ने पिछले साल खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया था, क्योंकि उन्होंने गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और दिव्यांगता आरक्षण का लाभ उठाकर अपना चयन सुनिश्चित किया था।

- वर्चुअल संवाद में अभ्यर्थियों से अजय कुमार ने किया संवाद

चेहरे की पहचान से परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति

यूपीएससी प्रमुख ने कहा कि अगर धोखाधड़ी की जाती है, तो आपराधिक प्राथमिकी दर्ज होती है और आपराधिक कार्रवाई की जाती है। इसलिए, मैं कहना चाहूंगा कि अगर कोई ऐसा करता है, तो उसके खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। हमने परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान चेहरे की पहचान के माध्यम से प्रवेश की अनुमति लागू की है। आयोग अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए डिजिलॉकर के माध्यम से प्रमाण पत्र लेने की योजना बना रहा है।

तेलुगू अभिनेत्री पर घरेलू सहायिका का उत्पीड़न करने का मामला दर्ज

हैदराबाद, एजेंसी

तेलुगू अभिनेत्री डिंपल हयाती और उनके पति के खिलाफ अपनी घरेलू सहायिका के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने, उसे परेशान करने और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ओडिशा की 22 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि अपनी जिम्मेदारी निभाने के बाद भी उसे दंपति उचित भोजन नहीं देते हैं, उसे गालियां देते हैं और धमकी देते हैं। इस महिला ने अभिनेत्री के घर पर 22 सितंबर से घरेलू सहायिका के तौर पर काम करना शुरू किया था। उसने आरोप लगाया कि दंपति ने उसका अपमान किया और गुस्से में यहां तक कह डाला कि 'मेरी जिंदगी (सहायिका की जिंदगी) उनके जूते के बराबर भी नहीं है। घरेलू सहायिका ने आरोप लगाया कि 29 सितंबर को जब उसने उनके अपमानजनक व्यवहार को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तो दंपति ने उसे धमकाया। उसने बताया, अभिनेत्री के पति ने मेरा फ़ोन छीन लिया, उसे जमीन पर पटक दिया और तोड़ दिया।

- ओडिशा की महिला ने भोजन नहीं देने, गालियां और धमकी देने का लगाया आरोप

एमबीबीएस छात्रा के उत्पीड़न में सहायक प्रोफेसर गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल के सहायक प्रोफेसर को एमबीबीएस छात्रा के शारीरिक उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि 26 सितंबर को दोपहर 12 बजकर नौ मिनट पर जीटीबी एन्क्लेव थाने को एक महिला की ओर से नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत के अनुसार, दिलशाद गार्डन स्थित जीटीबी अस्पताल परिसर में उसका शारीरिक उत्पीड़न किया गया। डीसीपी ने बताया कि एक मेडिकल छात्रा शिकायतकर्ता ने सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद शाकिर नईम पर शारीरिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है।

जुबिन का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार

गायक जुबिन गर्ग की मौत का मामला

- कोर्ट ने 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा

गुवाहाटी, एजेंसी

सिंगापुर में गायक जुबिन गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत को बुधवार सुबह दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों पर विभिन्न धाराओं के तहत गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को गुवाहाटी लाया गया और कामरूप मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दुर्गा पूजा से अदालतें बंद होने से सुनवाई न्यायाधीश के आवास पर हुई। विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गायक की मौत की जांच कानून के अनुसार की जाएगी। जांच को गठित एसआईटी के प्रमुख गुप्ता ने कहा कि शर्मा और महंत दोनों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि नोटिस के आधार पर आव्रजन अधिकारियों ने सिंगापुर से दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही महंत को हिरासत में लिया और असम पुलिस को सौंप दिया। शर्मा के बारे में गुप्ता ने कहा कि हमने उसकी लोकेशन की निगरानी की जिससे उसके दिल्ली और राजस्थान में होने का पता चला।

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत और उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा।

वांगचुक की रासुका के तहत हिरासत विश्वसनीय आधार पर

लेह, एजेंसी

लद्दाख प्रशासन ने पिछले हफ्ते राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को फंसाने या गुप चुप तरीके से कार्रवाई के दावों को मंगलवार को खारिज कर दिया। प्रशासन ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई विश्वसनीय सूचनाओं और दस्तावेजों पर आधारित थी।

प्रशासन ने अपील की कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए और विश्वास व्यक्त किया कि हम सब मिलकर शांतिप्रिय लेह कस्बे में सामान्य स्थिति बहाल करेंगे और अपनी वार्ता प्रक्रिया जारी रखेंगे। लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे वांगचुक को 24 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़पों के बाद रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इसके बाद केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता में रुकावट आ गई है क्योंकि कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के उस फैसले का समर्थन किया जिसमें वांगचुक और अन्य की रिहाई तक वार्ता स्थगित करने का फैसला किया गया है। छह अक्टूबर को होने वाली वार्ता को फिर शुरू करने की शर्त बताते हुए दोनों संगठनों ने लेह में हुई पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच की भी मांग की।

- लद्दाख प्रशासन ने वांगचुक को फंसाने या गुप चुप कार्रवाई के दावों पर की टिप्पणी

मुझे न मिला नोबेल पुरस्कार तो अमेरिका के लिए होगी बड़े अपमान की बात : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने सात वैश्विक संघर्षों को खत्म कराने में भूमिका निभाई है, इसके बावजूद अगर नोबेल पुरस्कार उन्हें नहीं दिया जाता है तो यह अमेरिका के लिए बड़े अपमान की बात होगी।

गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की योजना का जिक्र करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को क्वांटिको में सैन्य अधिकारियों को अपने संबोधन में कहा, मुझे लगता है, हमने इसे सुलझा लिया है। अब, हमास को सहमत होना होगा और अगर वे नहीं मानते, तो उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। सभी अरब, मुस्लिम राष्ट्र

- कहा- मैंने 7 संघर्ष खत्म कराए पर नोबेल किसी लेखक को मिलेगा

इससे सहमत हैं। इजराइल सहमत है। यह एक अद्भुत बात है कि सभी साथ आ गए हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर सोमवार को घोषित गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की उनकी योजना कामयाब हो जाती है तो उन्होंने कुछ ही महीनों में आठ संघर्षों को सुलझा लिया है।

ट्रंप ने कहा, यह शानदार है। कोई ऐसा कभी नहीं कर पाया। फिर भी क्या आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा, बिल्कुल नहीं। वे इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने कुछ भी नहीं किया। वे इसे ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने डोनाल्ड ट्रंप के विचारों और युद्ध को सुलझाने के लिए क्या किया गया, इस पर कोई किताब लिखी है, जी हां, नोबेल किसी लेखक को मिलेगा लेकिन देखते हैं क्या होता है।

उन्होंने कहा, यह हमारे देश के लिए बड़े अपमान की बात होगी। मैं ऐसा नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि यह देश को मिले क्योंकि ऐसा कुछ पहले कभी नहीं हुआ। इस बारे में सोचिएगा। मुझे लगता है कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने की योजना सफल होगी। मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा।

नोबेल पुरस्कार का इतिहास

... और ट्रंप की चाहत

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार वैसे तो हमेशा चर्चा में रहते हैं लेकिन हाल फिलहाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दावेदारी ने इसे और चर्चित बना दिया है। एक ताजा बयान में ट्रंप ने दुनिया में सात संघर्ष रुकवाने का दावा करते हुए कहा है कि अगर उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार न दिया गया तो यह अमेरिका का बड़ा अपमान होगा, ट्रंप के इस दावे को इस पुरस्कार के राजनीतिकरण और दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दिलचस्प यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की इस हद तक कोशिश के बावजूद उन्हें इस बार शांति का नोबेल प्राइज मिलने की संभावना न के बराबर मानी जा रही है। वजह बताई जा रही है कि उनकी उम्मीदवारी न तो प्रक्रियागत है, न ही समय से पूरी हुई है। हालांकि कई देशों की ओर से उन्हें जरूर नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। नोबेल पुरस्कारों की घोषणा हर साल अक्टूबर में होती है, लिहाजा कुछ ही दिन बाद पता चल जाएगा कि ट्रंप की कोशिशें कितनी कामयाब हो पाईं।

ऐसे हुई थी शुरुआत

- स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत से शुरुआत हुई थी, उन्होंने अपनी अधिकांश संपत्ति इसके लिए दान कर दी थी।
- वसीयत के मुताबिक दुनिया का यह सबसे प्रतिष्ठित सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने मानवता की सबसे बड़ी सेवा की हो।
- पहला नोबेल 1901 में प्रदान किया गया था, यह पुरस्कार हर साल 10 दिसंबर को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर दिया जाता है।

पुरस्कार की श्रेणियां

नोबेल छह श्रेणियों में दिए जाते हैं। शुरू में भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान या चिकित्सा साहित्य और शांति के लिए यह पुरस्कार दिया जाता था। सन् 1968 में इनमें आर्थिक विज्ञान भी जोड़ दिया गया।

सबसे ज्यादा पुरस्कार

- संयुक्त राज्य अमेरिका में 400 से ज्यादा नोबेल पुरस्कार दिए गए हैं, इस कारण वह शीर्ष पर है।
- यूनाइटेड किंगडम 137 पुरस्कारों के साथ दूसरे, जर्मनी 111 पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर।
- फ्रांस लगभग 71 पुरस्कारों के साथ चौथे स्थान, स्वीडन 32 पुरस्कारों के साथ पांचवें स्थान पर।

अब तक कितने विजेता

सन् 1901 से 2024 के बीच पांच नोबेल और आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार 627 बार 1,012 लोगों और संगठनों को दिए गए।

ऐसे होता है चयन

- विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नोबेल विजेता जैसे योग्य लोग उम्मीदवारों को नामांकित करते हैं। इसका विवरण 50 साल तक गुप्त रखा जाता है।
- प्रत्येक क्षेत्र में पुरस्कार के लिए एक अलग समिति होती है। ये समितियां प्राप्त नामांकनों की समीक्षा करती हैं और प्रारंभिक आधार पर चयन करती हैं।

पुरस्कारों पर प्रमुख विवाद

- एक स्वीडिश सांसद ने 1939 में व्यंग्य के रूप में एडोल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित कर दिया था, जिसे बाद में नामांकन वापस ले लिया गया।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नोबेल शांति पुरस्कार न दिया जाना बड़े विवाद का मुद्दा बना रहा। उन्हें कई बार नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला।
- वियतनाम युद्धविराम के लिए हेनरी किसिंजर को दिया गया शांति पुरस्कार विवादित रहा, उन पर कंबोडिया पर बमबारी और तानाशाहों के समर्थन का आरोप था।
- यासर अराफात को इजराइली नेताओं के साथ शांति प्रयासों के लिए पुरस्कार मिला था, लेकिन कुछ लोग उनकी सशस्त्र गतिविधियों के कारण इससे असहमत थे।
- साहित्य पुरस्कार के लिए आदर्शवादी मापदंड की व्याख्या को लेकर शुरू से ही कई विवाद रहे हैं, जिससे कई बार विजेताओं के चयन पर सवाल भी उठे हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

इथियोपिया: निर्माणाधीन गिरजाघर ढहा, 25 मरे

अदीस अबाबा। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में बुधवार को एक निर्माणाधीन गिरजाघर के ढह जाने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बुधवार को उत्तरी इथियोपिया के अमहारा में मेनजार शेनकोरा अर्रेती मरियम गिरजाघर में उस समय हुई, जब लोग सेंट मैरी के वार्षिक समारोह के लिए एकत्र हुए थे। एक स्थानीय अस्पताल के चिकित्सक सेयूम अल्ताये ने बताया कि पीड़ितों में कुछ बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, अब तक हमने 25 लोगों की मौत होने और सौ से अधिक घायलों की पुष्टि की है।

अफगानिस्तान में इंटरनेट प्रतिबंध नहीं

इस्लामाबाद। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में इंटरनेट पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाए जाने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि पुराने फाइबर ऑप्टिक केबल खराब हो गए हैं और उन्हें बदला जा रहा है। यह घोषणा संचार ब्लैकआउट पर तालिबान का पहला सार्वजनिक बयान है जिसके कारण बैंकिंग, वाणिज्य और विमानन क्षेत्र को बाधित हुए है। पिछले महीने, कई प्रांतों ने अनैतिकता से निपटने के लिए तालिबान नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा के एक आदेश के कारण इंटरनेट बंद होने की पुष्टि की थी। तालिबान अधिकारियों ने बयान में कहा, यह अफवाह फैलाई जा रही है कि हमने इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया है।

फेडरल रिजर्व गवर्नर बनी रहेंगी लिसा कुक

वाशिंगटन। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को लिसा कुक को फिलहाल फेडरल रिजर्व गवर्नर बने रहने की अनुमति दे दी तथा उन्हें केंद्रीय बैंक से तत्काल हटाने संबंधी ट्रंप प्रशासन के अनुरोध पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। एक अहस्ताक्षरित आदेश में, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कुक को फेड बोर्ड से हटाने के अनुरोध पर दलीलों को सुनेगा।

नेपाल में मिट्टी ढहने से चार लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रांत में बुधवार को मिट्टी ढहने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हरिपुरवा नगर पालिका-1 में हर्दीखोला नदी के किनारे से मिट्टी लेने गए तीन बच्चों और एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि त्योहार के लिए मिट्टी निकालने गए छह लोग फावड़े से नदी किनारे खुदाई कर रहे थे, तभी मिट्टी का ढेर ढह गया और चार लोग उसमें दब गए।

फौरन गाजा खाली करें वर्ना आतंकवादी मानेंगे

युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास का जवाब आने से पहले इजराइल की फिलिस्तीनियों को चेतावनी

दीर अल बलाह, एजेंसी

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बुधवार को शेष फिलिस्तीनियों को गाजा शहर छोड़ने का आदेश देते हुए कहा कि यह उनके लिए 'अंतिम अवसर' है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग शहर में रुकेंगे, उन्हें आतंकवादियों का समर्थक माना जाएगा और उन्हें इजराइल के नए हमलों का सामना करना पड़ेगा।

इस बीच गाजा के स्थानीय अस्पतालों ने जानकारी दी कि इजराइल के बुधवार को किए गए हमलों में 16 फिलिस्तीनी मारे गए। ये घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को इजराइल में किए गए हमले के बाद शुरू युद्ध को समाप्त कराने के लिए 20 सूत्र नया प्रस्ताव पेश करने के बाद हुए हैं। फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। पिछले महीने इजराइल के गाजा पर कब्जा करने के लिए शुरू किए गए बड़े हमले के बाद लगभग चार लाख फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं लेकिन हजारों लोग अब भी वहां हैं, जिनमें से कई इतने कमजोर हैं कि दक्षिणी हिस्से में स्थित शिविरों तक नहीं जा सकते।

इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह उन गाजा निवासियों के लिए अंतिम अवसर है जो दक्षिण की ओर जाना चाहते हैं और हमास आतंकवादियों को गाजा शहर में अलग-थलग छोड़ना चाहते हैं। जो लोग गाजा में रहेंगे उन्हें आतंकवादी या आतंकवाद समर्थक माना जाएगा।

इस बीच इजराइल ने गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई बुधवार को भी जारी रखी, इसमें कम से कम 16 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय अस्पतालों के अधिकारियों के मुताबिक, इजराइली हमले में मारे गए लोगों में वे भी शामिल हैं, जिन्होंने गाजा शहर में विस्थापितों के लिए बने एक स्कूल में शरण ली हुई थी।

इजराइल के शहर तेल अवीव में हजारों लोगों ने बंधकों की रिहाई और तुरंत युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

माफी मांगने के बाद भी नेतन्याहू को झटका, ट्रंप ने जारी किया आदेश- भविष्य में कतर पर किसी भी हमले को माना जाएगा अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा

दुबई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें ऊर्जा संपन्न देश कतर की रक्षा के लिए अमेरिकी सैन्य कार्रवाई सहित विभिन्न कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। 'व्हाइट हाउस' की वेबसाइट पर बुधवार को उपलब्ध इस आदेश की विषयवस्तु ट्रंप द्वारा कतर के लोगों को आश्वस्त करने का एक और उपाय माना जा रहा है, क्योंकि कुछ दिन पहले इजराइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाकर कतर पर अचानक हमला किया था। आदेश में दोनों देशों के घनिष्ठ सहयोग और साझा हित का हवाला देते हुए बाहरी हमले के विरुद्ध कतर की रक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी देने का संकल्प जताया गया है। आदेश में कहा गया है, अमेरिका कतर के क्षेत्र, संप्रभुता या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर किसी भी सशस्त्र हमले को अमेरिका की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा मानेगा। इसमें कहा गया, ऐसे हमले की स्थिति में अमेरिका अपने और कतर के हितों की रक्षा करने सभी वैध और उचित कदम उठाएगा जिसमें राजनयिक, आर्थिक और, यदि आवश्यक हो तो सैन्य कार्रवाई भी शामिल हैं। यह आदेश इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सोमवार को वाशिंगटन यात्रा के दौरान आया। 'व्हाइट हाउस' ने बताया कि इस यात्रा के दौरान नेतन्याहू ने उस हमले पर गहरा खेद व्यक्त किया, जिसमें कतर के सुरक्षा बलों के एक सदस्य सहित छह लोग मारे गए थे।

ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने अब तक नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

गाजा में युद्ध विराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पेश 20-सूत्रीय शांति योजना पर अबतक हमास ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच कतर, मिस्र और तुर्की ने हमास से अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा में युद्धविराम की योजना को स्वीकार करने का आग्रह किया है। पोप लियो ने भी हमास की ओर से सात अक्टूबर 2023 को बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के साथ तुरंत युद्धविराम की अपील दोहराई है। कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन राशद ने दोहा में सोमवार की रात हमास नेताओं के आगे ट्रंप की योजना प्रस्तुत की थी। अल थानी ने कहा कि हमास को इससे बेहतर समझौता नहीं मिलेगा और विश्वास जताया कि ट्रंप वास्तव में युद्ध को समाप्त करने का इरादा रखते हैं। मंगलवार को अल थानी और हसन राशद फिर हमास सदस्यों से मिले। इस बार तुर्किए के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन भी साथ थे। हालांकि हमास के नेताओं ने अभी ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच पोप लियो ने भी मंगलवार देर रात केस्टल गेंडोल्फो स्थित अपने पैतृक निवास से प्रस्थान करते हुए युद्ध को समाप्त करने की योजना को लेकर आशा व्यक्त की।

- कतर, मिस्र और तुर्किए ने समझौता मानने की अपील की

झाड़ू-पोंछा करने वाली मां के बेटे ने ब्रिटेन में जीता एक लाख अमेरिकी डॉलर का ग्लोबल स्टूडेंट अवार्ड

लंदन। गरीबी में पले-बढ़े 18 वर्षीय छात्र/अन्वेषक आदर्श कुमार को बुधवार को लंदन में एक समारोह में एक लाख अमेरिकी डॉलर के 'ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2025' का विजेता घोषित किया गया। आदर्श को 148 देशों से प्राप्त लगभग 11,000 नामांकनों और आवेदनों में से इस वार्षिक पुरस्कार के लिए चुना गया। यह पुरस्कार ऐसे असाधारण छात्र को दिया जाता है जिसने शिक्षा और समग्र समाज पर वास्तविक प्रभाव डाला हो।

बिहार के चंपारण में जन्मे आदर्श का पालन-पोषण अकेले उनकी मां ने किया है। उनकी मां ने आदर्श की पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए दूसरे के घरों में झाड़ू-पोछा का काम किया। आदर्श जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) में 30 लाख रुपये की पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले पहले छात्र भी हैं और अब वह दूसरों को भी इसे प्राप्त करने के लिए मदद करते हैं। लंदन में पुरस्कार प्राप्त करने के बाद आदर्श ने कहा, यह पुरस्कार जीतना अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज जीतने से मुझे और ज्यादा मेहनत करने का आत्मविश्वास मिला है। दूसरों के लिए मेरा संदेश यही है: खुद वह बनिए जो आप देखना चाहते हैं। बदलाव पहले अपने अंदर से शुरू होना चाहिए और फिर दुनिया में। दुनिया उन लोगों का सम्मान करती है जो सपने देखने की हिम्मत रखते हैं, इसलिए कृपया बड़े सपने देखें।

लंदन में ट्रॉफी के साथ आदर्श कुमार।

महाराष्ट्र के स्कूल को मिलेगा ब्रिटेन में पुरस्कार

लंदन। महाराष्ट्र के खेड़ तालुका स्थित प्राथमिक स्कूल जिला परिषद प्राथमिकशाला जलिंदरनगर को लंदन में सर्वश्रेष्ठ स्कूल की श्रेणी में दिए जाने वाले '2025 वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज कम्युनिटी च्वॉइस अवार्ड' का विजेता घोषित किया गया है। इस पुरस्कार की स्थापना ब्रिटेन स्थित टी4 एजुकेशन ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उन स्कूलों को मंच प्रदान करने के लिए की थी जो अपनी कक्षाओं के साथ बाहर भी छात्रों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। आदिवासी बहुल जिले के इस स्कूल को अपनी विषय अनुकूल प्रणाली, मिलजुल कर पढ़ने-पढ़ाने के मॉडल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण छात्र-नेतृत्व वाली शिक्षा प्रदान करके सरकारी स्कूल शिक्षा में क्रांति लाने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। अध्ययन अध्यापन के इस तरह के मॉडल में विभिन्न आयु वर्ग के छात्र एक-दूसरे के साथ पढ़ते हैं, एक दूसरे को पढ़ाते और सीखते हैं।

इंडोनेशिया : स्कूल इमारत के मलबे में दबे 91 से ज्यादा छात्र

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया की आपद प्रबंधन एजेंसी ने बुधवार को कहा कि पूर्वी जावा प्रांत के सिदोअर्जो जिले में 29 सितंबर को एक स्कूल की इमारत ढहने के बाद कम से कम 91 लोग फंस गए हैं। इनमें ज्यादातर स्कूल में पढ़ने वाले छात्र हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि कल शाम तक, इस दुर्घटना में तीन छात्रों की मौत हो चुकी थी और 90 से ज्यादा घायल हो गए थे, जबकि 26 अस्पताल में भर्ती हैं। विभिन्न एजेंसियों के सैकड़ों बचावकर्मियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। भारी मशीनरी

- अचानक ढह गई थी जर्जर इमारत तीन छात्रों के निकाले गए हैं शव

के इस्तेमाल से इमारत के ढहने की आशंका की वजह से बचावकर्मियों ने हाथ से खुदाई पर ध्यान केंद्रित किया है। वे मलबे में फंसे लोगों तक खाना और पानी पहुंचा रहे हैं। घटनास्थल पर मौजूद बचावकर्मियों ने कहा कि ढही हुई इमारत के कुछ हिस्सों में जीवन के संकेत मिले हैं और वहीं पर प्रयास केंद्रित किए जा रहे हैं। इस बीच, बीएनपीबी निर्माण विशेषज्ञों के साथ मिलकर सुरक्षित तरीके से मलबा हटाने की योजना तैयार कर रहा है ताकि ज़रूरत पड़ने पर बाद के चरणों में भारी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सके।

अमेरिका में शटडाउन के साथ शुरू हुआ अनिश्चितता का दौर

करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका, बड़े पैमाने पर छंटनी की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में सरकारी कार्यक्रम और सेवाएं जारी रखने को लेकर निर्धारित समय सीमा बुधवार को पूरी होने तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और संसद के बीच कोई समझौता न हो पाने के बाद शटडाउन (सरकारी वित्तपोषण पर रोक) शुरू हो गया, जिसके चलते अनिश्चितता का वातावरण पैदा हो गया है।

शटडाउन के दौरान संघीय सरकार के लगभग 7,50,000 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका है। शटडाउन के दौरान कई कार्यालय बंद हो जाएंगे। शटडाउन के कारण शिक्षा, पर्यावरण और अन्य सेवाएं ठप पड़ जाएंगी। इसका असर

शिक्षा विभाग में 87% कर्मचारी भेजे जाएंगे छुट्टी पर, काम ठप होने की आशंका

अमेरिकी शिक्षा विभाग में सरकारी वित्त पोषण रुकने से कामकाज ठप पड़ने की आशंका है। शिक्षा विभाग का कहना है कि बुधवार से शुरू हो रहे 'शटडाउन' के दौरान हालांकि उसके कई मुख्य कार्य जारी रहेंगे और संघीय वित्तीय सहायता जारी रहेगी, लेकिन छात्र ऋण भुगतान अब भी बकाया रहेंगे। वहीं, नागरिक अधिकारों से जुड़ी शिकायतों की जांच बंद हो जाएगी और विभाग नए संघीय अनुदान जारी नहीं करेगा। विभाग की एक आकस्मिक योजना के अनुसार, उसके लगभग 87 प्रतिशत कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया जाएगा।

- प्रशासन ने संकेत दिया है कि शटडाउन से संघीय एजेंसियों में और भी पद समाप्त हो सकते हैं। पिछले शटडाउन में संघीय धन बहाली के बाद छुट्टी गए कर्मचारियों को बुला लिया गया था। इस बार व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर निकालने की धमकी दी है।
- मई में सदन की विनियोग समिति के समक्ष पेश हुईं शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने कहा कि इस साल की छंटनी ने उनके विभाग को कमजोर कर दिया है और कुछ मामलों में तो बहुत ज्यादा असर पड़ा है।

पूरे देश में पड़ने की उम्मीद है। समय सीमा पूरी होने से पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, हम शटडाउन नहीं चाहते। हालांकि इस सप्ताह सांसदों से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात करने वाले ट्रंप शटडाउन से बचने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के बीच समझौते को लेकर बातचीत कराने के इच्छुक नजर नहीं आ रहे थे। रिपब्लिकन सांसद ने बातचीत से इनकार कर दिया और ट्रंप को किसी भी बातचीत से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिक नेतृत्व का मजाक उड़ाते हुए एक कार्टूननुमा फर्जी वीडियो पोस्ट किया, जिसे व्यापक रूप से गैर गंभीर और नस्लवादी माना गया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बुधवार को कहा कि रिपब्लिकन सांसद स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उन मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं, जिनपर डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने चिंता जताई है।

शटडाउन खत्म करने के लिए मतदान विफल लंबा खिंचेगा संकट

अमेरिका में बुधवार को शटडाउन शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे समाप्त करने के लिए मतदान विफल हो गया, क्योंकि सीनेट में डेमोक्रेट सदस्य स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के लिए धन मुहैया कराने की मांग पर अड़े रहे। राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन सदस्य इस सब्सिडी के लिए वित्त पोषण करने से इन्कार कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक सांसद कुछ समय पहले पारित ट्रंप की 'मेडिकेड' कटौती को बदलना और कर क्रेडिट का विस्तार करना चाहते हैं जो 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' द्वारा स्थापित बाजारों के जरिए स्वास्थ्य बीमा लेने वाले लाखों लोगों के लिए प्रीमियम को अधिक किफायती बनाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 2 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 19.10 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

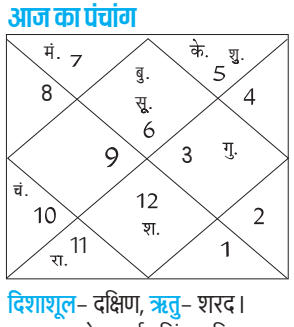

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 09.13 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज कारोबार में लाभ के बावजूद मन संतुष्ट नहीं रहेगा। यदि किसी लत या बुरी आदत से ग्रसित हैं, तो सावधान रहें। शरीर में स्फूर्ति की कमी हो सकती है। पारिवारिक जीवन अत्यंत आनंदमय रहेगा। हाथ में आए अवसरों को लेकर लापरवाही न करें।

वृष — आज पिछले कई दिनों से चली आ रही तनावयुक्त परिस्थितियां सामान्य हो जाएंगी। दूसरों के मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करें। ऑनलाइन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

मिथुन — आज आपको किसी कारणवश सहकर्मियों के ताने सुनने पड़ सकते हैं। कारोबार से जुड़े लोगों को अपनी कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करना चाहिए। प्रेम-संबंधों को लेकर अधिक भावुक होने की आवश्यकता नहीं है।

कर्क — आज कारोबार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। माता-पिता आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहने वाले हैं। वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है। नौकरी में परिस्थितियां अत्यंत अनुकूल रहेंगी। अचानक प्राप्त हुए अवसरों से मन में प्रसन्नता होगी।

सिंह — आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे किसी कारण नाराज होंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। मैनेजमेंट से जुड़े लोगों को परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन में अनबन हो सकती है। इस समय को शांति और प्रेम पूर्वक बिताएं।

कन्या — आज आप अत्यंत तीव्र गति से अपने काम पूरे करेंगे। भविष्य की योजनाओं पर धन खर्च करेंगे। जीवनसाथी का सहयोग आपका मनोबल बढ़ाएगा। नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। बुरा समय खत्म होने से चैन की सांस लेंगे।

तुला — आज आपको सैद्धांतिक विचारों के साथ व्यावहारिक भी होना पड़ेगा। उच्च अधिकारियों के प्रति मन में नाराजगी रहेगी। उधार लेने से आपको बचना चाहिए। आपको केवल अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। परीक्षा परिणाम में आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज आप सभी कार्यों को एकाग्र होकर करेंगे। मित्रों की सहायता से आपके सभी काम आसानी से पूर्ण हो जाएंगे। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। संतान को लेकर गौरव की अनुभूति होगी। इच्छित प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।

धनु — आज व्यापार में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहने वाला है। आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए। अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग करेंगे। किसी पर भी सहज ही विश्वास न करें। अपने लक्ष्यों को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ रहें। पारिवारिक अशांति दूर होगी।

मकर — आज जटिल मामलों को आसानी से सुलझा लेंगे। प्रतिस्पर्धियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। आपको सुखद समाचार मिल सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। परिवार के लोग आपको सहयोग देंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी कठिनाई का अनुभव करेंगे। अपने विचारों को संकीर्णता के दायरे में सीमित न करें। दूसरों के बजाय स्वयं के निर्णय को अधिक प्रधानता दें। किसी से अधिक अपेक्षा न रखें। दिनचर्या अनियमित हो सकती है।

मीन — आज व्यवसाय के दृष्टिकोण से आप अत्यंत भाग्यशाली रहने वाले हैं। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। आत्मविश्वास के कारण आप हर जगह बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। जटिल समस्याओं का समाधान निकालने में सफलता मिलेगी।

सुडोकू-117

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		2	6		4		
9						5		
			4				1	7
	3				8			4
		6				7		
1			7				9	
	4				3			8
		2			4			6
		5		7			4	

सुडोकू - 116 का हल

3	1	4	7	6	9	5	2	8
5	2	9	8	4	1	3	7	6
7	8	6	5	2	3	9	1	4
4	5	1	3	7	2	6	8	9
9	3	8	1	5	6	2	4	7
2	6	7	4	9	8	1	3	5
6	7	2	9	3	4	8	5	1
1	4	3	6	8	5	7	9	2
8	9	5	2	1	7	4	6	3

हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे। भारत आने वाली किसी भी टीम के लिये चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे।
-शुभमन गिल

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सिनर ने चाइना ओपन जीता

बीजिंग : इटली के यानिक सिनर ने अमेरिकी युवा लर्नर टियेन को बुधवार को चाइना ओपन में 6-2, 6-2 से हराकर खिताब जीता और शंघाई मास्टर्स टेनिस की अपनी तैयारी पुख्ता की। सिनेर ने इससे पहले एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर हार्डकोर्ट पर लगातार नौवे फाइनल में प्रवेश किया था। उन्नीस वर्ष के टियेन ने पहली बार फाइनल में प्रवेश किया, जब दानिल मेदवेदेव चोट के कारण रिटायर हो गए थे। उस समय स्कोर 5-7, 7-5, 4-0 था।

विदर्भ ने शेष भारत के खिलाफ 280 रन बनाए

नागपुर : सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे के नाबाद शतक से विदर्भ ने ईरानी कप मैच के पहले दिन बुधवार को यहां शेष भारत के खिलाफ पांच विकेट पर 280 रन बनाए। ताइडे ने 240 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के से नाबाद 118 रन बनाए। यश राठौड़ ने भी 153 गेंद में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 91 रन की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए उस समय 184 रन की साझेदारी की जब टीम 80 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। रणजी ट्रॉफी चैंपियन टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने सात ओवर में बिना विकेट गंवाए 40 रन बनाए लेकिन इसके बाद जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए।

दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन का समापन

नई दिल्ली : दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन चैम्पियनशिप 2025 का समापन नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में सफलतापूर्वक हुआ, इस चैम्पियनशिप ने देश की राजधानी में प्रतिस्पर्धी गेमिंग के नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। दिल्ली-एनसीआर से रिकॉर्ड 4250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर इसे गेमिंग बिल पास होने के बाद, पहले राज्य-उन्मुख ई-स्पोर्ट टूर्नामेन्ट्स में से एक बना दिया है। चैम्पियनशिप का आयोजन एक नेशनल ईस्पोर्ट्स संगठन द्वारा 27 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की उपस्थिति के साथ फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया किया गया।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई से उम्मीदें

फोर्ड (नॉर्वे) : वापसी की कोशिश में जुटीं पूर्व चैंपियन मीराबाई चानू बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रही विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में एक बार फिर भारत की पदक की उम्मीदों को लेकर नए 48 किग्रा वर्ग में खुद को परखने की कोशिश करेंगी। भारत ने 12 सदस्यीय टीम उतारी है लेकिन 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता मीराबाई देश की एकमात्र पदक दावेदार हैं।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते के कप्तान श्रेयस अय्यर। अमृत विचार

भारत ए ने रनों की बारिश कर आस्ट्रेलिया ए को रौंदा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कप्तान श्रेयस अय्यर व प्रियांश आर्य ने जड़े शतक, तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त
- भारत ए ने पहले बैटिंग करते 50 ओवर में 6 विकेट पर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत ए व ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाला पहला वनडे मैच मंगलवार को बारिश के कारण रद्द हुआ और बुधवार को खेला गया। दूसरे दिन हुए मैच में चौकों-छक्कों की बारिश हुई और भारत ए टीम ने माहौल रोमांचक बना दिया। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया।

जवाब में आस्ट्रेलिया ए की टीम 33.1 ओवर में 242 रन पर लौट गई। भारत ए 171 रन के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम पर सलामी बल्लेबाजों ने दबाव बनाया। प्रियांश और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी कर मेहमान गेंदबाजों को मैदान पर दौड़ाया। प्रभसिमरन 59 रन बनाकर आउट हुए, जबकि प्रियांश ने 101 रन की शतकीय पारी खेली और 11 चौके व 5 छक्के जड़े। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़े। पराग ने 66 रन बनाए जबकि अय्यर ने 75 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 12 चौके और 4 छक्के जड़े। अंत में आयुष बडोनी ने केवल 26 गेंदों पर ताबड़तोड़ 50 रन ठोकते हुए टीम का स्कोर 400 के पार पहुंचा दिया। भारत ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 413 रन बनाए। आस्ट्रेलिया के लिए विल सदरलैंड ने दो विकेट लिए, पर वह काफी महंगे साबित हुए और 73 रन खर्च किए। टॉम स्ट्रेकर, टॉड मर्फी और लियाम स्कॉट को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम ने भी शुरू में तेजी से रन बटोरे। जैक फ्रेजर ने 23 रन बनाए, लेकिन युद्धवीर सिंह ने उन्हें आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। कूपर कॉनोली ने 33 रन और मैकेंजी हार्वे ने 68 रन बनाए, जिसमें 7 चौके, 2 छक्के शामिल रहे। इसके बाद 181 रन के योग पर चार विकेट गंवा दिए।

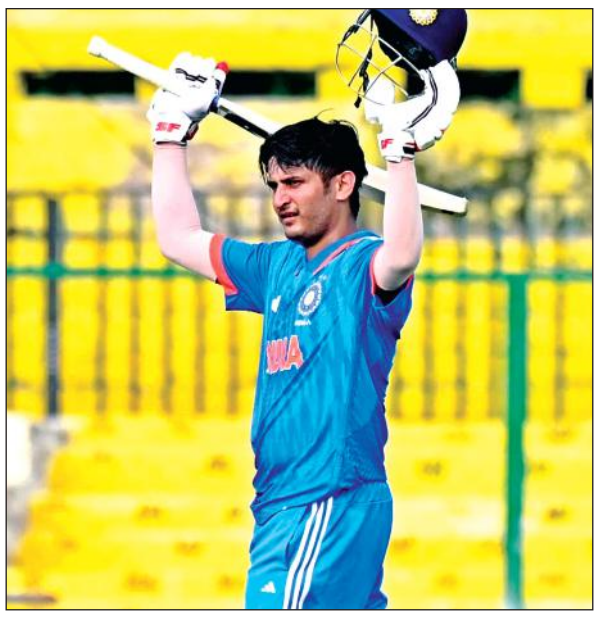

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते प्रियांश आर्य। अमृत विचार

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मिलेंगे अंक

अहमदाबाद, एजेंसी

विवादों से घिरा एशिया कप जीतने के बाद भले ही लंबा ब्रेक नहीं मिल सका हो, लेकिन शुभमन गिल की टीम का पलड़ा खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ बृहस्पतिवार से हरी भरी पिच पर शुरू हो रहे पहले टेस्ट में भारी रहेगा।

कप्तान गिल समेत भारतीय टीम के अधिकांश सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर दुबई से यहां पहुंच गए हैं और लाल गेंद के प्रारूप में खेलने की तैयारी में जुट गए हैं। इस सीरीज की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि इससे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक भी मिलने हैं। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गिल की टीम तीसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड एक अंक पीछे है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शृंखला समेत भारत को चार घरेलू टेस्ट खेलने हैं जिनसे अधिक से अधिक अंक लेने की कोशिश होगी। अहमदाबाद में इस बार खेलने की परिस्थितियां अलग है और पिच हरी भरी दिख रही है। मौसम उमस भरा है और टेस्ट मैच के दौरान थोड़ी बहुत बारिश की भी संभावना है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज टीम 2025 . 27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच मुकाबले से ज्यादा रूचि यह जानने में है कि भारत की अंतिम एकादश क्या होगी। पहले टेस्ट में पिच पर घास होने से भारतीय टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है। पिछले सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टर्निंग पिचें बनाने से भारत को नुकसान हुआ था। अक्टूबर 2024 में भारत में आखिरी टेस्ट खेलने के बाद से टीम में बहुत कुछ बदला है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज पारंपरिक प्रारूप से विदा ले चुके हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी अब टीम में नहीं हैं। भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ईकाई संतुलित है और यह देखना होगा कि देवदत्त पडिक्कल के रूप में अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारा जाता है या तेज गेंदबाजी हरफनमौला नितीश रेड्डी को मौका मिलता है। रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे लेकिन भारत वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल को भी मौका दे सकता है। वॉशिंगटन ने हैंपशर के लिये काउंटी क्रिकेट खेलने के बाद यहां पहुंचकर टीम के साथ अभ्यास किया। करुण नायर तीसरे नंबर की जगह लेने में नाकाम रहे और अब बी साई सुदर्शन का उस क्रम पर खेलना तय है।

भारत के कप्तान शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल टेस्ट मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान। एजेंसी

समय : पूर्वाह्न 9:30 से

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

वेस्टइंडीज : रोस्टन चेस (कप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिच चाहते हैं हम : गिल

अहमदाबाद : भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि टीम घरेलू मैचों में टर्निंग पिचों को तरजीह देने की बजाय ऐसी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है चूंकि पिच पर घास जमी है और मौसम भी उमस भरा है। गिल ने कहा मेरे आने (बतौर कप्तान) से पहले क्या बात हुई थी, मैं उसके बारे में नहीं बोल सकता। लेकिन हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार हो। उन्होंने कहा भारत आने वाली किसी भी टीम के लिए चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे। उन्होंने कहा आपको संयोजन के बारे में कल पता चल जायेगा। मौसम और हालात को देखते हुए तीसरे तेज गेंदबाज को उतार सकते हैं लेकिन फैसला कल लेंगे। गिल ने कहा कि भारतीय टीम अपनी धरती पर दमदार क्रिकेट खेलना चाहेगी। उन्होंने कहा हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे।

गार्डनर के शतक से ऑस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर

इंदौर : अनुभवी हरफनमौला एशले गार्डनर ने बुधवार को यहां आईसीसी वनडे विश्व कप मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ 115 रन की शतकीय पारी खेलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 326 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचने में मदद की। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 49.3 ओवर में सिमट गई। गार्डनर ने अपनी पारी के दौरान 83 गेंद का सामना करते हुए 16 चौके और एक छक्का लगाया।

उनके अलावा फोबे लिचफील्ड ने 45 रन, किम गार्थ ने 38 रन और एलिस पैरी ने 33 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए जेस केर और लिया ताहुहु ने तीन तीन जबकि ब्री इलिंग और अमेलिया केर ने दो दो विकेट झटके। गार्डनर 19वें ओवर में क्रीज पर उतरीं, तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 113 रन था। उन्होंने महज 77 गेंद में अपना दूसरा वनडे शतक जड़ दिया और टीम के बड़े स्कोर की नींव रखी। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरूआत की लेकिन चार ओवर में 20 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। कप्तान एलिस हीली (19) और फोबे लिचफील्ड (45) ने शानदार शुरुआत करते हुए आसानी से बाउंड्री लगाईं।

अभिषेक टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी

तेजी से उभरते हुए भारत के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में इतिहास के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की जबकि वरुण चक्रवर्ती भी गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब हालांकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए। हाल में यहां संपन्न एशिया कप में भारत की खिताबी जीत के बाद अभिषेक ने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ 931 अंक के साथ लगभग पांच साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। आईसीसी ने बताया कि 25 साल के अभिषेक ने 2020 में बनाए इंग्लैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान के 919 रेटिंग अंक के रिकॉर्ड को तोड़ा।

अभिषेक शर्मा।

एशिया कप के दौरान 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने अभिषेक ने टीम के अपने साथियों सूर्यकुमार यादव (912) और विराट कोहली (909) के पिछले सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक को भी पीछे छोड़ा। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले अभिषेक ने एशिया कप के सात मैच में 44.85 के औसत से 314 रन बनाए। अभिषेक दूसरे स्थान पर चल रहे इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से 82 रेटिंग अंक आगे हैं।

टीम इंडिया के उनके साथी तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। वर्मा ने एशिया कप में 213 रन बनाए। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज पथुम निसांका एशिया कप में 261 रन की बदौलत दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए। टीम के उनके साथी कुसाल परेरा (दो स्थान के फायदे से नौवें), पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (11 स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर) और भारत के संजू सैमसन (आठ स्थान के फायदे से 31वें पायदान पर) की रैंकिंग में भी एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद सुधार हुआ है।

जूनियर निशानेबाजी विश्व कप में मुकेश ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली : मुकेश नेलावल्ली ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप के अंतिम दिन पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि तेजस्विनी सिंह ने इसी स्पर्धा में महिला वर्ग में रजत पदक हासिल किया जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश नेलावल्ली ने गैर ओलंपिक स्पर्धा में कुल 585 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 शैली में 86 गेंद में 113 रन बनाए, जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 140 रन की पारी खेलकर भारत की अंडर 19 टीम को मेजबान आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले युवा टेस्ट में बुधवार को 185 रन की बढ़त दिला दी।

सूर्यवंशी ने अंडर-19 टेस्ट में भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया

ब्रिसबेन, एजेंसी

भारत की अंडर 19 टीम ने 81.3 ओवर में 428 रन बनाए। आस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम ने पहली पारी में 243 रन बनाए थे। दूसरी पारी में उसने दूसरे दिन एक विकेट पर आठ रन बना लिए थे। अभी भी वह भारतीय टीम से 177 रन पीछे है। चौदह वर्ष की उम्र में आईपीएल में शतक जमाने वाले सूर्यवंशी ने पारी के पहले ही ओवर में हेडन शिलेर को चौका जड़ा था।

उन्होंने त्रिवेदी के साथ 152 रन की साझेदारी करके बड़े स्कोर की नींव रखी। सूर्यवंशी ने अपनी पारी में आठ छक्के और नौ चौके लगाए। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर आर्यन शर्मा को बेहतरीन कवर ड्राइव लगाकर अपना शतक पूरा किया।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं।

विश्व पैरालंपिक

गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी।

अकड़ जारी

बोले- एशिया कप ट्रॉफी तभी मिलेगी जब टीम सीधे उनसे लेगी

भारत मुझसे ट्रॉफी ले सकता है : नकवी

दुबई, एजेंसी

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने जोर देकर कहा है कि भारत को एशिया कप ट्रॉफी तभी मिलेगी जब टीम सीधे उनसे लेगी।

नकवी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा एसीसी अध्यक्ष होने के नाते, मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने के लिए तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर वे सचमुच इसे चाहते हैं, तो वे एसीसी कार्यालय आकर मुझसे इसे ले सकते हैं। नकवी की यह टिप्पणी कल दुबई में हुई एसीसी बैठक के बाद आई है, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने की थी और बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने किया था।

इस बात पर कोई निर्णय नहीं हो पाया कि सूर्यकुमार यादव की

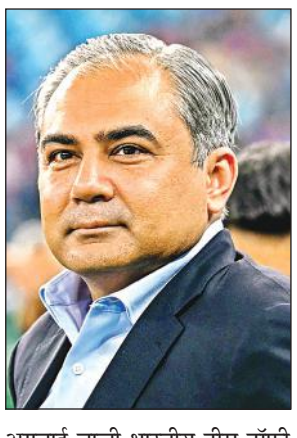

अगुवाई वाली भारतीय टीम ट्रॉफी और विजेता पदक प्राप्त करेगी या नहीं। यह गतिरोध एशिया कप फ़ाइनल में भारत की जीत के बाद एक तनावपूर्ण क्षण से उपजा है, जब नकवी, जो पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, पुरस्कार वितरण के लिए पोडियम पर आए। हालाँकि, भारतीय टीम ने उनसे ट्रॉफी और पदक स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिससे समारोह में एक घंटे से ज्यादा की देरी हुई। अंत में, कुलदीप यादव, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए, जबकि ट्रॉफी को एसीसी के एक अधिकारी अपने साथ ले गए।

भारतीय खिलाड़ियों ने मंच पर जश्न मनाया, लेकिन बिना किसी पदक के। यह विवाद टूर्नामेंट के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच हफ्तों से चल रहे तनावपूर्ण संबंधों का एक और उदाहरण है, जिसमें मैदान पर तनाव पहलगाम आतंकवादी हमले, भारत द्वारा सीमा पार हमलों के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने और दोनों देशों के बीच चार दिनों तक चले सैन्य गतिरोध के बाद द्विपक्षीय संबंधों में आई कड़वाहट को दर्शाता है।

बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी

नकवी ने कहा मैं यह साफ कर देना चाहता हूं: मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा। आशीष शेलार और राजीव शुक्ला ने एसीसी की एजीएम में बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व किया था जहां उन्होंने सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को ट्रॉफी नहीं देने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। नकवी ने मंगलवार को बीसीसीआई अधिकारियों से कहा था कि वह ट्रॉफी भारतीय टीम को देने के लिए तैयार हैं। हालांकि एजीएम में इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया गया जिससे बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी और नाराज हो गए। बीसीसीआई इस मामले को आईसीसी के सामने रखेगा।